दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — रंग बिरंगे परिधानों और मुखौटों....
4 अभिव्यक्ति — झारखंड में अहंकार और नफरत...
9 मनोरंजन/व्यापार — बर्थडे वाले दिन फिर मामा बने...
11 खेल — पीसीबी ने झाड़ा अपना पल्ला...

www.navpradesh.com
रायपुर, शनिवार 28 दिसम्बर, 2019, शुक्लपक्ष-द्वितीया, विक्रम संवत-2075 वर्ष-08 अंक-313 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

इसे कहते है माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम। घुंघरू सेठ ने वोट कबाड़ने के लिए रियायतों की बौछार करने के साथ ही मुफ्तखोरी को बढ़ावा देने का अभियान भी छेड़ दिया है। तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा.... गाते हुए मुफ्तीलाल थोक के भाव में नित नई लोकलुभावन घोषणाएं किए जा रहे है। पहले तो महिलाओं को डीटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी और अब पुरूषों को भी डीटीसी की बसों में फोकट की यात्रा का फायदा देने की योजना बना रहे है। लगता है वे दिलवालों की दिल्ली को मुफ्तखोरों की दिल्ली बनाकर ही दम लेंगे।

खास खबर

खराब मौसम के कारण उपराष्ट्रपति नहीं जा सके ओडिशा

नई दिल्ली, (वार्ता)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू शुक्रवार को खराब मौसम के कारण ओडिशा में बोलंगीर की यात्रा पर नहीं जा सके। उपराष्ट्रपति भवन के सूत्रों के अनुसार श्री नायडू को आज ओडिशा के बोलंगीर में भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड के एलपीजी बोटलिंग संयंत्र का उद्घाटन करना था और स्थानीय राजेंद्र महाविद्यालय के प्लेटिनम जुबली समारोह में हिस्सा लेना था, लेकिन बोलंगीर में खराब मौसम के कारण उनके हेलिकाप्टर को रायपुर से उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली।

सवा सौ करोड़ के पास है आधार

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में आधार कार्ड धारकों की संख्या 125 करोड़ के पार पहुँच गयी है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने शुक्रवार को बताया कि आधार परियोजना ने 125 करोड़ के आँकड़े को पार करके नई उपलिब्ध हासिल की है। देश के 125 करोड़ से ज्यादा लोगों के पास उनकी 12 अंकों की विशिष्ट पहचान उपलब्ध है।

सीएए: विरोध करना अधिकार है, लेकिन शांति से: इलयासी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के मुखिया इमाम उमर अहमद इलयासी ने नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में हो रहे हिंसक प्रदर्शनों को बंद करने की अपील की है। इलयासी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन करना आपका लोकतांत्रिक हथियार है, लेकिन यह शांतिपूर्ण ढंग से होने चाहिए। इलयासी ने कहा, 'मैं सभी नागरिकों से अपील करना चाहता हूं कि शांति बनाए रखनी चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय बन गया आदिवासी नृत्य महोत्सव, मांदर की थाप पर जमकर थिरके राहुल-भूपेश

सुबे की अलग पहचान, एक मंच पर सैकड़ों कलाकार कई संस्कृति और सभ्यता, यही अनेकता में एकता है

पहली बार एक मंच पर 39 जनजातियों की 43 से अधिक नृत्य शैलियां देखेगा प्रदेश

■ **तीन दिवसीय महोत्सव के उद्घाटन पर राहुल का आदिवासी परंपरा से हुआ अभिनंदन**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रदेश का अनूठा और ऐतिहासिक आयोजन शुक्रवार से तीन दिनों तक के लिए शुरू हुआ। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का भव्य शुभारंभ पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के हाथों हुआ। यह पहला मौका है जब एक मंच पर छत्तीसगढ़ समेत देश के सभी राज्यों की आदिवासी संस्कृति और परंपराओं से प्रदेश रूबरू होगा। राहुल ने कहा कि आज यहां सभी कलाकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता दिखाने का मौका इस मंच में मिलेगा। यहीं अनेकता में एकता की झलक दिखाई देगी। रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किया। इस दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शामिल रहे। महोत्सव में भारतीय राज्यों के अलावा बांग्लादेश, श्रीलंका, थाईलैंड, यूगांडा, बेलारूस और मालदीव के कलाकार भी मौजूद हैं। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासी महोत्सव हो रहा है जहां आदिवासियों की बात होती है। छत्तीसगढ़ की सरकार को चलाने में आदिवासी की आवाज सुनी जाएं, उनकी बातें मानी जाएं। यहां सभी प्रदेशो के लोग आए है यह सरकार का अच्छा कदम है। देशभर के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पहले दिन 10 हजार दर्शक पहुंचे देखने

इस आयोजन को लेकर चार हजार दर्शकों की क्षमता वाला विशाल डोम तैयार किया गया था। इसमें दर्शकों के बैठने के साथ ही ग्रीन रूम, फूड जोन और शिल्प ग्राम भी सजाया गया है। तीन दिवसीय इस नृत्य महोत्सव की सफलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसके शुभारंभ दिवस पर ही 10 हजार से ज्यादा दर्शक आयोजन स्थल पर पहुंच गए थे। सुरक्षा व्यवस्था, बैठक व्यवस्था के अलावा महोत्सव का लुत्फ उठाने आने वालों के लिए विविध संस्कृतियों-सभ्यताओं से परिचित करवाने वाला इंतजाम किया गया है।

शौहरत का शामियाना

27 दिसंबर से 29 दिसंबर तक होने वाले छत्तीसगढ़ में पहली बार राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसने अब अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव का रूप ले लिया है। तीन दिवसीय इस नृत्य महोत्सव में देश के 25 राज्य और केंद्र शासित राज्यों के साथ ही 6 देशों के करीब 1350 से अधिक कलाकार अपनी जनजातीय कला संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे। इस महोत्सव में 39 जनजातीय प्रतिभागी दल 4 विभिन्न विधाओं में 43 से अधिक अपनी नृत्य शैलियों का प्रदर्शन करेंगे।

राहुल ने की भूपेश सरकार की तारीफ, बोले- छत्तीसगढ़ देश में उदाहरण

■ **नम्बर देना मेरा काम नहीं, राज्य की जनता सरकार को दे रही हैं नम्बर**

■ **मोदी सरकार की पॉलिसी को खड़ा किया कटघरे में, बोले-देश का समय कर रहे बर्बाद**

■ **मीडिया से कहा, देश में बेरोजगारी बढ़ी, इकोनॉमी बर्बाद हो गई ऐसे में देश के लिए छग बना उदाहरण**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव कार्यक्रम से लौटते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने की मीडिया से बात की उन्होंने कहा कि आदिवासी नृत्य बहुत बढ़िया लगा। थोड़ी डांसिंग भी हो गई। सबकी आवाज गूंजनी चाहिए। केन्द्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि एनआरसी और एनपीआर पर कहा कि देश को बांटा जा रहा है। 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोगारी आज है। देश मे नरेंद्र मोदी की सरकार है, वे नही बता पा रहे हैं कि देश की इकोनॉमी की धज्जियां क्यो उड़ाई जा रही है? देश का समय बर्बाद किया जा रहा है। देश का 3 लाख 50 हजार करोड़ रुपये चुनिंदा 15 लोगों को दिया गया है। इस दौरान राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ सरकार की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था 9 से 4 प्रतिशत पर आ गई है। ऐसी स्थिति में छत्तीसगढ़ देश के लिए उदाहरण है। छत्तीसगढ़ सरकार को कितने नम्बर देंगे के सवाल पर उन्होंने कहा कि नम्बर देना मेरा काम नहीं वो जनता का काम और छत्तीसगढञ की जनता सरकार को लगातार नम्बर दे रही है। राहुल गांधी ने आदिवासियों को और अधिकार दिये जाने की वकालत करते हुए कहा कि हमें लगता है कि सिर्फ नृत्य के आयोजन में ही आपको शामिल नहीं किया जाना चाहिये, बल्कि आपके विचारों को भी शामिल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब पाकिस्तान के 4 जवान ढेर

■ **पुंछ-राजौरी सेक्टर में पाक ने अचानक की गोलीबारी और बमबारी**

पुंछ (ए.)। भारतीय सेना से पाकिस्तान की ओर से सीजफायर के उल्लंघन का मुंहतोड़ जवाब देते हुए उसके 3-4 सैनिकों को मार गिराया है। गुरुवार रात पुंछ-राजौरी सेक्टर में एलओसी के नजदीक पाकिस्तान की तरफ से अचानक के गोलीबारी और बमबारी शुरू हो गई। पाकिस्तान की ओर से मोर्टार भी दागे गए। भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाया।

सैन्य सूत्रों का कहना है कि इस दौरान 3 से 4 पाकिस्तानी सैनिक भी ढेर हुए। भारत की ओर से दागे गए मोर्टार और भारी गोलाबारी में पाकिस्तानी ठिकानों को भी नुकसान पहुंचा है। इससे पहले बुधवार को पाकिस्तानी फायरिंग में भारत के एक जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद भारतीय सेना ने साफ किया कि अगर एलओसी पर भारत का एक भी सैनिक शहीद हुआ तो पाकिस्तान के कम से कम तीन जवान मारे जाएंगे। बुधवार को रामपुर सेक्टर (उरी के करीब) पाकिस्तान की ओर से संघर्षविराम का उल्लंघन किया गया था जिसमें सूबेदार वीराश कुरहाठी शहीद हो गए थे। एक स्थानीय महिला की मौत भी हुई। पाकिस्तानी सेना ने बारामुला जिले के कई सेक्टरों में कई नागरिक और रक्षा ठिकानों को हल्के हथियारों से भी निशाना बनाया था। तोपों से हुई गोलाबारी के कारण नियंत्रण रेखा के इस पार भीतरी इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों में खौफका माहौल पैदा हो गया।

देश को बर्बाद कर रही है भाजपा : प्रियंका

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी पर वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह जनता को गुमराह कर चरणबद्ध तरीके से संस्थानों को बर्बाद करने में जुट जाती है। श्रीमती वाड्रा ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि भाजपा सरकार व्यवस्थित तरीके से काम करती है और देश के संविधान को तबाह करती है। देश की जनता को गुमराह करती है और फिर उन्हें ही 'मूर्ख' बनाती है। उन्होंने कहा कि इस बार देश का युवा मैदान में डटा हुआ है और वह अपने अधिकारों के मामले में पीछे नहीं हटने वाला। उन्होंने कहा क्रोनोलोजी समझिए आप। पहले वो आपसे दो करोड़ नौकरियां का वादा करेंगे, फिर वो सरकार बनाएंगे, फिर वो आपकी यूनिवर्सिटीज बर्बाद करेंगे, फिर वो देश का संविधान बर्बाद करेंगे, फिर आप प्रोटेस्ट करेंगे, फिर वो आपको फूल बोलेंगे। लेकिन यंगिस्तान मैदान में डटा रहेगा।

त्वरित टिप्पणी

सुकांत राजपूत

3 घंटे में 3 दिन की तारीफ का महोत्सव...

सूबा-ऐ-सदर भूपेश बघेल की एक साल सरकार के कामकाज को मानों पंख लग गए...12 माह में 4 चिन्हारी के बाद 3 दिनी आदिवासी नृत्य महोत्सव का पहला दिन ही अगर सियासी नजरिए से तारीफ-ऐ-काबिल साबित हो तो फिर चिंता किस बात की। यह करिश्माई किस्मत फिलहाल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की निस्बत है। कांग्रेस की विरासत जिन्हें विरसे में मिली उस आला शख्सियत की ही दूरदर्शिता का नतीजा है। सूबे की सत्ता चार दिग्गजों में एक भूपेश बघेल को सौंपी गई। तुर्रा यह कि सालभर बाद उसी चुनिंदा शख्स के सामने सीएम भूपेश ने खुद को साबित कर दिया। सिर में सिंग का ताज और गर्दन में जड़ी-बूटी की माला पहने खुले गले से तारीफों के पुल बांध गए राहुल गांधी। कमोबेश..तारीफ के हकदार सूबा-ऐ-सदर की सियासी मशक्कत का ही यह नतीजा है कि उनकी चार चिन्हारी देर से ही सहीं पर ग्लोबल वार्मिंग के मुहाने में बैठे राज्यों और देशों को भी भा गया है। अकेले ही सड़क की लड़ाई लड़कर सियासी तब्दीली लाने वाले, किसी जिद्दी किसान की तरह बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए तत्पर भूपेश ने प्रदेश में पार्टी में प्राण फूंके। उनका भोला छत्तीसगढ़िया की ईमानदारी, अनुशासन वाला चरित्र सर्वत्र सराहा जाता रहेगा। परंपरा, संस्कृति को सहेजने वाला उनका अनेकता में एकता वाला भाव सबके सामने आ गया है। अब प्रदेश के विकास और युवाओं के लिए उनकी कार्ययोजना का नए साल से असर सब देखेंगे। फिलहाल आज राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव को अंतर्राष्ट्रीय कुव्वत का बन जाने से सिर्फ सूबे में ही नहीं बल्कि बर्रे-सगीर में शोहरत दिलाएगा। मियादी महोत्सव में बेमियादी खुशियों का तब कोई ठिकाना नहीं रहा जब राहुल गांधी, पीसीसी चीफ मोहन मरकाम और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एक साथ मांदर की थाप में जमकर थिरके। यह नजारा सिर्फ तीन सियासतदाओं के खुशी में उठते कदम नहीं बल्कि दिल्ली, छत्तीसगढ़ और हमारी आदिवासी संस्कृति का समावेश था। दिल्ली रवानगी से पहले मीडिया से रूबरु राहुल गांधी ने जिस तरह भूपेश सरकार को नंबरों में कैद करने की बजाए सीधे केंद्र और छग.की राज्य सरकार की तुलना कर तारीफ किये वह उनके लिए भी सबक है जो गाहे-ब-गाहे खुद को अव्वल बताने बेकरार रहते हैं। खैर..सियासत में शोहरत, तारीफ और मज्जमत का चोली दामन का रिश्ता होता है।

गरमा-गरम

शाह का सवाल — सीएए पर अमित शाह की विरोधियों को चुनौती

दिखाएं कहां है एक्ट में नागरिकता छीनने का प्रावधान

■ **'मुसलमान भाई-बहनों से की अपील, पहले खुद सीएए को समझें और फिर दूसरों को भी समझाएं**

शिमला (ए.)। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर कांग्रेस पर एक बार फिर से गृह मंत्री अमित शाह ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐंड कंपनी अफवाह फैला रही है कि यह ऐक्ट अल्पसंख्यकों की नागरिकता को छीन लेगा। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पर वार करते हुए उन्होंने कहा, 'राहुल बाबा मैं आपको चैलेंज देता हूं कि इस कानून में एक भी जगह किसी की भी नागरिकता लेने का प्रावधान है तो दिखाइए।' उन्होंने कहा, 'देश के सभी मुसलमान भाई-बहनों से अपील है कि पहले खुद नागरिकता संशोधन अधिनियम को समझें और फिर दूसरों को भी समझाएं। नहीं तो झूठ और भ्रम फैलाने वाले राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के स्वार्थ के लिए हमें आपस में यूँ ही लड़ाते रहेंगे।' शिमला में हिमाचल प्रदेश सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर अमित शाह ने कहा कि 1950 में नेहरू-लियाकत समझौता हुआ, जिसके तहत यह तय हुआ था कि दोनों देश अपने यहां अल्पसंख्यकों का संरक्षण करेंगे। लाखों-करोड़ों शरणार्थियों की कोई सुध नहीं ले रहा था।

गरीबों पर टैक्स की तरह है एनआरसी

बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कई मौकों पर नागरिकता संशोधन कानून का विरोध करते हुए कहा था कि यह असंवैधानिक है। यही नहीं शुक्रवार को सुबह रायपुर में भी एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि एनआरसी हो या फिर एनपीआर यह गरीबों पर टैक्स की तरह है। राहुल गांधी ने कहा, 'नोटबंदी गरीबों पर टैक्स की तरह था। गरीब लोगों पर हमला था और अब आम लोग पूछ रहे हैं कि हमें नौकरियां कैसे मिलेंगी?'

'कश्मीर में अब शान से लहरा रहा है तिरंगा'

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने पर मोदी सरकार की सराहना करते हुए शाह ने कहा, 'हम सब बचपन से नारा लगाते थे कि इस देश में दो निशान, दो प्रधान ■ शेष पृष्ठ 8 पर

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड, पिछले 118 साल में दूसरी बार सबसे सर्द रहेगी दिल्ली!

- **इससे पहले दिसंबर 1997 में दिन का औसत अधिकतम तापमान 19.7 तक पहुंच गया था**
- **26 दिसंबर को दिल्ली में अधिकतम औसत तापमान 19.8 रहा**

नई दिल्ली(ए.)। दिल्ली में जब जमा देने वाली ठंड पड़ी थी तब आप कहां थे? हो सकता है भविष्य में आपसे भी ऐसा ही सवाल पूछा जाए। दिसंबर में इस बार जो शीतलहर जारी है वह ऐतिहासिक है। यह दिसंबर पिछले 100 सालों के दौरान दूसरा सबसे ठंडा दिसंबर बनने जा रहा है। 1901 से 2018 तक सिर्फचार मौकों पर दिसंबर का अधिकतम औसत तापमान 20 डिग्री से नीचे गया है। इस साल यह 26 दिसंबर तक 19.85 डिग्री है, जबकि 31 दिसंबर तक यह महज 19.15 डिग्री ही रह सकता है। शीत लहर का यह प्रकोप अभी 30 दिसंबर तक बना रहेगा। शुक्रवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री रेकॉर्ड किया गया।

इससे पहले 1907 में दिन का औसत तपमान दिसंबर में 17.3 डिग्री सेल्सियस रेकॉर्ड किया गया था। नए साल पर बाहर जाकर सिलेब्रेट करने

की योजना बनाने वालों के लिए भी एक बुरी खबर है। नए साल का आगाज ओलावृष्टि के साथ हो सकता है। 1 और 2 जनवरी 2020 को ओलावृष्टि की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक 3 जनवरी तक हिल स्टेशनों में भी भयंकर बर्फबारी होगी। राजस्थान के फतेहपुर में रात का तापमान 0 से 3 डिग्री के बीच और सीकर में 0 से नीचे पहुंच रहा है।

राजधानी में ऑरेंज अलर्ट

हाड़ कांप वाली ठंड और घने कोहरे को देखते हुए मौसम विभाग ने 29 दिसंबर तक दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी में ऑरेंज अलर्ट जारी कर रखा है। इस शीतलहर के 11वें दिन सफदरजंग अस्पताल के पास अधिकतम तापमान 13.4डिग्री, पालम में 11.8 डिग्री और दिल्ली यूनिवर्सिटी में 12.6 डिग्री रेकॉर्ड किया गया। दिल्ली में घने कोहरे के चलते दृश्यता सुबह 8:30 बजे के आसपास 700 मीटर थी। इसके चलते ट्रेनों का आवागमन और विमानों का संचालन भी प्रभावित है। इस सीजन में दिल्ली में 18 दिसंबर को अधिकतम तापमान महज 12.2 डिग्री तक पहुंच गया था। यह 22 सालों के अधिकतम तापमान का रेकार्ड था।

1997 में टूटा था ठंड का रेकॉर्ड: रीजनल वेदर सेंटर के डिप्टी डीजी डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव के अनुसार उत्तर पश्चिमी हवाएं लगातार दिल्ली आ रही हैं और ऊपरी सतह पर बादल छाए हुए हैं। जिसकी वजह से धूप धरती तक नहीं पहुंच पा रही है। इसी वजह से दिन के समय ठंड कम नहीं हो रही है। 31 दिसंबर से तापमान में कुछ सुधार हो सकता है।

राजस्थान में जमी बर्फ!

राजस्थान में कई स्थानों पर रात का तापमान एक डिग्री सेल्सियस से पांच डिग्री सेल्सियस तक रहा है। शेखावटी अंचल में सर्दी जोरों पर है। सीकर जिले में गुरुवार को पारा जमाव बिन्दु पर पहुंच गया। इससे पेड़ों पर पहाड़ी क्षेत्रों की तरफ बर्फ जमने लग गई है। शेखावटी क्षेत्र में चुरू, सीकर, झुंझनू जिले और निकटतम क्षेत्र आते हैं। राजस्थान के एक मात्र पर्वतीय पर्यटन क्षेत्र माउंट आबू में तापमान एक डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने राजधानी को दूसरी जगह ले जाने का फैसला टाला

अमरावती(ए.)। आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने राज्य की राजधानी को दूसरी जगह ले जाने पर निर्णय शुक्रवार को टाल दिया। आधिकारिक

सूत्रों ने यहां बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक में इस विषय पर विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर चर्चा हुई लेकिन फैसला नहीं लिया गया क्योंकि यह एक अंतरराष्ट्रीय परामर्श कंपनी की रिपोर्ट का इंतजार करना चाहता है। इस कंपनी के तीन जनवरी को अपनी रिपोर्ट सौंपने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल फिर से बैठक करेगा और इस विषय पर निर्णय लेगा। मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने 17 दिसंबर को संकेत दिया था कि आंध्र प्रदेश की तीन राजधानियां हो सकती हैं क्योंकि विकेंद्रीकरण वास्तविक अवधारणा है। उन्होंने कहा था कि वर्तमान राजधानी अमरावती विधायी राजधानी और विशाखापत्तनम कार्यपालिका की राजधानी और कुर्नुल न्यायिक राजधानी हो सकती है। अमरावती में प्रस्तावित राजधानी के लिए जिन किसानों ने अपनी जमीन दी थी, वे पिछले दो-तीन दिनों से आंदोलन कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि सरकार आंध्रप्रदेश की राजधानी अन्य स्थान पर ले जाने की योजना छोड़ दे।

खबर के लिए बवाल वाले बयान पर घिरे बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप घोष

कोलकाता(ए.)। पश्चिम बंगाल की राज्य इकाई के बीजेपी अध्यक्ष दिलीप घोष के बयान को लेकर विवाद हो गया है। पूर्वी मिदनापुर में

रैली को संबोधित करने से पहले घोष ने मीडिया से बातचीत में घोष ने कहा, ' वे (तृणमूल कांग्रेस) बवाल करेंगे फिर हम बवाल करेंगे। यह बंगाल की राजनीति का चरित्र है। हम हर चीज के लिए तैयार हैं। आप (पत्रकारों से) को भी न्यूज़ चाहिए होता है। इसलिए हम लोगों को बवाल करने देते हैं।'

दिलीप घोष के इस बयान पर अब विवाद खड़ा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस के नेता और राज्य के संसदीय राज्यमंत्री तापस रॉय ने कहा, 'राज्यों की जनता बीजेपी को खारिज कर रही है। वे हिंसा के जरिए बंगाल को नियंत्रित करना चाहते हैं। उन्हें (घोष को) बंगाल की राजनीतिक संस्कृति के बारे में कुछ भी पता नहीं है।' सीपीएम के विधायक सुजान चक्रबर्ती ने कहा, 'लोग इस तरह की राजनीति को स्वीकार नहीं करते हैं। दिलीप घोष सनसनी पैदा करने के लिए मूर्ख की तरह बात कर रहे हैं।' इससे पहले घोष अपने बयान के लिए उस समय चर्चा में आए थे जब उन्होंने कहा था कि भारतीय नस्ल की गायों के दूध में सोना होता है।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित का विवादित बयान, बोले- ज्यादातर पुलिस वाले हैं भ्रष्ट, माफी से किया इनकार

नई दिल्ली(ए.)। कांग्रेस के सीनियर लीडर संदीप दीक्षित ने पुलिस को लेकर विवादित बयान देते हुए कहा है कि हमारी आधी से ज्यादा पुलिस

भ्रष्ट है। मुजफ्फरगर में कथित तौर पर पुलिसकर्मियों द्वारा मुस्लिम समुदाय के लोगों के घरों में तोड़फोड़ की खबरों पर संदीप दीक्षित ने यह बात कही। उन्होंने कहा, 'आधे से ज्यादा पुलिस तो हमारी भ्रष्ट है, वह अपना भ्रष्टाचार कैसे मिटाएं।' यही नहीं अपने इस बयान पर सवाल खड़े किए जाने पर भी उन्होंने माफी से इनकार कर दिया। हालांकि सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि मैंने यह कहा कि ज्यादातर पुलिस करप्ट है, यह नहीं कहा कि सभी पुलिस वाले भ्रष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कहा था कि ज्यादातर पुलिस वाले करप्ट हैं। यह नहीं कहा कि सभी लोग भ्रष्ट हैं।' उन्होंने कहा कि राजनेता जनता के प्रति जवाबदेह हैं, इसी तरह से जनसेवक भी आम लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि यदि पुलिस निष्पक्ष होकर काम नहीं करेगी तो ऐसा जनता में यह संदेश जाएगा कि वह संविधान के मुताबिक अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं कर रही है।

नागरिकता कानून का विरोध

जुमे की नमाज के बाद सैकड़ों लोगों ने दिल्ली की जामा मस्जिद पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली(ए.)। दिल्ली में भले ही कड़ाके ही ठंड पड़ रही हो लेकिन उन प्रदर्शनकारियों के ऊपर इसका थोड़ा सा भी असर नहीं दिख रहा था जो लाल किला के सामने मस्जिद पर एकजुट होकर नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ अपना विरोध जाहिर कर रहे थे।

प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर वो लोग थे जो शुक्रवार की जुमे की नमाज पढ़ने आए थे। उन्होंने नए कानून और प्रस्तावित एनआरसी के विरोध में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा- इस देश को एनआरसी, एनपीआर नहीं चाहिए। इस देश को रोजगार चाहिए। इस देश को अमन और शांति चाहिए।

प्रदर्शनकारियों के हाथों में जो पोस्टर्स थे और उसमें साफ लिखा था- ÷संविधान को बचाओ, भारत को मत बांटो।÷ इसके साथ ही, लोगों से यह अपील भी की कि

अहिंसा बनाए रखें। कांग्रेस नेता अलका लांबा और दिल्ली के पूर्व विधायक शोएब इकबाल भी उन सैकड़ों प्रदर्शनकारियों में शामिल थे। लांबा ने सरकार पर प्रहार करते हुए कहा, ''देश में असल मुद्दा बेरोजगारी का है लेकिन आप (प्रधानमंत्री) लोगों को एनआरसी के लिए लाइन में खड़ा करना चाहते हैं जैसा नोटबंदी के दौरान किया गया था। उन्होंने कहा, ''देश और संविधान के लिए लोकतंत्र की आवाज उठाना आवश्यक है। केंद्र सरकार तानाशाह नहीं हो सकती और लोगों पर अपना एजेंडा नहीं थोप सकती है। मस्जिद में जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शनकारियों ने नये कानून और प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ नारेबाजी की।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा, ''इस देश को एनआरसी, एनपीआर नहीं चाहिए। इस देश को रोजगार चाहिए। इस देश को अमन और शांति चाहिए। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर लिखा था -- 'संविधान बचाओ, देश मत बांटो। उन्होंने लोगों से हिंसा नहीं करने की अपील की।

पुलिस की आंखों में धूल झोंकने दिल्ली में उपद्रवियों ने थाम रखा था तिरंगा!

नई दिल्ली(ए.)। नागरिकता संशोधन कानूनके विरोध में देश भर में फैले हिंसक प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर ली गई है और पुलिस इन लोगों तक पहुंचने की कोशिशों में जुटी हुई है। खुफिया एजेंसियों द्वारा बनाई गई ऐसे लोगों की 'कुंडली' तमाम राज्यों की पुलिस के हवाले की जा चुकी है। न्यूज एजेंसी आईएनएस के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारियों के बाद दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच, स्पेशल सेल भी सतर्क है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ऐसे लोगों को अपने 'रडार' पर ले लिया है। जामिया, जाकिर नगर, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में बीते 15 दिसंबर और उसके ठीक दो दिन बाद उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर जाफराबाद में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में किसकी क्या-क्या भूमिका रही, इसका लेखा-जोखा दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के पास आ चुका है।

हाथ बांधकर पीएम आवास की ओर जा रहे भीम आर्मी के प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोका

नई दिल्ली(ए.)। भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रशेखर रावण की रिहाई की मांग तथा नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ शुक्रवार को प्रधानमंत्री आवास की ओर अपने हाथ बांधकर जा रहे सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोक दिया। भारी सुरक्षा-व्यवस्था और ड्रोन निगरानी के बीच भीम आर्मी के सदस्यों समेत इन प्रदर्शनकारियों ने जोरबाग के दरगाह शाह-ए-मरदान से अपना मार्च शुरू किया। पुलिस ने उन्हें लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास से पहले ही रोक दिया। इस मार्च में हिस्सा ले रहे प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथ बांध रखे थे ताकि उन पर इस प्रदर्शन के दौरान हिंसा एवं आगजनी के आरोप नहीं लगाए जा सके। इस दौरान प्रदर्शनकारी बाबासाहेब अंबेडकर और आजाद का पोस्टर लेकर 'तानाशही नहीं चलेगी जैसे नारे लगा रहे थे।

सीएए के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुई नार्वे की महिला, मिला भारत छोड़ने का निर्देश

कोच्चि।(ए.) कोच्चि में संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में हुए प्रदर्शन में शामिल नॉर्वे की एक महिला को वीजा नियमों का उल्लंघन करने के लिए भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के अधिकारी अनूप कृष्णन ने कहा,'हमारी जांच में पाया गया कि उन्होंने वीजा नियमों का उल्लंघन किया है और इसलिए उन्हें जाने के लिए कहा गया।' एफआरआरओ केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है। एफआरआरओ ने कहा था कि सोशल मीडिया के जरिए यह बात सामने आई कि नॉर्वे की एक महिला के 23 दिसंबर को नए कानून के विरोध में प्रदर्शन में कथिततौर पर हिस्सा लिया था और इसके बाद से हम इस मामले की जांच कर रहे हैं।

कोटा के सरकारी अस्पताल में 2 दिन में 10 बच्चों की मौत

- **हर साल मर रहे हैं हजार से ज्यादा बच्चे**

नई दिल्ली(ए.)। राजस्थान को कोटा स्थित जेके लोन सरकारी अस्पताल में पिछले दो दिनों के भीतर दस बच्चों की मौत हो गई, जिसके बाद अस्पताल प्रशासन की तरफसे पूरे मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। हालांकि, तथ्य यह भी है कि पिछले छह सालों से इस अस्पताल में हर साल एक हजार से अधिक बच्चों की मौत हो रही है। पिछले छह सालों में इस

अस्पताल में 66 सौ से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है।

अस्पताल अधिकारियों की तरफसे यह बताया गया है कि छह बच्चे की 23 दिसंबर को मौत हुई, जबकि 24 दिसंबर को 4 बच्चों ने दम तोड़ दिया। मरने वालों में पांच बच्चियां और इतने ही बच्चे हैं। इनकी उम्र एक दिन से लेकर एक साल के बीच है।

अस्पताल प्रशासन ने दिए जांच के आदेश: जेके लोन अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉक्टर एचएल मीना ने दस बच्चों की दो दिन में हुई मौत पर सफाई देते हुए कहा कि कोटा डिवीजन में यह मां और बच्चे का सबसे बड़ा सरकारी रेफरल अस्पताल है। यहां पर पड़ोसी जिले भिलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के लोगों को इलाज के लिए रेफर किया जाता है।

चंद्रिका राय ने राबड़ी के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत कर लगाया आरोप

नई दिल्ली(ए.)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप और उनकी बहू ऐश्वर्या के बीच संबंध एक तरफ जहां बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है, तो वहीं दोनों परिवार एक दूसरे के खिलाफ आमने-सामने है। अब लालू यादव की समधि चंद्रिका राय ने राबड़ी देवी के खिलाफथाने में जाकर लिखित शिकायत की है। हालांकि, चंद्रिका राय की तरफसे लिखित शिकायत में फिलहाल एफआईआर नहीं बल्कि जबरन सामान भिजवाने के आरोप लगाए

तेजप्रताप-ऐश्वर्या विवाद

गए हैं। चंद्रिका राय ने कहा कि सामान के साथ कोई लिस्ट नहीं है। ऐसे में उन्हें साजिश रच फंसा सकता है लालू यादव का परिवार।

राबड़ी ने बहु ऐश्वर्या के घर जबरदस्ती भिजवाया सामान: गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने बहू ऐश्वर्या का सामान पिकअप वैन में लोडकर सुरक्षकर्मियों के साथ ऐश्वर्या के पिता चंद्रिका राय के घर भिजवा दिया। लेकिन, चंद्रिका राय ने सामान लेने से इनकार कर दिया। सुरक्षाकर्मियों ने सामान उनके आवास के सामने ही छोड़ दिया। चंद्रिका राय ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी है। मालूम हो कि राबड़ी देवी के साथ हुए विवाद के बाद बहू ऐश्वर्या अपने मायके लौट गई थीं। तब ऐश्वर्या ने यह आरोप लगाया था कि उनके साथ मारपीट की गई और उनका सारा सामान रख लिया गया।

बयान | एआईएमआईएम चीफ ओवैसी, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह सहित कई नेताओं ने रावत के बयान को ठहराया गलत

पहले भी सुर्खियों में रह चुके हैं आर्मी चीफ जनरल रावत

नई दिल्ली (वार्ता)। सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने गुरुवार को नागरिकता संसोधन कानून (सीएए) के खिलाफ हालिया विरोध-प्रदर्शन के बारे में कहा कि यदि नेता हमारे शहरों में आगजनी और हिंसा के लिए विश्वविद्यालयों और कॉलेज के छात्रों सहित जनता को उकसाते हैं, तो यह नेतृत्व नहीं है। उनके इस बयान के बाद प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह सहित कई नेताओं ने इस बयान को गलत ठहराया है।

यह कोई पहला मामला नहीं था कि सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत के बयान पर सियासी

बयानबाजी तेज हो गई हो। इससे पहले भी कई मौकों पर वह सुर्खियों में रहे। आपको बता दें कि इसी साल 31 दिसंबर को बिपिन रावत अपने पद से सेवनिवृत हो रहे हैं। चीफऑफडिफेंस स्टाफके लिए उनका नाम सबसे आगे चल रहा है।

पांच ऐसे मौके जब बिपिन रावत ने सुर्खियां बटोरीं:

जनरल बिपिन रावत ने दो साल पहले चीफऑफआर्मी स्टाफ कमांडेशन कार्ड से मेजर लीतूल गोगोई को उग्रवाद पर लगाम लगाने के लिए सम्मानित किया था। गोगोई ने 2017 में जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाजों से बचने के लिए अपनी जीप के आगे में एक कश्मीरी नागरिक को बांध दिया था। घाटी के लोग, मानवाधिकार कार्यकर्ता और नेताओं ने इसकी जमकर आलोचना की थी। गोगोई उस समय मुश्किल में फंस गए थे जब बीते साल उन्हें श्रीनगर के एक होटल में एक कश्मीरी महिला के साथ देखा गया था, जो कि नियम के खिलाफहै।

बीते वर्ष दिसंबर महीने में आर्मी चीफजनरल बिपिन रावत ने उन सैनिकों को आगाह किया था जो दिव्यांग हो जाने का गलत सर्टिफिक्रेट बनवाकर पेंशन लेते हैं. उन्होंने कहा था, 'अगर कोई सैनिक वास्तव में दिव्यांग हो जाते हैं तो हम उनपर विशेष ध्यान देंगे और उन्हें पूरी मदद करेंगे। लेकिन, कोई गलत तरीके से इसका लाभ लेता है तो मैं उन्हें आगाह करता हूं आप ऐसा नहीं करें। आने वाले दिनों में आपको आर्मी हेडक्वार्टर से अच्छी खबर नहीं मिलेगी।'

2017 में सेना प्रमुख बिपिन रावत ने कश्मीर में पत्थरबाजों के खिलाफ एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था, 'काश, ये लोग हम पर पत्थर फेंकने के बजाय, हमारे ऊपर हथियार फेंक रहे होते। तब मुझे खुशी होती। तब मैं भी वह कर पाता जो मैं चाहता हूं।' उनके इस बयान की भी काफी आलोचना हुई थी।

एकबार सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा था कि सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए एक आचार संहिता होनी चाहिए। इसके तहत परिस्थिति आने पर पेंशन की सुविधा छीनने का भी अधिकार हो। यह जूनियर अधिकारियों को अपने सीनियर अधिकारियों के खिलाफ ट्विटर पर अपशब्द लिखने से रोकेगा और भारतीय सेना की मर्यादा बनी रहेगी।

सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत का मीडिया को दिया वह बयान भी सुर्खियों में रहा था, जिसमें उन्होंने कहा था, 'युद्ध में भूमिका निभाने वाली महिलाएं, कपड़ा बदलते समय पुरुषों के अपने टेंट में झांकने की शिकायत कर सकती हैं। हमें उनके चारों तरफचादर देना पड़ेगा।'

कनेरिया के बयान ने पाकिस्तान का असली चेहरा दिखाया: गंभीर

नई दिल्ली(ए.)। पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने शुक्रवार को कहा कि हिंदू होने के कारण साथी खिलाड़ियों का बुरा बर्ताव झेलने वाले पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कनेरिया के इस बयान ने पाकिस्तान का असली चेहरा दिखा दिया है।

गंभीर ने कहा, 'भारत में मोहम्मद अजहरूद्दीन जैसे कप्तान हुए हैं, जो लंबे समय तक कप्तान रहे। यह उस देश में हो रहा है, जिसके प्रधानमंत्री इमरान खान खुद क्रिकेटर रहे हैं।'उन्होंने कहा, 'कनेरिया ने अपने देश के लिए इतने टेस्ट खेले हैं। इसके बावजूद उन्हें यह सब झेलना पड़ा तो यह शर्मनाक है।'

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने दावा

किया था कि उनके साथी खिलाड़ी कनेरिया के साथ कुछ पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने पक्षपातपूर्ण बर्ताव किया और उसके साथ खाना भी नहीं खाते थे क्योंकि वह हिंदू थे। कनेरिया ने उनके दावे का समर्थन करते हुए कहा था, 'शोएब भाई महान खिलाड़ी हैं। वह गेंदबाजी की तरह बातें भी खरी-खरी करते हैं। जब मैं खेलता था तो इन मसलों पर बोलने की हिम्मत नहीं थी लेकिन शोएब भाई के बयान के बाद अब वह हिम्मत आ गई है।' उन्होंने , इंजी भाई (इंजमाम उल हक), मोहम्मद युसूफ और यूनिस भाई ने भी हमेशा मेरा साथ दिया।'

रंग बिरंगे परिधानों और मुखौटों में पौराणिक कथानक देख दर्शक हुए अभिभूत

■ लोक नृत्यों में शारीरिक कौशल और करतब का भी हुआ प्रदर्शन

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य प्रतियोगिता में झारखण्ड राज्य के कलाकारों ने रंगबिरंगे परिधानों में मुखौटे लगाकर छाऊ नृत्य किया जिसे देखकर दर्शक अचंभित रह गए। इस नृत्य विद्या में मार्शल आर्ट और करतब के माध्यम से रामायण और पुराणों की कथाओं को प्रस्तुत किया जाता है। अपनी विशिष्ट शैली के कारण छाऊ ने विदेशों में भी अपनी खास पहचान बनाई है। झारखण्ड के सारेकला जिले से आए छाऊ नृत्य के कलाकार श्री घासीराम महतो ने बताया कि उन्होंने अधर्म पर धर्म की जीत के कथानक पर आधारित महिषासुर मर्दन का प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ में विभिन्न कलाओं और पारंपरिक नृत्यों का समागम देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि यहां आकर देश-विदेश की विभिन्न संस्कृति को जानने का अवसर मिला। छाऊ नृत्य के प्रत्येक गीत की शुरूआत में पात्रों और विषयवस्तु का परिचय दिया जाता है। नृत्य में पुरूष कलाकारों के द्वारा ओजस्विता, शारीरिक कौशल और विभिन्न भाव भंगिमाओं से दर्शकों का मनोरंजन किया जाता है। झारखण्ड राज्य ने छाऊ नृत्य के अतिरिक्त संथाली नृत्य का भी प्रदर्शन किया। यह नृत्य जनजाति समूह द्वारा पारंपरिक उत्सव के दौरान किया जाता है।

राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के प्रथम सत्र में तेलंगाना राज्य ने कोया नृत्य, असम ने बागरूंगा, झारखण्ड ने छाऊ और संथाली, उड़ीसा ने दुरवा, गुजरात ने सिद्दी नृत्य की मनोरंजक प्रस्तृति दी। आदिवासी नृत्य की विभिन्न विद्याओं और परंपराओं का प्रदर्शन देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। प्रतियोगिता के पूर्व बेलारूस ने लोक नृत्य, अरूणाचल प्रदेश ने रेह, लद्दाख ने फ्लावर नृत्य, कर्नाटक ने सुगाली और छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने दंडामी माड़िया जनजाति के गौर नृत्य की प्रस्तुति दी।

प्रतियोगिता में सबसे पहले नवगठित तेलंगाना राज्य के कलाकारों ने कोया नृत्य प्रस्तुत किया। तेलंगाना में अनेक आदिवासी जनजातियां निवास करती हैं इनमें से आदिवासी जनजाति कुमुख कोया द्वारा मुख्य रूप से कोया नृत्य किया जाता है। यह नृत्य विवाह, धार्मिक अनुष्ठान, मेला मड़ई में किया जाता है। कोया नृत्य में छत्तीसगढ़ के दंडामी माड़िया के गौर नृत्य के समान युवक गौर के सींग और मोरपंख पहनकर मांदर लिए होते हैं और युवतियां पीतल के मुकुट और घुघरूदार छड़ी लेकर नृत्य करती हैं।

महोत्सव के समापन समारोह में सांसद अधीर रंजन चौधरी होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर। रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के अंतिम दिन 29 दिसम्बर को आयोजित समापन समारोह में सांसद एवं संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष श्री अधीर रंजन चौधरी मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल करेंगे। समापन समारोह का आयोजन रात्रि 7.30 बजे से किया गया है। महोत्सव के समापन अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष श्री चरणदास महंत, महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष श्री नानाभाऊ पाडोले और राज्यसभा सांसद श्री मधुसूदन देवराम मिस्त्री उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव, श्री ताम्रध्वज साहू, श्री रविन्द्र चौबे, डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, श्री मोहम्मद अकबर, श्री कवासी लखमा, डॉ. शिवकुमार डहरिया, श्रीमती अनिला भेंड़िया, श्री जयसिंह अग्रवाल, गुरू रूद्रकुमार, श्री उमेश पटेल, श्री अमरजीत भगत, विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा, श्री बृजमोहन अग्रवाल, श्री धनेन्द्र साहू, श्री कुलदीप जुनेजा, श्री विकास उपाध्याय, श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा, रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती शारदा वर्मा और रायपुर नगर निगम के महापौर श्री प्रमोद दुबे उपस्थित रहेंगे।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के अंतिम दिन 29 दिसम्बर को उत्तराखण्ड के कलाकारों द्वारा लाष्पा नृत्य, जम्मू का बकरवाल नृत्य, मध्यप्रदेश का भड़म नृत्य, हिमाचल प्रदेश का गद्दी नृत्य, कर्नाटक और सिक्किम का नृत्य, झारखण्ड का दमकच नृत्य, छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले की दंडामी नृत्य प्रस्तुत की जाएगी। दोपहर 12.50 बजे से 1.40 बजे तक श्रीलंका, थाईलैंड एवं मालदीव देशों से आमंत्रित कलाकारों द्वारा गैर प्रतियोगी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति की जाएंगी। दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक तेलंगाना, लद्दाख का नृत्य, उत्तरखण्ड का मुखौटा नृत्य, गुजरात और सिक्किम का नृत्य, केरल का मरायूराट्टम नृत्य, त्रिपुरा का संगराई नृत्य, मध्यप्रदेश का करमा नृत्य और छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव का गौरमार नृत्य का आयोजन होगा। शाम 6 बजे से 7 बजे तक बांग्लादेश, युगांडा एवं बेलारूस देशों के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की जाएगी। शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक समापन समारोह, पुरस्कार वितरण और सम्मान का कार्यक्रम रखा गया है।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन राज्यपाल सुश्री उइके होंगी मुख्य अतिथि

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन 28 दिसम्बर को आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके मुख्य अतिथि होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह, छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री धरमलाल कौशिक, सांसद श्री सुनील सोनी, श्रीमती छाया वर्मा, विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा, श्री बृजमोहन अग्रवाल, श्री धनेन्द्र साहू, श्री कुलदीप जुनेजा, श्री विकास उपाध्याय, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती शारदा वर्मा और रायपुर नगर निगम के महापौर श्री प्रमोद दुबे उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन 28 दिसम्बर को साइंस कॉलेज मैदान में लद्‌दाख, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, बेलारूस और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के कलाकारों द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी जाएगी। महोत्सव में 28 दिसम्बर को सवेरे नौ बजे से दोपहर 12.50 बजे तक गुजरात का वसावा नृत्य, आंध्रप्रदेश का ढिमसा नृत्य, त्रिपुरा का ममिता नृत्य, झारखण्ड का पायका नृत्य, तमिलनाडु का टोडा नृत्य, आरूणाचल प्रदेश का आदि नृत्य, राजस्थान का गवरी नृत्य, छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव का हुल्की नृत्य सहित असम और मध्यप्रदेश राज्य का नृत्य प्रस्तुत की जाएगी। दोपहर 12.50 बजे से 1.40 बजे तक श्रीलंका, थाईलैण्ड एवं मालदीव देशों से आमंत्रित कलाकारों द्वारा गैर प्रतियोगी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक गुजरात के कलाकारों द्वारा राठवा नृत्य, हिमांचल प्रदेश का किन्नौरा नृत्य, पश्चिम बंगाल का संथाली नृत्य का आयोजन होगा। शाम 5 बजे से 7.30 बजे तक ओडिसा का दुरवा नृत्य, बिहार का करमा नृत्य, अण्डमान निकोबार का निकोबारी नृत्य, तेलंगाना का माथुरी नृत्य, त्रिपुरा का होजागिरी नृत्य, उत्तराखण्ड का हारूल नृत्य, मणिपुर का थांगकुल नृत्य, छत्तीसगढ़ के जगदलपुर के कलाकारों द्वारा दंडामि माड़िया नृत्य प्रस्तुत की जाएगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल करेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता

लद्दाख, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, बेलारूस और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के कलाकार देंगे प्रस्तुति

एस्ट्रो वास्तु रिसर्च सोसाइटी ज्योतिष सम्मेलन का अयोजन

रायपुर। आगामी 29 दिसम्बर रविवार को वृंदावन हॉल सिविल लाईन्स रायपुर में एस्ट्रो वास्तु रिसर्च सोसाइटी रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ स्तरीय एक दिवसीय ज्योतिष एवं वास्तु सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उक्त आयोजन में प्रमुख रूप से डॉ. एडी शर्मा रायपुर, डॉ. गिरधर शर्मा बिलासपुर, डॉ. शैलेष नायडू कोरबा, डॉ. तुलसीप्रसाद शर्मा दुर्ग, डॉ. अनिल वर्मा भिलाई सहित 200 से अधिक ज्योतिष विशेषज्ञ उपस्थितजनों की विभिन्न जिज्ञासाओं/प्रश्नों का समाधान करेंगे। पंडित शर्मा ने बताया कि उक्त ज्योतिष सम्मेलन आयोजित करने का मुख्य उद्‌देश्य गृह निर्माण, गृह प्रवेश, शादी ब्याह, नामकरण आदि रोजमर्रा के कार्यों को शुभ मूहर्त में प्रारंभ किया जाता है।

मेरी मां ने नहीं की आत्महत्या, भाईयों-भाभियों ने मिलकर मारा है, बेटी का आरोप

रायपुर। संपत्ति जायजाद आदि को लेकर परिवारों में आए दिन विवाद होता रहता है। कभी कभी विवाद इतना बढ़ जाता है कि मृतक के परिजनों द्वारा संपत्ति हासिल करने के लिए हत्या तक कर दी जाती है। ऐसा ही एक वाक्य आज श्रीमती माधुरी दीवान पति दिलीप कुमार ग्राम बरोंडा पोस्ट बंगोली जिला रायपुर ने प्रेस क्लब पहुंचकर उनके भाईयों एवं भाभियों द्वारा उनकी माता श्रीमती कुमारी शर्मा की हत्या 16 नवम्बर 2019 को घर में करने का उन पर आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा समुचित कार्यवाही उक्त मामले में नहीं करने की जानकारी पत्रकारवार्ता में दी। पत्रकारवार्ता में श्रीमती दीवान ने बताया कि वे स्व. दामोदर प्रसाद शर्मा एवं श्रीमती कुमारी शर्मा की पुत्री है। 16 नवम्बर को उनकी मां की जली हुई लाश पाई गई। जीवन काल में उनके भाई रविन्द्र शर्मा भाभी सरिता शर्मा, छोटा भाई देवेन्द्र शर्मा एवं छोटी भाभी पूजा शर्मा द्वारा न केवल मानसिक प्रताड़ना दी गई वरन् समय समय पर उनके सेवानिवृत्त पिता के साथ भी मारपीट की जाती है। उक्त मामले में उन्होंने कवर्धा थाने में शिकायत दर्ज कराई वहां उन्हें पता चला की उनके भाई भाभियों ने कचरा टंकी में लगी आग में झूलसकर मां द्वारा स्वयं की आत्महत्या करने की एफआईआर दर्ज कराई है।

संपादकीय

आर्मी चीफ के बयान पर बवाल

भारतीय आर्मी चीफ जनरल बिपिन रावत के बयान पर सियासी बवाल खड़ा हो गया है। नए नागरिकता कानून के विरोध में देश के कई हिस्सों में हो रहे हिंसक प्रदर्शन को लेकर शांती की अपील करते हुए जनरल बिपिन रावत ने कहा है कि नेतृत्व वही होता है जो देश को सही दिशा में ले जाए। उन्होने कहा है कि छात्रों की अगुवाई में हो रहे हिंसक प्रदर्शन को नेतृत्व क्षमता नहीं कहा जा सकता। जनरल रावत की यह बात कतई विवादास्पद नहीं है। उन्होने जो भी कहा है उसे लेकर उनपर सवालिया निशान नहीं लगाया जाना चाहिए। लेकिन हर बात को राजनीतिक चश्मे से देखने का आदि विपक्ष बात का बतंगड़ बना रहा है। कांग्रेस नेता संदिप दिक्षित ने एक बार फिर भारतीय सेना और पुलिस को लेकर विवादास्पद टिप्पणी कर दी है। उन्होने जहां पुलिस को भ्रष्ट बताया है वहीं सेना को लेकर भी आपत्तिजनक बयान दिया है। ये वहीं संदिप दिक्षित है जिन्होने पहले भी सेना प्रमुख को गली का गुंडा कहा था। विपक्ष के नेता पहले भी सेना के शौर्य पर सवाल उठाते रहे है और भारतीय सेना द्वारा पड़ौसी देश पाकिस्तान में की गई सर्जिकल स्ट्राईक और एयर स्ट्राईक के सबूत मंगते रहे है। विपक्ष के नेता जिस तरह राजनीति में सेना को घसीटते रहे है वह कतई उचित नहीं है, उनकी इस तरह की विवादास्पद बयानबाजी से सेना का मानोबल गिरता है। रही बात नए नागरिकता कानून के खिलाफ हो रहे हिंसक प्रदर्शन की तो इसे रोकने के लिए पुलिस अपना दायित्व निभा रही है। ऐसे में पुलिस बल को भ्रष्ट बताकर संदिप दिक्षित जैसे नेता आखिर क्या साबित करना चाहते है। विपक्ष के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस का हाथ सेना के खिलाफ है और भ्रष्टाचार कांग्रेस की संस्कृति रही है। बेहतर होगा कि पुलिस और सेना को लेकर राजनीति न की जाए इस समय देश में हालात संवेदनशील है। नए नागरिकता कानून को लेकर भड़काउ बयानबाजी की जा रही है जिसकी वजह से जगह जगह दंगे फसाद की स्थिति निर्मित हो रही है। ऐसे नाजुक समय में पुलिस और सेना पर आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए। होना तो यह चाहिए कि देश के विभिन्न हिस्सों में नए नागरिकता कानून के खिलाफ जो हिंसक आंदोलन हो रहा है उसे रोकने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियां दलगत भावना से उपर उठकर एकजूट हों ताकि देश में शांती और सौहाद्र का वातावरण बने।

विचार

स्वास्थ्य की बदहाली

देश में सबसे ज्यादा लोग अभी इन्फेक्शन यानी संक्रमण से बीमार हो रहे हैं, और यह बात सिर्फठंड में होने वाले सर्दी-जुकाम को लेकर नहीं कही जा रही। विभिन्न संक्रमणों की चपेट में आने वालों का हिस्सा ग्रामीण और शहरी इलाकों में लगभग एक सा है, लेकिन दिल की बीमारी का प्रकोप शहरों में कहीं ज्यादा है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की ताजा रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। इसके अनुसार 1000 में से 29 भारतीय हर साल सिर्फसंक्रमण से होने वाली बीमारियों के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होते हैं और इनमें पुरुषों से ज्यादा महिलाएं होती हैं। कुछ बीमारियां ऐसी हैं जो शहरी और ग्रामीण दोनों को समान रूप से हो रही हैं, जैसे सांस की बीमारी। इससे देश में वायु प्रदूषण का भी अंदाजा मिलता है। हृदय संबंधी रोग 21.9 प्रतिशत शहरी लोगों को होते हैं जबकि गांवों में ये बीमारियां 13.8 फीसदी लोगों को ही होती हैं। रही बात बीमार होने की आशंका की तो शहरी लोगों में यह ज्यादा रहती है। सर्वे में शहरों के 9.1 फीसदी जबकि गांवों के 6.8 प्रतिशत लोग बीमार पाए गए। बहरहाल, गांव हो या शहर, भारत के सार्वजनिक चिकित्सा ढांचे का हाल ऐसा ही है कि सात गुने खर्च के बावजूद लोगबाग हर जगह प्राइवेट अस्पतालों को ही प्राथमिकता देते हैं। गांवों के 85.9 और शहरों के 80.9 प्रतिशत लोगों के पास कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं है और केवल 13 पर्सेंट लोग सरकारी योजना के तहत बीमा का लाभ ले रहे हैं। यह सर्वे बताता है कि हेल्थ आज भी हमारे यहां एक बड़ी सामाजिक-आर्थिक समस्या है। एक गरीब व्यक्ति अपनी या अपने किसी परिजन की बीमारी से जूझते हुए दाने-दाने को मोहताज हो जाता है।

टेक ज्ञान

'डेटा की रेस' में पिछड़ी वोडाफोन

नई दिल्ली। टेलिकॉम कंपनियों के बीच डेटा वॉर जारी है। कंपनियां ज्यादा से ज्यादा डेटा देकर ग्राहकों को अपने पाले में करना चाहती हैं। एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया अपने प्लान्स में अनलिमिटेड कॉलिंग के साथ तय डेली या मंथली डेटा दे रही हैं। वहीं, रिलायंस जियो अपने प्लान्स में डेटा के साथ दूसरे नेटवर्क पर कॉल करने के लिए नॉन-जियो ख्रक्कमिनट और जियो-टू-जियो फ्री कॉलिंग का फायदा दे रही है। हालांकि, वोडाफोन-आइडिया ज्यादा डेटा वाले प्लान की रेस में एयरटेल और रिलायंस जियो से थोड़ा पीछे है। वोडाफोन-आइडिया के प्रीपेड रिचार्ज पोर्टफोलियो में ऐसा कोई प्लान नहीं है, जो कि यूजर्स को डेली 3जीबी डेटा दे। ऐसे में वोडाफोन के उन यूजर्स को निराशा हो सकती है, जो कि डेली 3जीबी डेटा वाला प्लान चाहते हैं।

झारखंड में अहंकार और नफरत का एजेंडा खंड-खंड

अनिल जैन

> पिछले साल दिसंबर में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ में भाजपा को हार का मुंह देखना पडा था। फिर लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के चुनाव हुए जिसमें महाराष्ट्र भाजपा के हाथ से निकल गया और हरियाणा में वह अपनी हार के बावजूद चुनाव नतीजों के बाद गोवा की तर्ज पर खरीद-फरोख्त और जोडतोड के सहारे सरकार बनाने में कामयाब हो गई। दरअसल झारखंड में भाजपा की पिछले पांच साल से चल रही राज्य सरकार के पास अपनी ऐसी कोई उपलब्धि नहीं थी, जिसके लिए वह जनता से वोट मांगती। पिछले पांच साल के दौरान इस आदिवासी बहुल राज्य में भाजपा की सरकार आदिवासियों के हितों के खिलाफजितने काम कर सकती थी और गरीब आदिवासियों का जितना ज्यादा उत्पीडन कर सकती थी, उसने किया।

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल के अनुमान बता रहे थे विधानसभा त्रिशंकु रहेगी और भाजपा सबसे बडी पार्टी के रूप में उभरेगी। संभवतः यही अंदाजा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी था। इसी आधार पर उम्मीद जताई जा रही थी कि जिस तरह पिछले दिनों हरियाणा में और उससे पहले गोवा में भाजपा ने सरकार बनाई थी, उसी तरह झारखंड में भी उसकी सरकार बन जाएगी। इसीलिए पार्टी की ओर से ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) और झारखंड विकास मोर्चा के नेताओं से बातचीत शुरू हो गई थी। झारखंड के लिए भाजपा के केंद्रीय प्रभारी ओम माथुर और कुछ अन्य नेता भी मतगणना वाले दिन सुबह ही रांची पहुंच गए थे। मतगणना के दौरान शुरुआती दौर में टेलीविजन चैनलों पर भाजपा के तमाम प्रवक्ता कह भी रहे थे कि सबसे बडे दल के रूप में राज्यपाल की ओर से सबसे पहले सरकार बनाने का न्योता भाजपा को ही दिया जाएगा। लेकिन जब दोपहर बाद तस्वीर साफहो गई और यह भी साफहो गया कि झारखंड के मतदाताओं ने सूबे की राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को इस कडाके की सर्दी में आधी रात तक जागने या तडके नींद से उठने की तकलीफनहीं दी है। यानी झारखंड मुक्ति मोर्चा जेएमएम, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के महागठबंधन को स्पष्ट बहुमत से ज्यादा सीटें मिल गई और विधानसभा में अकेले सबसे बडा दल भी जेएमएम ही रहा।

शबरी और केवट की संतानों ने बता दिया कि उन्हें राम मंदिर से पहले रोटी, रोजगार और खेत के लिए पानी चाहिए। उन्होंने बता दिया कि उन्हें विभाजनकारी नागरिकता कानून और एनआरसी नहीं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुकून और भाईचारा चाहिए। उन्होंने यह भी बता दिया कि गौरक्षा के नाम पर झारखंड को सांप्रदायिक गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने यह भी साफकर दिया कि उन्हें विकास के नाम पर राज्य के जल-जंगल-जमीन और अन्य प्राकृतिक संसाधनों को लूटने की कॉरपोरेट घरानों को खुली छूट देना स्वीकार नहीं किया जा सकता। नक्सली उन्मूलन के नाम पर बेगुनाह आदिवासियों को मारा जाना भी उन्होंने मंजूर नहीं किया। उन्होंने एक देश-एक विधान के नाम पर जम्मू-कश्मीर के दो टुकडे कर उसका विशेष राज्य का दर्जा खत्म करने की कवायद को भी खारिज कर दिया। कुल मिलाकर जिन-जिन मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के लिए वोट मांगे थे, आदिवासी बहुत झारखंड की जनता ने उन सभी मुद्दों को सिरे से खारिज कर दिया। पिछले एक साल में झारखंड ऐसा पांचवा राज्य है, जहां भाजपा को सत्ता से बेदखल होना पडा है। पिछले साल दिसंबर में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ में भाजपा को हार का मुंह देखना पडा था। फिर लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के चुनाव हुए जिसमें महाराष्ट्र भाजपा के हाथ से निकल गया और हरियाणा में वह अपनी हार के बावजूद चुनाव नतीजों के बाद गोवा की तर्ज पर खरीद-फरोख्त और जोडतोड के सहारे सरकार बनाने में कामयाब हो गई।

दरअसल झारखंड में भाजपा की पिछले पांच साल से चल रही राज्य सरकार के पास अपनी ऐसी कोई उपलब्धि नहीं थी, जिसके लिए वह जनता से वोट मांगती। पिछले पांच साल के दौरान इस आदिवासी बहुल राज्य में भाजपा की सरकार आदिवासियों के हितों के खिलाफजितने काम कर सकती थी और गरीब आदिवासियों का जितना ज्यादा उत्पीडन कर सकती थी, उसने किया। इसी वजह से झारखंड के आदिवासियों में नाराजगी थी। रघुबरदास सरकार ने आदिवासियों की हजारों एकड जमीन एक पूंजीपति घराने को बिजली घर लगाने के लिए दे दी थी और उनके विरोध को बेरहमी से कुचल दिया था। उन दस हजार से ज्यादा आदिवासियों पर देशद्रोह का मामला दर्ज कर दिया था, जिन्होंने अपने घर के बाहर पत्थरों पर यह लिख दिया था कि जो संविधान में आदिवासियों को अधिकार दिए हैं, हम उसकी बात करेंगे और उन अधिकारों के खिलाफसरकार के किसी भी फैसले को मंजूर नहीं करेंगे। किसान विरोधी काश्तकारी कानून में बदलाव को भी सूबे के लोगों ने पसंद नहीं किया। सूबे की सरकारी नौकरियों में स्थानीय लोगों की बहाली का मुद्दा बार-बार उठता रहा। हाई स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति में दूसरे राज्यों के उम्मीदवारों को अवसर दिए जाने का मामला भी खूब उछला। राज्य लोकसेवा आयोग की एक भी परीक्षा पिछले पांच सालों में नहीं हो पाई। अस्थायी शिक्षकों, आंगनबाडी सेविकाओं और सहायिकाओं पर लाठी चार्ज की घटनाओं से भी राज्य सरकार के प्रति नाराजगी थी। पिछले पांच साल के दौरान नफरत से प्रेरित अपराधों और अपराधियों के लिए यह राज्य अभ्यारण्य बन गया था। पूरे पांच साल के दौरान मॉब लिंचिंग की 22 घटनाएं सूबे में हुई और इन घटनाओं को अंजाम देने वाले तत्वों को न सिर्फराज्य सरकार की सरपरस्ती हासिल रही बल्कि केंद्र सरकार के मंत्री भी मॉब लिंचिंग के गुनहगारों का सार्वजनिक तौर फूलमाला पहनाकर अभिनंदन करते रहे।

ऐसा नहीं है कि भाजपा नेतृत्व को झारखंड की सियासी हवा का अंदाजा नहीं था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष तथा गृह मंत्री अमित शाह को अच्छी तरह मालूम था कि वहां इस बार का चुनावी मैदान भाजपा के लिए बहुत आसान नहीं है और कोई चमत्कार ही भाजपा की सत्ता में वापसी करा सकता है। खुफिया एजेंसियों के जरिए भी उन्हें लगातार जमीनी हकीकत की जानकारी मिल रही थी। इसीलिए झारखंड का चुनाव महाराष्ट्र और हरियाणा के साथ नहीं कराया गया, जबकि प्रधानमंत्री मोदी पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की बात अक्सर करते रहते हैं। झारखंड का चुनाव अगर महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव के साथ कराया जाता तो मोदी और शाह चुनाव प्रचार के लिए झारखंड को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। लिहाजा भाजपा के इन दोनों शीर्ष नेताओं की सुविधा का ध्यान रखते हुए चुनाव आयोग ने पूरी तरह से भाजपा के सहयोगी दल की भूमिका निभाई। महज 81 सीटों वाली विधानसभा का चुनाव उसने तीन सप्ताह में पांच चरणों में कराया, ताकि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को वहां चुनाव प्रचार के लिए ज्यादा से ज्यादा समय मिल सके। हालांकि चुनाव आयोग की यह हिकमत अमली भी भाजपा के किसी काम नहीं आ सकी।

– (संवाद)

राज्यों में कमजोरी को सुधारे भाजपा

रमेश सर्राफ

> झारखंड विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की हार ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को सोचने पर मजबूर कर दिया है। कुछ दिनों पूर्व महाराष्ट्र में भाजपा के हाथ आयी सत्ता महज इसलिये फिसल गई थी कि शिवसेना को देवेन्द्र फड़नवीस का नेतृत्व स्वीकार नहीं था। भाजपा वहां हर हाल में फड़नवीस को ही दूसरी बार मुख्यमंत्री बनाना चाहती थी। महाराष्ट्र मराठा प्रभाव वाला राज्य हैं। भाजपा ने पूरे पांच साल वहां गैर मराठा देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाये रखा जिसे प्रदेश के मराठा वोटरों ने स्वीकार नहीं किया फलस्वरूप शिवसेना के विश्वासघात से सरकार नहीं बन पायी।

झारखंड भी भाजपा के हाथ से निकल चुका है। झारखंड में भाजपा की हार का मुख्य कारण मुख्यमंत्री रघुवरदास को माना गया है। चूंकि झारखंड एक आदिवासी बहुल आबादी वाला प्रदेश है। वहां की जनता किसी आदीवासी समाज के नेता को ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा देखना चाहती है। भाजपा ने वहां पिछड़े वर्ग के रघुवरदास को मुख्यमंत्री बनाया था। इसलिये आदिवासी मतदाता भाजपा से दूर होते गये। आदिवासी फैक्टर के चलते ही झारखंड विधानसभा चुनाव में आदिवासी प्रभाव वाली 28 में से भाजपा को मात्र दो सीटो पर ही जीत मिल पायी है। प्रदेश के आधे जिलों में तो भाजपा का खाता भी नहीं खुल पाया है। भाजपा ने झारखंड में आदिवासी वोट बैंक साधने के लिए ऐसे नेताओं को आगे नहीं किया जिसके आदिवासी वोटों पर अच्छी पकड़ हो। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के भाजपा से छोडने के बाद अर्जुन मुंडा भाजपा का मुख्य आदिवासी चेहरा रहे हैं। लेकिन अर्जुन मुंडा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी आदिवासी वोटो पर अपनी पूरी पकड़ नहीं बना पायी।

झारखंड में भाजपा की हार का बड़ा कारण मुख्यमंत्री रघुवरदास का अक्खड़ स्वभाव व पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा करना भी रहा है। रघुवरदास सरकार में वरिष्ठ मंत्री सरयू राय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताला मरांडी, सरकारी मुख्य सचेतक राधाकृष्ण किशोर जैसे अन्य कई वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटने से भी पार्टी कैडर में गलत संदेश गया। उपर से दलबदलूओं को टिकट दिया गया। इसीकारण दो को छोड़ कर भाजपा के सभी दलबदलू नेता चुनाव हार गये। दलबदलूओं को टिकट देने से भाजपा को आंतरिक बगावत का सामना करना पड़ा। भाजपा के पचास से अधिक नेताओं ने पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ा जिससे पार्टी को 18 सीटो पर नुकसान उठाना पड़ा। मुख्यमंत्री रघुवर दास को अपने ही मंत्रीमंडल सहयोगी सरयूराय के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। वही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुवा, विधानसभा अध्यक्ष दिनेश उरांव को भी हार का सामना करना पड़ा है। इससे झारखंड में भाजपा की स्थिति बहुत शर्मनाक हो गई है। विशेषकर मुख्यमंत्री की हार ने

भाजपा को झझकोर कर रख दिया है। ऐन चुनाव से पूर्व आजसू से भी गठबंधन टूटना भाजपा के लिये नुकसान दायक रहा। भाजपा से गठबंधन टूटने से आजसू को भी बहुत नुकसान उठाना पड़ा व उसके विधायको की संख्या पांच से घटकर दो ही रह गयी मगर आजसू को मिले वोट प्रतिशत में खासी बढ़ोत्तरी हुयी है। 2014 के विधानसभा चुनाव में आजसू को 3.68 प्रतिश मत मिले थे वहीं इस बार के चुनाव में बढ़ कर 8.02 प्रतिशत तक पहुंच गये। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि भाजपा का आजसू से पूर्ववत गठबंधन बना रहता तो दोनो ही दलों के विधायकों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हो सकती थी। मगर मुख्यमंत्री अपने सहयोगी आजसू को भी साधने में असफल रहे। वोटों की दृष्टि से देखा जाए तो झारखंड में भाजपा को सबसे अधिक 33.40 प्रतिशत वोट मिले हैं। जबकि कांग्रेस को 13.85 प्रतिशत झारखंड मुक्ति मोर्चा को 18.80 प्रतिशत आजसू को 8.02 प्रतिशत, राजद को 2.75 प्रतिशत, झारखंड विकास मोर्चा को 5.45 प्रतिशत, आप को 0.23 प्रतिशत, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी को 1.16 प्रतिशत, बीएसपी को 1.53 प्रतिशत, जनता दल यूनाइटेड को 0.73 प्रतिशत, एनसीपी को 0.42 प्रतिशत लोक जनशक्ति पार्टी को 0.1 प्रतिशत मत मिले। झारखंड में भाजपा ने अकेले चुनाव लड़ा और उसे 33.40 प्रतिशत मत मिले। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस व राष्ट्रीय जनता दल ने चुनाव पूर्व गठबंधन कर चुनाव लड़ा उस गठबंधन 35.35 प्रतिशत मत मिले। जो भाजपा से 1.98 प्रतिशत ही ज्यादा होते है। मात्र दो प्रतिशत वोटो के अंतर से भाजपा गठबंधन से 22 सीटें पीछे रह गयी।

झारखंड में 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 35.16 प्रतिशत, कांग्रेस को 13.90 प्रतिशत, झारखंड मुक्ति मोर्चा को 20. 93 प्रतिशत, आजसू को 3.68 प्रतिशत मत मिले थे। इस तरह देखें तो 2014 की तुलना में 2019 में आजसू को छोड़कर बाकी सभी पार्टियों के मतों के प्रतिशत में गिरावट आई है। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का आजसू के साथ गठबंधन था। तब भारतीय जनता पार्टी ने 14 में से 11 सीटों पर व आजसू को एक सीट पर जीत मिली थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में अकेले भाजपा को 50.96 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस को 15.63 प्रतिशत, झारखंड मुक्ति मोर्चा को 11.51 प्रतिशत व आजसू को 4.35 प्रतिशत मत मिले थे। झारखंड में भाजपा को पिछले चुनाव में 37 सीटें मिली थी उसे 12 सीटों का नुकसान हुआ है। आजसू को 5 सीटें मिली थी उसे 3 सीटों का नुकसान हुआ है। झारखंड विकास मुक्ति मोर्चे को 5 सीटों का नुकसान हुआ है। वहीं कांग्रेस को 10 व झारखंड मुक्ति मोर्चा को 11 सीटों का लाभ हुआ है।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मैं तुम्हारी हर नादानी स्वीकार कर लूँ

मैं, तुम्हारी हर नादानी स्वीकार कर लूँ, नहीं होगा क्या कहते हो बेईमानी स्वीकार कर लूँ,नहीं होगा माली की बगावत है कि चमन सिर्फउसका है हर एक की आनी जानी स्वीकार कर लूँ,नहीं होगा

– नीरू श्रीवास्तव

दुआओं से भरी झोली नया पैगाम लाएगा

दुआओं से भरी झोली नया पैगाम लाएगा भला सबका करेगा और अच्छा बन दिखाएगा नई उम्मीद दामन में नई किरणे मुस्काएंगी हँसेंगे फूल कलियाँ साल ये सबको रिझाएगा

– ज्योत्सना सक्सेना

खास पाती

साल नया है हाल नया

साल नया है हाल नया, दिखलाओ कुछ कमाल नया। शीत ऋतु का है सहर अमाल नया! कर जाओ धमाल नया!! उतार दो पोंगापंथी का झोला फेंक दो जातीयता का चोला, नव वर्ष के नव उमंग में पहनो पहनाओ खाल नया। देखो जीवन को खुशहाल नया! कूपंथीयों को देदो पामाल नया!! साल नया है हाल नया, दिखलाओ कुछ कमाल नया। शिक्षा की तुम दीक्षा लो संस्कृति की भीक्षा लो, स्वावलंबन को पहचानो खुद की ही तुम परीक्षा लो। देदो एक हर्ष नया, उत्कर्ष नया! रीत नई प्रीत नई मधुर मीठी संगीत नई, अलाल को भी कर दो मालामाल नया। लहराओ रुमाल नया। साल नया है हाल नया, दिखलाओ कुछ कमाल नया। - **बिट्टू पुरोहित**

अगर चाहते हो रहे देश सदा खुशहाल

अगर चाहते हो रहे,देश सदा खुशहाल तो दंगो को छोड़ तो,ये कुछ की है चाल अगर बाहर घुसपैठिये,करना हो मंजूर तो बिल को स्वीकारिये,करो क्लेश को दूर एक समस्या थी बड़ी,ये अवैध घुसपैठ समाधान अब हो गया,सुनो शान्ति से बैठ बहुत बड़ी थी प्रोबलम,अब होगी पहचान कोई अवैध नागरिक , ना होगा महमान जिसे जलाया आपका,अपना ही है माल कुछ कपटी फैला रहे,अफ्वाहो का जाल। - **शालिनी शर्मा**

भूखे नंगे देखते , आया क्या नव साल

भूखे नंगे देखते , आया क्या नव साल ।जैसे पहले हम रहे , बदला अपना हाल ।। बदला अपना हाल , वसन जो फ्टा पुराना । रहते हम खुशहाल ,कहे क्या हमें जमाना ।। कहते संत फ्कीर , बुरे जन करते दंगे । फेड़ो बम तुम आज ,रहे हम भूखे नंगे ।

- **नवीन कुमार तिवारी**

मुश्किलों को हौसले से आजमाना चाहिये

मुश्किलों को हौसले से आजमाना चाहिये, बेहिचक होकर कदम आगे बढ़ाना चाहिये .. हमने अपने पांव में जो बेड़ियां बांधी स्वयं, टूटने में उनको थोड़ा वक्त जाना चाहिये .. देख बेकाबू हवाएं मुझसे चिड़िया ने कहा, घोसला बिखरे अगर तो फिर बनाना चाहिये .. जो न हो खुद को गवारा काम ऐसा क्यों करें, दिल लगे ना क्यों हमे उस जगह जाना चाहिये।

- **निश्चय वाजपेई**

भुजंग लता पर चिपटा ला तो दो कोई चिमट

भुजंग लता पर चिपटा ला तो दो कोई चिमट काट खायेगा जहरीला है देख इसका रंग नीला है आओ ! कोई सपेरे को बुलाओ अमरबेल है ,इसको समझाओ आकार इसका दूर से ही डरायेगा लता का ये ना कुछ कर पायेगा भुजंग से निपटे ,जिसको लता चाहिए क्या होता है,देखते हैं आप सब आईये।

- **प्रवीण माटी**

गुमराह भी हुँ मैं गुमनाम भी हुँ

गुमराह भी हुँ मैं गुमनाम भी हुँ अपने ख्वाबों का गुलाम भी हुँ यूँ तो है मुझमें ऐब बहुत हर दिल का मैं अरमान भी हुँ अगले जन्म लगाऊंगा कीमत अपनी इस जन्म तो खुदसे नाकाम भी हुँ!!

- **सोनिया राय**

कैलेंडर साल मे एक बार निकलने वाला मैगज़ीन

कैलेंडर साल मे एक बार निकलने वाला मैगज़ीन पल - शब्द घंटे - पंतियाँ दिन - पन्ने हफ्ते - कहानियां महीने- उपन्यास साल दर साल अंत रद्दी की टोकरी कुछ पन्ने अभी बाँकी हैं 2019 मैगज़ीन के।

- **शीखा लाहीरी**

लघु कथा

प्रकृति राष्ट्रवाद से अनभिज्ञ

वह देश के साथ बिलकुल नहीं था, एक बार के विद्रोह ने ही पोल खोल दी वह तिलमिला गया, उसने अब जो भी प्रस्तुतियां दी थी, ये सब उनके खिलाफथी, खुद को हारा हुआ उसे स्वीकार न था, क्यों की वह एक सीमित विचारधारा पर काम कर रहा था, वो देश नहीं थी, उसने वो काम किये जैसा की कोई उम्मीद नहीं करता. वह खुद ही भयभीत घबराहट को छुपाते गया, और जोर से शोर मसगुल होता गया. जैसे जैसे उसे खयाल आया तब तक सबकुछ जैसे कोई जलजला जल,वायु, धरातल, अग्नि, आकाश जैसे अपने हाथों में लेकर कोई अंजाम दे रहे हो. अब उनके सामने जैसे कोई .??? प्रकृति राष्ट्रवाद से अनभिज्ञ रहती है शायद ! अस्तित्व नास्तिक है. महाभूत अपने धर्म पर कायम. वे जीव-जन्तु ही है जो. प्रकृति वा अस्तित्व से सामंजस्य स्थापित कर लेते है. क्षेत्र कोई भी हो. मनुष्य सभ्यता/संस्कृति एक जीवनशैली से ज्यादा नहीं हो सकती।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1668 - मराठा शासक शिवाजी के पुत्र संभाजी की मुगल शासक औरंगजेब द्वारा कैद कर यातना देने के कारण मौत हुई। 1836 - स्पेन ने मेक्सिको की स्वतंत्रता को मान्यता दी। 1885 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पहला अधिवेशन बंबई (अब मुंबई) में हुआ। 1896 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार वंदे मातरम गाया गया। 1908 - इटली के मेसिना में भूकंप से करीब 80 लोग मारे गये । 1932 - प्रसिद्ध उद्योगपति धीरूभाई अंबानी का जन्म। 1937 - प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का जन्म। 1957 - तत्कालीन रूस ने परमाणु परीक्षण किया। 1972 - प्रख्यात लेखक एवं दार्शनिक चक्रवर्ती राजगोपालाचारी का निधन।

न्यूज गैलरी

धरने पर बैठे श्रमिक, काम ठप्प

भिलाई नगर। सेक्टर 9 के तमाम श्रमिकों ने काम ठप्प कर न्यूनतम मजदूरी गेट पास वेतन पर्ची बोनस सहित अंतिम भुगतान की मांगों को लेकर आंदोलन किया था। जिसके पस्चात महाप्रबन्धक मोहम्मद शाहिद अहमद ने श्रमिको के समक्ष यह स्पष्ट कहा था 20 दिसम्बर तक समस्याओं का निराकरण कर गेट पास वेतन भुगतान बोनस भुगतान व अंतिम भुगतान कर दिया जाएगा। किन्तु अब तक पूरा नहीं किया व अन्य मांगों पर निराकरण नही हुआ।

सीएए व एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन

दुर्ग। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ देश के कई हिस्सों में चल रहे प्रदर्शन से दुर्ग भी अछुता नही रहा। पुराना बस स्टैंड में मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध-प्रदर्शन कर सीएए और एनआरसी कानून को गलत बताया। सभा में मुस्लिम समाज के प्रमुखों का कहना था कि संविधान देश का कानून है। जिसका हम सम्मान करते है। जब भारत-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ था, तब जो लोग भारत में रुक गए थे। एनआरसी ऐसे लोगों को भारत से बाहर भेजने का कानून है। सीएए कानून में देश से बाहर बसे लोगों को वापस लाने की बात कही है।

निर्माणाधीन फ्लाई ओव्हर, सुगम यातायात हेतु बनाए डायवर्सन

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश पर यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग.53 में निर्माणाधीन फ्लाई ओव्हर स्थानो पर डावर्सन प्लान बनाया गये है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग एवं उप पुलिस अधीक्षक, यातायात के द्वारा 25 दिसंबर को नेशनल हाईवे में हो रहे निर्माणाधीन फ्लाई ओव्हर स्थानों पर वाहनों को डायर्वट करने हेतु अवलोकन किया गया था और उचित डावर्सन प्लान करने हेतु निर्देशित किया गया था जिस पर यातायात पुलिस द्वारा नेशनल हाईवे में जाम की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए निम्न डावर्सन प्लान तैयार किया गया है। रायपुर से दुर्ग मार्ग, रायपुर से आने वाले हल्के वाहनो को खुर्सीपार चौक से रेल्वे फाटक मार्ग से सेक्टर एरिया की डायर्वट किया जावेगा। पावर हाउस चौक से हल्के वाहनों को ओव्हर ब्रिज के मार्ग से सेक्टर एरिया की ओर डायर्वट किया जावेगा। चंन्द्रा मौर्या चौक से हल्के वाहनों को अण्डर ब्रिज मार्ग से सेक्टर एरिया की ओर डायर्वट किया जावेगा। चंन्द्रामौर्या से सुपेला चौक की ओर आने वाले वाहनों आदर्श पेट्रोल पम्प के पास से आकाश गंगा मार्केट होकर से सेक्टर एरिया एवं दक्षिण गंगोत्री.प्रियदर्शनीय परिसर मार्ग की ओर डायर्वसन किया जावेगा। जेपी चौक सेक्टर एरिया से सुपेला चौक की ओर. जेपीचौक से चार पहिया वाहनों को प्रिदर्शनीय परिसर अण्डर ब्रिज होकर नेशनल हाईवे की ओर डायवर्सन किया जावेगा। जेपी चौक से सुपेला चौक की ओर आने वाले समस्त मोटर सायकल, बाईक, स्कूटर को दक्षिण गंगोत्री होकर नेशनल हाईवे पर प्रियदर्शनीय परिसर कटिंग की ओर डायवर्ट किया जावेगा। जेपी चौक से सुपेला चौक की ओर आने वाले मार्ग को चौक में बंद कर समस्त वाहन को बायें मोड़कर प्रियदर्शनीय परिसर के सामने कटिंग की ओर डायवर्सन किया जावेगा। यातायात पुलिस द्वारा लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग को नेशनल हाईवे में किये जाने वाले डायवर्सन की सूचना के लिए सभी जगह स्पष्ट संकेत एवं सूचनात्मक बोर्ड लगाने के लिए निर्देशित किया गया है।

यातायात पुलिस दुर्ग नेशनल हाईवे में चलने वाले समस्त वाहन चालकों से अपील करती है कि वे असुविधा से बचने के लिए उचित मार्ग डायवर्सन का उपयोग करें एवं विपरीत दिशा से वाहन न चलाऐं अन्यथा ऐसे वाहन चालकों के विरूद्ध यातायात पुलिस द्वारा चालानी कार्यवाही की जावेगी एवं सेक्टर एरिया से सुपेला चौक की ओर आने वाले समस्त वाहनों चालक नेशनल हाईवे में आने के लिए प्रियदर्शनीय परिसर अण्डर ब्रिज के मार्ग का उपयोग करें तथा सड़क पर एवं नो पार्किग क्षेत्र में वाहन न खड़ा करें।

राष्ट्रीय राजमार्ग -53 में ओव्हर ब्रिज निर्माण अवधि के लिए रायपुर से दुर्ग जाने वाले चार पहिया वाहनों का डायवर्सन प्लान

निगम में अरुण की पसंद का होगा महापौर

लगभग सभी वार्डो में निरंतर सघन जनसंपर्क करते रहे है विधायक

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। नगर निगम के चुनाव के बाद अब महापौर के चयन की प्रक्रिया को लेकर जारी कवायद में कई लोगों के नाम दावेदारों के रुप में सामने आए है लेकिन शहर का अगला महापौर विधायक अरुण वोरा की पसंद का होगा। इस पूरे निगम चुनाव में विधायक वोरा ही एक ऐसे जनप्रतिनिधि रहे है जिन्होने लगभग सभी वार्ड के कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए जनसंपर्क किया है। इसका परिणाम कांग्रेस को मिली शानदार जीत के रुप में सामने आया है।

उल्लेखनीय है कि नगर निगम के चुनाव में कांग्रेस को सफलता दिलाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी विधायक वोरा की थी। यदि कांग्रेस को सफलता नही मिलती तो सारा दोष उन्ही पर आता। विधायक वोरा ने इसे चुनौती के रुप में लिया और नामांकन की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद ही सक्रिय हो गए। जब चुनाव पूरे शबाब पर था तब श्री वोरा जब भी किसी प्रत्याशी को जरुरत पड़ती थी उसके वार्ड में दो से तीन बार पहुंचे। कई वार्डो में देर रात तक डटे रहे। श्री वोरा ने विधानसभा के चुनाव में अपने लिए इतना जनसंपर्क नही किया जितनी मेहनत उन्होने निगम चुनाव में की। अब श्री वोरा को

नगर निगम में अपने हिसाब से कांग्रेस की एक ऐसी परिषद को तैयार करने की दरकार है जो दुर्ग शहर को एक मजबूत कांग्रेस के गढ़ में तब्दील कर सके। विधायक व महापौर के समन्वय से ही राज्य सरकार के नेतृत्व में कांग्रेस विकास की नई गाथा लिखेगी।

नगर निगम के चुनाव में जीतकर आए 30 पार्षदो में एक का चयन महापौर के रुप में होना है। विधायक वोरा को इनमें से एक ऐसे योग्य व क्षमतावान पार्षद का चयन महापौर के रुप में करना है जो शहर के विकास को एक नई दिशा देने के साथ कांग्रेस को और अधिक मजबूत बनाने का काम कर सके। स्वाभाव से सरल सहज और मिलनसार हो, हर किसी की तकलीफ व समस्याओं पर गौर कर सके उसका त्वरित निराकरण कर जनता को उसका लाभ दिलाए। इसके साथ- साथ दीगर पार्षदो के साथ तालमेल बनाकर उन्हे साथ में लेकर चलने की क्षमता रखे। यहां गौरतलब है कि शहर सरकार में पिछले 20 वर्ष से भाजपा का कब्जा रहा है। इस समयावधि के दौरान नगर निगम के प्रशासन के काम काज में भी भारी बदलाव आया है। लंबे समय से एक ही पार्टी के शासन के कारण अधिकारीगण कामकाज के प्रति बेहद सुस्त व लापरवाह हो गए है। 20 साल के अंतराल में राज्य शासन से नगर निगम को विकास के लिए जितनी राशि मिली है इससे शहर की जनता का तो नही अधिकारियों का विकास हुआ है। निगम के कई कर्मचारी करोड़पति बन गए है। कथित रुप से भ्रष्टाचार हावी है इन सब परिस्थितियों से जूझने वाले योग्य महापौर को शहर की जरुरत है। श्री वोरा इसके लिए किसका चयन करते है इसकी उत्सुकता शहरवासियों में बनी हुई है।

विधायक ने निर्माणाधीन पानी टंकी का किया निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। महापौर व विधायक देवेंद्र यादव ने आज बापूनगर में बन रहे पानी टंकी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों ने टंकी के निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता रिपोर्ट ली और निगम के जल कार्य विभाग के इंजीनियरों को सख्त निर्देश देते हुए 1 सप्ताह में पानी टंकी को शुरू करने का निर्देश दिया। श्री यादव ने कहा कि नगर वासियों को पानी की समस्या न हो और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल्द से जल पानी टंकी को शुरू करके पानी की समस्या को दूर करें। वार्ड में लगातार लोगों के घरों में नल कनेक्शन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घर में मीटर वाला नल लगाया जा रहा है। आने वाले दिनों में लोगों के घर में 24 घंटे साल भर भरपूर पानी मिलेगा। महापौर यादव के प्रयासों से अवैध नल कनेक्शन लीगल है और इसके लिए लोगों को सुविधा मिलेगी। महापौर के प्रयासों से पहले जिस नल कनेक्शन के लिए लोगों को साढे 6000 से साढे 5000 देना पड़ता था। वही अब मात्र 100 और 200 रुपये की किस्त में लगाया जा रहा है।

प्रकाश उत्सव पर भव्य नगर कीर्तन का आयोजन

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। 29 दिसंबर को भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। खालसा पंथ के दशम् गुरू श्री गुरू गोविंद सिंह के 353वें प्रकाश उत्सव जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित नगर कीर्तन 29 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से नगर से प्रारंभ होकर सुभाष चौकए कैम्प 1 से 18 नंबर रोडए गौरवपथए छावनी चौकए नंदनी रोडए पावर हाउस ब्रिज के ऊपर से सेक्टर 1 के नेल्सन मण्डेला चौक मुर्गा चौक से सेन्ट्रल एवेन्यु होते हुए सेक्टर 6ए गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा में सम्पन्न होगा। छत्तीसगढ़ सिक्ख पंचायत

भिलाई.दुर्ग एवं गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटीए केम्प 1 के संयुक्त आयोजन की जानकारी सिक्ख पंचायत के चेयरमेन जसबीर सिंह चहलए महासचिव गुरूनाम सिंह कुका एवं केम्प 1 गुरूद्वारा प्रधान बलदेव सिंह द्वारा पत्रकारों को दी गई। उन्होंने बताया किए नगर कीर्तन का आयोजन गुरूद्वारा श्री गुरू तेग बहादुर साहिब कैम्प 1 की अगुवाई में नगर की सभी गुरूद्वारा कमेटियों के सहयोग से किया जा रहा है। नगर कीर्तन जिन.जिन मार्गों से होकर गुजरेगा उन मार्गों पर स्वागत द्वारा बनाये जा रहे हैं। इस अवसर पर नगर कीर्तन विशेषताओं से परिपूर्ण रहेगा जिसमें गुरूओं की वाणी एवं कीर्तन जत्थों द्वारा मधुर कीर्तन एवं शब्दों का गायन किया जायेगा एवं आकर्षण का केन्द्र सुशोभित पंच प्यारे साहिबान पंच किरपानधारी एवं पाँच निशान साहिबधारी सिंघ रहेंगे एवं मुख्यता पालकी साहिब जिसमें गुरूग्रंथ साहिब जी के दर्शनों का अत्यंत खुबसूरत झलक होगी एवं झाँकियाँ होगी एवं सुपेला भिलाई का बाबा अजीत सिंह गतका एकेडमी का गतका प्रदर्शन के साथ.साथ रजीत नगाड़ाए बैंड पार्टी भी हर साल की तरह रखा गया है। इसके अलावा संगत द्वारा जगह.जगह लंगर के स्टाल लगाये जाएगे।

इस सण्डे नहीं मचेगी तफरीह की धूम

भिलाई। फैमली विथ हेल्थ कार्निवाल तफरीह के सम्बंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में तफरीह समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्य शामिल हुए। ऑर्गनाइजेशन के प्रेसीडेंट आशीष यादव ने बताया कि रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव को देखते हुए इस रविवार यानी 29 दिसंबर और 5 जनवरी को तफरीह का आयोजन नही किया जाएगा। अगला तफरीह कब होगा समिति बैठक करके चर्चा कर सूचना देगी। उम्मीद जताई जा रही है कि तफरीह हर रविवार की तरह अपने निर्धारित समय तक जल्द आयोजित होगी।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक नृत्य प्रदर्शन

नवप्रदेश संवाददाता

कुम्हारी। विचक्षण जैन विद्यापीठ परिसर कुम्हारी में आयोजित सृजन 2019 का आयोजन किया गया जिसमे चेन्नई के समाजसेवी दीपचंद लूनिया के मुख्य अतिथि एवं जगदलपुर के विधायक रेखचंद जैन विशेष आतिथि के रूप में उपस्थित थे। लगभग चार घंटे तक चले इस कार्यक्रम मे बच्चों द्वारा गीत, नृत्य व संगीत की प्रस्तुतिदी गई जिसने अतिथियों सहित उपस्थितजनों का भी मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री लूनिया ने विचक्षण जैन विद्यापीठ की व्यवस्था व प्रबंधन की प्रशंसा

करते हुए चेन्नई सहित देश के अलग-अलग प्रदेशों में भी विचक्षण जैन विद्यापीठ जैसे संस्थानों की उपयोगिता को आवश्यक बताया। विशिष्ट अतिथि रेखचंद जैन ने साधु भगवन्तों की दुरदर्शिता से संस्कारवान विचारों वाले विकर्षित जैन समाज में उत्तरोत्तर प्रगति के लिए योगदान की महत्ता को रेखांकित किया। इसके पूर्व संस्था के विद्यार्थियों द्वारा ''विज्ञान प्रदर्शनी'' का शुभारंभ मुख्य अतिथि दीपचंद लूनिया ने संस्था के महामंत्री सीए प्रकाशचंद मालू सहित उपस्थित ट्रस्टी गणों के साथ किया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उत्तम कुमार वर्मा आ. स्व. खेदूराम वर्मा अन्य 01 निवासी कुरुद द्वारा ग्राम कुरुद प.ह.नं. 19 स्थित भूमि खसरा नं. 780 रकबा 0.300 हे. भूमि संयुक्त रुप से आवेदकगण एवं उनके स्व. पिता खेदूराम वर्मा के नाम पर दर्ज है। पिता की मृत्यु दिनांक 18.06.2017 एवं माता स्व. श्रीमती सतरुपा वर्मा की मृत्यु दिनांक 28.09.2014 को हो जाने के कारण वसीयत नामा के आधार पर मृतक का नाम विलोपित कर आवेदकगणों का नाम यथावत रखे जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त भूमि से मृतक का नाम विलोपित कर शेष खातेदारों का नाम यथावत रखे जाने हेतु जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 08.01.2020 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमर सिंह ठाकुर आ. ईश्वर सिंह ठाकुर निवासी प्रगतिनगर कृष्णा टाकिज रोड रिसाली भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 19 रा.नि.मं. कोहका तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1684 रकबा 0.030 हे. भूमि को आवेदक की पिता ईश्वर सिंह ठाकुर आ. लक्ष्मण सिंह ठाकुर ने अपने पुत्र अमर सिंह ठाकुर को पंजीकृत वसीयत की है। इस आधार पर आवेदक का नाम दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र मय वसीयतनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को वसीयत प्राप्तकर्ता के नाम पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 09.01.2020 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपांकर दास आ. दिलीप कुमार निवासी जामुल द्वारा ग्राम जामुल प.ह.नं. 18 रा.नि.मं. जामुल तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 66/2 रकबा 0.010 हे. भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता मेसर्स स्वप्निल बिल्डर्स एण्ड कालोनोनाईजर्स एण्ड डेवलपर्स प्रो. श्री पी.एन सिंह आ. श्री रामनरेश सिंह से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 12.11.2013 को क्रय किया है कि उक्त आवेदित भूमि की नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को नामांतरण किए जाने पर जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20.01.2020 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रेखा सिंह पति श्री अनिल प्रताप सिंह निवासी जामुल द्वारा ग्राम जामुल प.ह.नं. 18 रा.नि.मं. जामुल तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 66/2 रकबा 0.009 हे. भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता मेसर्स स्वप्निल बिल्डर्स एण्ड कालोनोनाईजर्स एण्ड डेवलपर्स प्रो.श्री पी.एन सिंह आ. श्री रामनरेश सिंह से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 24.10.2013 को क्रय किया है कि उक्त आवेदित भूमि की नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को नामांतरण किए जाने पर जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20.01.2020 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका माया सूराल पति श्री प्रदीप कुमार सूराल निवासी जामुल द्वारा ग्राम जामुल प.ह.नं. 18 रा.नि.मं. जामुल तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 66/2 रकबा 0.009 हे. भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता मेसर्स स्वप्निल बिल्डर्स एण्ड कालोनोनाईजर्स एण्ड डेवलपर्स प्रो.श्री पी.एन सिंह आ. श्री रामनरेश सिंह से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 24.10.2013 को क्रय किया है कि उक्त आवेदित भूमि की नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को नामांतरण किए जाने पर जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20.01.2020 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर (छ.ग.)**

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं SHEETAL GARGA D/O RAJIV RATAN GARGA निवासी BLOCK-13, PLOT-8, NEHRU NAGAR EAST BHILAI DURG (C.G.) यह शपथ करती हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम SHEETAL JAIN D/O RAJIV RATAN GARGA रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम SHEETAL JAIN D/O RAJIV RATAN GARGA से ही जाना पहचाना जावे।

SHEETAL JAIN
BLOCK-13, PLOT-8, NEHRU NAGAR EAST BHILAI DURG (C.G.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका बरनाली सरकार पति श्री बिवाश सरकार निवासी कुरुद भिलाई द्वारा ग्राम जामुल प.ह.नं. 18 रा.नि.मं. जामुल तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 66/2 रकबा 1010 वर्ग. भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता मेसर्स स्वप्निल बिल्डर्स एण्ड कालोनोनाईजर्स एण्ड डेवलपर्स प्रो.श्री पी.एन सिंह आ. श्री रामनरेश सिंह से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 12.11.2013 को क्रय किया है कि उक्त आवेदित भूमि की नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को नामांतरण किए जाने पर जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20.01.2020 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर (छ.ग.)**

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धनजंय कुमार पिता मूलचंद साहू निवासी भिलाई 03 ने ग्राम चरोदा प.ह.न. 57 रा.नि.मं. भिलाई 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 394, 30 रकबा 0.018 हे. अर्थात 1980 वर्ग. को विरासत हक के आधार पर भूमि स्वामी मूलचंद पिता गंगादीन साहू का नाम विलोपित कर अपना नाम एवं वारिसानों का नाम दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पेश किया है।

जिसकी सुनवाई न्यायालय में दिनांक 27.01.2020 नियत है। अतः जो कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था उपरोक्त वर्णित संपत्ति में हित रखते है नियत तिथि को 11.00 बजे या उसके पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से अपनी आपत्ति/ दावा पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत दावा/ आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26.12.2019 को जारी किया गया ।

मुहर — **नायब तहसीलदार भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./335/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती नेहा नायक पति स्व. अजय नायक निवासी ग्राम न्यू पुलिस लाईन दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम बोरसी तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 283/28 रकबा 0.020 हें भूमि को हकत्यागकर्ता श्रीमती लता नायक पति श्याम सुंदर नायक निवासी ग्राम न्यू पुलिस लाईन दुर्ग से रजिस्टर्ड हकत्याग दिनांक 23.10.2019 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड हकत्याग के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 06.01.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 16.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक भारतचन्द कीर्तनिया पिता प्रमोथनाथ कीर्तनिया निवासी रेल्वे कालोनी दुर्ग मौजा सिकोला प.ह.नं. 08 रा.नि.मं. दुर्ग 02 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 61/9 रकबा 0.018 हे. भूमि को विक्रेता/ आम मुख्तयार समरेन्द्र सरकार पिता दुलालचन्द्र सरकार से दिनांक ... को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 10.01.2019 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 23.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मनमीत सिंह चावला पति जोगेन्दर सिंह चावला निवासी आकाश नगर दुर्ग मौजा सिकोला प.ह.नं. 08 रा.नि.मं. दुर्ग 02 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 57/123 रकबा 0.028 हे. के नाम दर्ज है, भूमिस्वामी के द्वारा आवेदक के नाम वसीयत किया गया है। भूमिस्वामी की मृत्यु दिनांक 20.11.2019 को हो जाने के कारण आवेदक का नाम दर्ज करने आवेदन पेश किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 09.01.2019 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./322/अ-2/2018-19

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती ग्रीष्मा टेंभुरकर पति श्री पी. एन. टेंभुरकर निवासी स्मृति नगर जुनवानी रोड भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम कातुलबोर्ड प.ह.न. 20 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 55/93 रकबा 0.011 हें/ 855 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के प्रस्तुत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./310/अ-2/2018-19

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती लविना चौहान पति श्री संजय कुमार चौहान निवासी करंजा भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम कातुलबोर्ड प.ह.न. 20 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 3/411 रकबा 0.034 हें/ 3750 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के प्रस्तुत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./328/अ-2/2018-19

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती सिमरन बग्गा पति श्री देवेन्द्र सिंह बग्गा निवासी कादम्बरी नगर वार्ड 18 दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम सिकोला प.ह.न. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 290/118 रकबा 0.014 हें/ 1488 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के प्रस्तुत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./329/अ-2/2018-19

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती राम्हीन बाई साहू पति श्री सेवक राम साहू निवासी पाउवारा द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम उरला प.ह.न. 17/7 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 211/9 रकबा 0.011 हें/ 1200 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के प्रस्तुत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक योगेश कुमार दिल्लीवार पिता मोहनलाल दिल्लीवार मौजा बघेरा प.ह.नं. 48 रा.नि.मं. दुर्ग 02 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 340/48 रकबा 1590 वर्ग. भूमि को विक्रेता/ आम मुख्तयार मोनिका श्रीवास्तव पति आशीष कुमार से दिनांक ... को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 10.01.2019 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 23.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

■ न्यूज गैलरी

चुनाव हारने के बाद युवकों में मारपीट

महासमुंद। चुनाव हारने से नाराज तीन लोगों ने एक युवक से मारपीट कर दी। सरायपाली के वार्ड 6 इस्लाम मोहल्ला में बुधवार रात 11 बजे युवक की पिटाई हो गई। मो गुलाम दस्तगिर द्वारा थाने में दर्ज कराई शिकायत के अनुसार रात में वह घर लौट रहा था तभी जयस्तंभ चौक के पास मेन रोड पर मोहल्ले के नौशाद अली, जावेद रजा और जफर उर्फ रिज्जू बाइक से पहुंचे और कहने लगे कि तुम्हारे कारण समाज के लोगों का वोट प्रत्याशी रमिज रजा को नहीं मिला। बाद तीनों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। आसपास के लोगों ने उन्हे छुड़ाया। पुलिस ने उक्त तीनों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

तीन प्रकरण में 71 क्विंटल धान बरामद

महासमुंद। धान के अवैध परिवहन और भण्डारण के 360 प्रकरण में 20 हजार 124 क्विंटल धान जब्त किया जा चुका है। गुरूवार को तीन प्रकरण में 71.20 क्विंटल धान जब्त की गई। इनमें साल्हेझरिया निवासी शिवकिशोर से 46.40 क्विंटल, बसना निवासी संतलाल पटेल से 14 क्विंटल, राकेश साहू सरायपाली से 10.80 क्विंटल धान जब्त किया गया।

अनियंत्रित कार दीवार से टकराई

महासमुंद। बेलसोंडा रेलवे क्रासिंग के पास अनियंत्रित कार दीवार से टकरा गई। दरअसल, रेल प्रशासन ने यहां हादसा रोकने के लिए सीमेंट की दीवार खड़ी की है फिर भी हादसे थम नहीं रहे। यहां संकेतक बोर्ड नहीं लगाए गए हैं। लाइट भी नहीं है। इसलिए रात में दुर्घटना होती है। मिली जानकारी के अनुसार कार क्रमांक सीजी 06 जीक्यू 8019 के चालक रायपुर से महासमुंद आ रहा था। वह अकेला था। कार सीधे से गिट्टी के ढेर से टकराई और दीवार से घिसते हुए आगे जाकर रूक गई। इस हादसे में कार चालक को चोट नहीं आई है।

स्वास्थ्य जांच शिविर कल

महासमुंद। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन एवं मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत, गुडरूपारा वार्ड 16, शीतला मंदिर प्रागंण स्थित भवन में एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर (स्पेशल आउटरीच कैम्प) का आयोजन शनिवार 28 दिसम्बर को सुबह 10 से शाम 4 बजे आयोजित है। इसमें नेत्र चिकित्सक सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने नागरिकों से अधिकतम संख्या में उपस्थित होकर स्वास्थ्य लाभ उठाने अपील की है।

सुभाष नगर में आज से श्रीमद् भागवत

महासमुंद। सुभाष नगर में सांई कोचिंग के सामने शुक्रवार 27 दिसंबर से चार जनवरी तक श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन चंद्राकर परिवार की ओर से किया जा रहा है। भुनेश्वर चंद्राकर और रामेश्वरी चंद्राकर की स्मृति में ईश्वर-निधि चंद्राकर के संयोजन में आयोजित ज्ञान यज्ञ आयोजन में पंडित बलदाऊ महाराज मोखला वाले कथा वाचन करेंगे।

महिला से मारपीट, जुर्म दर्ज

महासमुंद। नयापारा में युवक ने नशे में महिला के साथ तवा से मारपीट कर दी। वार्ड 4 निवासी अमरीका पिता ईश्वर सेन के मुताबिक बुधवार शाम 7 बजे मोहल्ले के मोहन राजपूत ने नशे में गाली गलौज करते हुए तवा से मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मोहन के खिलाफ धारा 294, 323, 506 के तहत अपराध दर्ज किया है।

कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू ने पूरी की अपनी घोषणा

■ **रिसाली अब नगर निगम, शासन ने जारी किया आदेश**

नवप्रदेश संवाददाता

उतई। छतीसगगढ़ शासन ने नगर पालिक निगम अधिनियम 1956की धारा 405 के तहत नगर निगम भिलाई से 13 वार्डो को पृथक कर नगर पालिक निगम रिसाली का गठन किया गया है जो अब राज्य का 14 वां निगम बन गया है जिसका चुनाव भी नगर निगम भिलाई के साथ दिसम्बर 2020 में होंना तय हो गया है। गौरतलब है कि चुनाव पूर्व घोषणा अनुसार गृहमंत्री व स्थानीय विद्यायक ताम्रध्वज साहू ने स्पष्ट कर दिया था कि हर हालत में रिसाली निगम बनाया जाएगा, जो आज सफल हुआ है। जिसे लेकर क्षेत्र की जनता ने खुशी जाहिर किया है। रिसाली निगम की मांग करने वालों के लिए बड़ी खबर है। रिसाली जोन के 13 वार्डो को मिलाकर सरकार ने एक नया निगम बना दिया है। इसका राजपत्र में फाइनल प्रकाशन 26 दिसंबर को किया गया है। अब सबकुछ साफ हो गया है। अब सिर्फ अलग से सेटअप करना बाकी रह गया है। इससे पहले नवंबर माह में रिसाली को निगम बनाने राजपत्र में प्रकाशन हुआ था। तब 15 दिन के अंदर में दावा-आपत्ति मांगे गए थे। इसका निराकरण करने के बाद फाइनल प्रकाशन कर दिया है।

रिसाली निगम की मांग करने वाले सीनियर पार्षद केशव बंछोर ने बताया कि गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने 2018 के विधानसभा चुनाव में इसका ऐलान किया था। ऐलान के ठीक एक साल में उन्होंने अपना वादा पूरा कर लिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि 2020 दिसंबर में भिलाई के साथ रिसाली निगम का चुनाव हो जाएगा।

ये वार्ड होंगे शामिल

जोरातराई, डुंडेरा, नेवाई भाठा, स्टेशन मरौदा, मोहरी मरौदा, मरौदा सेक्टर, रिसाली सेक्टर, रिसाली दक्षिण, रिसाली बस्ती, प्रगति नगर रिसाली, रुआबंधा, रुआबंधा बस्ती और पुरैना मेरे कहे अनुसार क्षेत्र के जनता के अनुरूप शासन से मांग की गई थी जिसे आज गठन की प्रक्रिया को पूर्ण किया गया।

इनका कहना है

मेरे कहे अनुसार क्षेत्र के जनता के अनुरूप शासन से मांग की गई थी जिसे आज गठन की प्रक्रिया को पूर्ण किया गया। क्षेत्र की जनता को बधाई।
-ताम्रध्वज साहू, कैबिनेट मंत्री, व विद्यायक दुर्ग ग्रामीण

हमारे लिए खुसी की बात है कि अब इस क्षेत्र में विकास की गति तीव्र होगी।
-केशव बंछोर, पार्षद रिसाली

रिसाली निगम के निर्माण के गठन की जनता को बधाई, विकास बढ़ाने के साथ रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।
-तरुण बंजारे, एल्डरमेन नगर निगम रिसाली

रिसाली को निगम का दर्जा दिया जाना ,क्षेत्र के लिए काफी खुसी की बात है कि अब काम के लिए भिलाई जाने की जरूरत नही है
-अनुपमा गोस्वामी, नागरिक रिसाली

कचरा परिवहन के लिये बैंक आफ बड़ौदा ने दिया निगम को दो ट्राली

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने नगर निगम द्वारा व्यापक प्रबंध किये जा रहे है। जिसके तहत प्रातः से दोपहर तक सफाई मित्रों व स्वच्छता दीदीयों द्वारा साफ सफाई किया जा रहा है। साथ ही शहर के प्रमुख मांर्गो एवं बाजार में रात्रिकालीन सफाई भी की जा रही है। स्वच्छता में सभी संस्थाओं एवं नागरिकों का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसी कडी में आज बैक आफ बड़ौदा द्वारा कचरा परिवहन के लिये नगर निगम को दो ट्राली (गारबेज रिक्शा) प्रदान किया गया। निगम

आयुक्त चंद्राकांत कौशिक ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान को सफल बनाने एवं अगामी स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में उच्च स्थान प्राप्त करने नगर निगम द्वारा साफ सफाई में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिये हमारे स्वास्थ्य कर्मियों के साथ साथ निगम के अधिकारी व कर्मचारी द्वारा भी मेहनत किया जा रहा है। इसके अलावा पालीथीन मुक्त करने भी अभियान चलाकर नागरिकों एवं दुकानदारों को समझाईस दी जा रही है। साथ ही आवश्यकता पडने पर जुर्माना भी वसूला जा रहा है। आयुक्त श्री कौशिक ने बताया कि स्वच्छता अभियान में सामाजिक संस्थाओं के साथ साथ नागरिक भी स्वस्फुर्थ होकर जुड़ रहे है।

अलग-अलग हादसे में दो मृत

महासमुंद। अलग-अलग थाना क्षेत्र में सड़क और ट्रेन दुर्घटना में एक युवक और एक महिला की मौत हो गई वहीं दो घायल हो गए। पुलिस के अनुसार पहली घटना ग्राम हाड़ाबंद ओवरब्रिज के पास बुधवार को घोंच निवासी रोशन पिता रमेश विश्वकर्मा (23) अपनी बाइक से खल्लारी से महासमुंद की ओर जा रहा था तभी रात नौ बजे हाड़ाबंद ओवरब्रिज के पास डिवाइडर से टकराने से मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना में पटेवा थाना क्षेत्र के दर्रीपाली मोड़ के पास भूषण साहू अपनी मोटर साइकिल में अपनी पुत्री मोक्ष साहू को बिठाकर दर्रीपाली से झलप पटेवा की ओर जा रहा था। कार की ठोकर से दोनों को चोट आई है। चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

ट्रेन की चपेट में महिला की मौत

पुलिस के अनुसार बागबाहरा थाना क्षेत्र के रेलवे ट्रैक में गुरुवार सुबह सात बजे खोपली निवासी उसरा बाई पति बैसाखू (40) मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसे कम सुनाई देता था।

अटल जी का व्यक्तित्व बहुमुखी प्रतिभा का परिचायक : मधुसूदन यादव

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। भारतीय राजनीति के आदर्श, छत्तीसगढ़ के निर्माता, कुशल व्यक्तित्व के धनी पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिन पर भाजपा कार्यालय में एक बड़ा आयोजन उत्तर, दक्षिण एवं ग्रामीण मंडल के संयुक्त तत्वाधान में नवनिर्वाचित पार्षदों की उपस्थिति में मनाया गया। जिला अध्यक्ष मधुसूदन यादव ने सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में अटल जी के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता...की कविता का वाचन किया और कार्यकर्ताओं की हिम्मत बढ़ाते हुए कहा कि हम चुनाव हार सकते हैं, परंतु मैदान नहीं, हम मैदान में सदैव बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनसंघ से लेकर अब तक के भारतीय जनता पार्टी के सिद्धांतों को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साकार कर रहे हैं और सभी सपनों को साकार होते देख आज अटल जी भी जरूर प्रसन्न होंगे, उन्होंने कहा कि अटल जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने कविताओं के माध्यम से अपनी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया और पत्रकारिता के माध्यम से भी राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और वीर अर्जुन आदि राष्ट्रीय भावनाओं से ओत-प्रोत अनेक पत्रिकाओं का संपादन भी किया। मधुसूदन यादव ने वर्तमान हालातों को भूलकर कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि आओ फिर से मिलकर कमल खिलाएं।

वरिष्ठ भाजपा नेता लीलाराम भोजवानी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेई एक महान दूर दृष्टा थे। राजनीति में रहकर भी सिद्धांतों के उच्च मापदंड एवं स्पष्टवादीता के लिए अटल जी जाने जाते थे।

युवक से तीन लीटर शराब बरामद

महासमुंद। गढ़फुलझर में सड़क किनारे शराब बेच रहे युवक से बसना पुलिस ने पौने 3 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात 10 बजे मुखबिर की सूचना पर बरोली निवासी कुंजमन दास (40) के कब्जे से 2.880 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की। जिस पर आबकारी एक्ट 34 ए के तहत कार्रवाई की गई।

धनगांव मंड़ई 2 को

राजनांदगांव। डोंगरगांव के समीपस्थ ग्राम धनगांव के पुराना बाजार चौक में दिनांक 02 जनवरी 2020 को मेला मंड़ई मेला कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। वहीं इस अवसर पर रात्रि में रंगारंग छत्तीसगढ़ी नाच पार्टी खल्लारी डोंगरगढ़ वालों का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है। उक्ताशय की जानकारी मुकेश गंधर्व ने दी।

15-16 फरवरी को कानूनी जागरूकता पर आधारित लघु फिल्मों का महोत्सव

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के कार्यपालक अध्यक्ष एवं छग उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा के निर्देश एवं मार्गदर्शन में 15 व 16 फरवरी 2020 को कानूनी जागरूकता पर आधारित फिल्मों का राष्ट्रीय लघु फिल्म समारोह व प्रतियोगिता (शूट फॉर लीगल अवेयरनेस-एसएफएलए 2020 सीजन 3) का आयोजन बिलासपुर में किया जा रहा है। इस समारोह के लिए छग राज्य सहित देश भर से शार्ट फिल्म की प्रविष्टियां मंगाई जाएगी। विगत वर्ष में भी इस समारोह के द्वितीय आयोजन में पूरे देश से लगभग 116 से यादा शार्ट फिल्म्स प्राप्त हुई थी। तीसरे शार्ट फिल्म फेस्टिवल के आयोजन की घोषणा रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में छग राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के सदस्य सचिव सिद्धार्थ अग्रवाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायपुर के सचिव उमेश उपाध्याय एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करने वाली संस्था जीपी आरस्ट्रेटेजीज एण्ड सॉल्यूशन के रेक्स मेहता के द्वारा की गई। इस कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव सिद्धार्थ अग्रवाल ने बताया कि हमारे देश में कानून का राज है। ऐसे में हर व्यक्ति को कानून की जानकारी देने का प्रयास प्राधिकरण के द्वारा किया जा रहा है। लघु फिल्में आम लोगों को कानून की प्रति जागरूक करने में सशक्त भूमिका निभाती है। पिछले दो आयोजनों की सफलता और अनुभवों को ध्यान में रखते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण इस वर्ष शार्ट फिल्म फेस्टिवल का तीसरा आयोजन करने जा रहा है।

सुखरी में डांस प्रतियोगिता 31 को

राजनांदगांव। डोंगरगांव के समीपस्थ ग्राम सुखरी में बप्पा ग्रुप एवं समस्त ग्रामवासी के तत्वावधान में डांस प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 31 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया है। इस प्रतियोगिता सामूहिक एकल तथा युगल डांस प्रतिभागी हिस्सा ले सकते हैं। वहीं विजयी प्रतिभागियों को प्रथम से लेकर तृतीय स्थान तथा विशेष व सदाबहार पुरस्कारों की घोषणा की गई है। आयोजक समिति ने अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिता का आनंद लेने कहा है।

भाजपाईयों ने किया अटल का पुण्य स्मरण

महासमुंद। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के तौर पर मनाया गया। भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता अटल बिहारी के व्यक्तित्व का स्मरण किया गया एवं उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा ली गई। कार्यक्रम को भाजपा नेताओं ने संबोधित किया। इस दौरान अमर सिंह गुरुदत्ता, विमल चोपड़ा, संदीप दीवान, निरंजना शर्मा, माधव राव टांकसाले, प्रकाश शर्मा, मनीष बंसल, उमेश नसीने, लालविजय सिंहदेव, बंटी शर्मा, गोपी कन्नौजे, मकसूद खान, शिव राठौर, सुनीता देवांगन, सुधा साहू, विष्णु चंद्राकर, राजू यादव, नंदू जलक्षत्री, हिमांशु शानू चंद्राकर, सोनाधर सोनवानी, शैलेंद्र हिरवानी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश शर्मा ने किया।

झालखम्हरिया में एनएसएस शिविर संपन्न

महासमुंद। छत्तीसगढ़ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के तत्वावधान में ग्राम झालखम्हरिया में एनएसएस शिविर का आयोजन किया गया। जिनका थीम छत्तीसगढ़ सरकार की नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी पर आधारित था। शिविर का उद्घाटन झालखम्हरिया के सरपंच कोमल जगत ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक विनोद चंद्राकर, चंद्रनाहू शिक्षण समिति के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, नुकेश चंद्राकर, सरपंच कमल जगत की उपस्थिति में हुआ। शिविर में नियमित गतिविधि के अंतर्गत बच्चों ने घुरवा बचाओ, पशु संरक्षण, जल संरक्षण, सोख्ता निर्माण एवं स्वच्छता कार्य किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन के अतिथि पूर्व विधायक मकसूदन लाल चंद्राकर, द्वारिका चंद्राकर, चमन चंद्राकर थे।

स्वच्छता में गुणात्मक सुधार लाने आज कार्यशाला

राजनांदगांव। स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार लाने एवं आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में उच्च स्थान प्राप्त करने के साथ साथ शहर को स्वच्छ व पालिथीन मुक्त रखने नगर निगम द्वारा 28 दिसंबर को अपरान्ह 2 बजे से पद्म श्री गोविंदराम निर्मलकर आडिटोरियम में कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला के संबंध में नगर निगम आयुक्त चंद्रकांत कौशिक ने बताया कि स्वच्छता में सुधार लाने शहर को पालिथीन व प्लास्टिक मुक्त करने के साथ साथ शत प्रतिशत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करने और उचित तौर पर कचरा पृथकीकरण करने कम्पोस्टिंग एवं युजरचार्ज वसूली तथा शहर को नुक्कड फ्री व कचरा एकत्रित करने के जगह को कचरा मुक्त कर सौदर्यीकरण करने व शहर के नाली नालों की सफाई व अबाधित ड्रेनेज सिस्टम के संबंध में नगर निगम द्वारा सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदीयों, एसएलआरएम सेंटर प्रभारियों के लिये कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य की अध्यक्षता में 28 दिसंबर 2019 को अपरान्ह 2 बजे से पद्म गोविंदराम निर्मलकर आडिटोरियम में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

शहर के हजारों व्यक्तियों में जगायी संवेदना

राजनांदगांव। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा जिले में छत्तीसगढ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्लान ऑफ एक्शन के अंतर्गत मौलिक कर्त्तव्य एवं बाल विवाह प्रतिषेध, बच्चों का अवैध व्यापार, बच्चों की शिक्षा तथा किशोर न्याय विषय पर संवेदीकरण कार्यक्रम- ड्यूटी ऑफ सीटिजन तथा संवेदना- कम्पेशन के तहत अनेक कार्यक्रम किए जा रहे है जिसमें अधिक से अधिक आमजनों को उक्त विषयों का ज्ञान हो सके। उक्त विशेष अभियान हेतु सम्पूर्ण जिले में अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव विनय कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में सार्वजनिक स्थानों जैसे- बस स्टैण्ड, रेल्वे स्टैशन, मेला-मढई, हॉट बाजार आदि स्थानों में विशेष जागरुकता शिविर किये जा रहे है। उक्त शिविरो मे जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीशगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव तथा पैरा लीगल वॉलिंटियर्स द्वारा अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार 10 दिसम्बर 2019 से 31 दिसम्बर 2019 तक किया जाएगा। उक्त अभियान के दौरान न्यायाधीश शक्ति सिंह राजपूत द्वारा ग्राम किरगी एवं पनेका मे जाकर लोगों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद-51क के तहत उपबंधित मौलिक कर्त्तव्यों की जानकारी दी गयी।

लक्ष्मीकांत बने एलुमिनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष

नवप्रदेश संवाददाता

लवन। शासकीय महाविद्यालय लवन में विगत दिनों एलुमिनाई एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। वर्ष 2009 में स्थापित इस महाविद्यालय से स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षा उत्तीर्ण छात्र छात्राएं बैठक में सम्मिलित हुए द्य प्रभारी प्राचार्य वाय.आर. महिलाने ने कहा कि महज एक दशक में ही यह संस्थान राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पटल पर उभर रहा है द्य विभिन्न संकायों से उत्तीर्ण यहाँ के छात्र छात्राएं सतत विकास करें तथा अपने महाविद्यालय को गौरवान्वित करें। एलुमिनाई एसोसिएशन के प्रभारी सहायक प्राध्यापक अजय मिश्रा ने कहा कि यह समिति पूर्ववर्ती छात्र छात्राओं एवं महाविद्यालय के मध्य एक संयोजक कड़ी की तरह कार्य करेगी द्य समिति के पंजीयन पर कार्य किया जा रहा है द्य बैठक में सर्वसम्मति से एलुमिनाई एसोसिएशन के पदाधिकारियों के रूप में अध्यक्ष पद पर लक्ष्मीकांत साहू, उपाध्यक्ष मनोज वर्मा, सचिव कु. पुर्वारानी साहू तथा कोषाध्यक्ष पद पर अक्षय वर्मा का मनोनयन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व छात्र छात्राओं ने कहा कि इस महाविद्यालय में आकर माँ की गोद के समान सुकून मिलता है द्य वे यथाशक्ति अपने मातृ संस्थान के विकास में सहभागी बनेंगे द्य चन्द्रकुमार धीवर, तेजेश्वरी साहू, अंजना महिलांगे, प्रांजल पाण्डेय,अजय साहू, प्रद्युम्न साहू, दीपचंद सेन आदि बैठक में उपस्थित रहे।

निरीक्षण नहीं मिली कोई त्रुटि, खरीदी केन्द्र में रिपोर्ट देख खुश हुए विभाग प्रमुख

धान केन्द्र पहुंचे सुब्रत साहू, जानी किसानों की समस्या

नवप्रदेश संवाददाता

उतई। वृहताकार सहकारी समिति उतई अंतर्गत समर्थन मूल्य धान खरीदी केंद्र पुरई भाठा उतई मे खरीदी का जायजा लेने अचानक पहुचे छग शासन खाद्य विभाग प्रनुख सचिव सुब्रत साहू, साथ मे जिला कलेक्टर अंकित आनंद एसएसपी अजय कुमार यादव एसडीएम खेमलाल वर्मा एसडीओपी आकाश राव गिरेपुंजे सहित प्रशासनिक अमला की मौजूदगी में खरीदी केंद्र धान बेचने आए किसानों से चर्चा कर सही ढंग से खरीदी की जा रही है कि नही टोकन मिला है कि नही कितने क्विटल धान बेचने के लिए लाए है। किसानों द्वारा उचित जवाब दिया जिससे खाद्य सचिव संतुष्ट हुए। उसके बाद समिति प्रबन्धक गिरधर सोनी से धान खरीदी में सही रूप से खरीदी व रख रखाव पर विस्तृत चर्चा किया। जिला कलेक्टर अंकित आनंद ने मिनट टू मिनट उतई सहित जिले के धान खरीदी के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उतई धान खरीदी केंद्र में अबतक की गई धान खरीदी की रिपोर्ट को बताया गया बारदाने की स्थिति पर विशेष जानकारी व परिवहन के बारे में जानकारी दी गई। धान खरीदी केंद्र में प्रति किसानों से हेक्टेयर वार धान की कितनी खरीदी की जाती है इस पर जानकारी प्रदान की गई। किसी भी प्रकार से कोई कमी नही मिली जिससे छग शासन खाद्य विभाग सचिव सुब्रत साहू संतुष्ट होकर चले गए। इस दौरान जिले के प्रशासनिक अमला में उपपंजीयक उमेश तिवारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस के निवसरकर आनंद मिश्रा अलावा सहकारी समिति संचालक मंडल के उपाध्यक्ष दिनेश देशलहरे सदस्य डिकेन्द्र हिरवानी पार्षद तोषण साहू इंदरमन साहू पुरण साहू खोवा लाल तुलेश साहू सहित क्षेत्र के किसान मौजूद थे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं SHOBHIT S/O AMRITLAL SAHU निवासी THELAKADI THELKADIH, MAHRUMKALA, RAJNANDGAON (C.G.) 491444 यह शपथ करता हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम SHOBHIT AMRITLAL SAHU S/O AMRITLAL SAHU रख लिया है। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम SHOBHIT AMRITLAL SAHU S/O AMRITLAL SAHU से ही जाना पहचाना जावे।

SHOBHIT AMRITLAL SAHU
THELAKADI THELKADIH, MAHRUMKALA, RAJNANDGAON (C.G.) 491444

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं AMRIT LAL S/O HIRALAL SAHU निवासी AT. THELKADIYAH, POST MAHRUMKALAN, MAHRUMKALAN, RAJNANDGAON (C.G.) 491444 यह शपथ करता हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम AMRIT LAL SAHU S/O HIRALAL SAHU रख लिया है। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम AMRIT LAL SAHU S/O HIRALAL SAHU से ही जाना पहचाना जावे।

AMRIT LAL SAHU
AT. THELKADIYAH, POST MAHRUMKALAN, MAHRUMKALAN, RAJNANDGAON (C.G.) 491444

मौसम की मार अरहर पर, किसान चिंतित

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। क्षेत्र में चालू खरीफ फसल सीजन में इस वर्ष अरहर की फसल काफी अच्छी स्थिति में है। क्षेत्र में इस बार किसानो द्वारा अधिक संख्या में अरहर की फसल बोयी गई है।जिससे इस बार किसानो द्वारा फसल से अच्छी उत्पादन होने के आस लगाये हुए है। लेकिन वही दुसरी ओर विगत कुछ दिनों से मौसम में आई तब्दीली ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीर खींच गई है। अब उन्हे फसल पर कीट लगने की चिंता सता रही है।

किसानों से प्राप्त जानकारी के अनुसार फसल पर फूल लगभग 75 प्रतिषत आ चुका है। बाकी बचे फसल लगभग महीने भर के बाद से पूरी तरह आ जायेगा। इन दिनों मौसम मे लगातार हो रहे परिवर्तन से अरहर के फसल को काफी नुकसान होने की आषंका है, जिसको लेकर किसान काफी चिंतित है। मौसम की वजह से फसलों पर कीटो का प्रकोप बढता जा रहा है, जिससे किसान लगातार दवा का छिड़काव कर कीट नियंत्रण में लगे हुए है। इस वर्ष अरहर की फसल काफी अच्छी है। तथा किसान फसलों को होने वाली नुकसानी से बचाने के लिए लगातार छिड़काव कर रहे है।

और अब तक दो तीन बार कीटनाषक दवाओं का छिडकाव कर चुके है। क्षेत्र में आज भी किसान अरहर की फसल के प्रति काफी दिलचस्पी लेते है। अधिकतर सोयाबीन के साथ मिश्रित फसल के रूप लिया जाता है। कही-कही आज भी कोदो फसल के साथ अरहर की फसल काफी बढे रकबे मे लिया जा रहा है। प्रति एकड में 5 से 6 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हो जाता है। इससे उन्हे आर्थिक लाभ अच्छा हो जाता है।

12 वर्षों से बंद पड़ी पंडरिया मंडी में धान खरीदी बिक्री होगा प्रारंभ

नवप्रदेश संवाददाता

पंडरिया। मंडी मे खरीदी बिक्री होने से क्षेत्रीय किसान को उपज का मिलेगा उचित मूल्य, व फसल को बेचने के लिए मिलेगा उचित स्थान। वर्तमान में व्यवस्था सुधरते तक सफ्ताह मे दो दिन(सोमवार व गुरुवार) को खरीदी बिक्री होगा व उसी दिन किसान को भुगतान किया जाएगा।

किसान संघ ब्लॉक अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी ने बताया कि पंडरिया स्थित मंडी में खरीदी बिक्री चालू कराने के लिए हम लोग पिछले 4 महीने से प्रयास कर रहे थे, जिस पर विगत कुछ दिनों पूर्व अपर संचालक द्वारा मंडी सचिव को आदेशित करते हुए मंडी में खरीदी बिक्री प्रकिया चालू करने को कहा था, जिस पर मंडी सचिव गोहिया द्वारा आज किसान और व्यापारी भाइयो की सयुंक्त मीटिंग रखी गई थी। मीटिंग मे किसान और व्यापारी के आपसी सहमति से मंडी में खरीदी बिक्री प्रक्रिया चालू करने के लिए षुरुवात मे सफ्ताह मे दो दीन(सोमवार व गुरुवार) को खरीदी करने का निर्णय लिया गया है, जिसमे किसान को उनके फसल का उसी दिन भुगतान करने का भी निर्णय लिया गया है जिसका आदेश शासन द्वारा पहले से जारी किया गया है। वर्षो से बंद पड़ी मंडी को पुनः संचालित होने की सूचना से किसान भाइ खुश है, इस सूचना को अधिक से अधिक लोगो तक पहुँचाने के लिए ग्राम कोटवार से मुनादी कराया जाएगा।

मुरारी मिश्रा की पद यात्रा आज से

भाटापारा। रायपुर जिला पंचायत के पूर्व सभपति मुरारी मिश्रा ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी 10 वे साल की पदयात्रा दिनांक 28.12 19 को ग्राम सूरजपुरा से प्रारंभ होकर दत्तरेगी सिंगारपुर निपनिया मोपकि गुडलिया खैरा लछनपुर ढाबाडीह लटुआ सोनपरी होते हुऐ दिनांक 30 12 19 को बलोदा बजार में सम्पन्न होगी जहाँ मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन कलेक्टर को देते हुऐ इस वर्ष का समापन किया जाएगा। इस प्रतिनिधि से चर्चा करते हुए मुरारी मिश्रा ने कहा की लगातार पैदल चलते हुए गाँव गांव पगडंडी धरसा धरसा मेड़ होते शराब एवम नशा के खिलाफ जनजागरण जनांदोलन पुरे देश और छत्तीसगढ़ में यह एकलौता है । शराब के खिलाफ यह आंदोलन अभी तक लगभग 1150 द्मद्व की पदयात्रा कर चुका है एवम लगभग 365 गाँव मे शराब मुक्ति का संदेश दे चुका है।

साहित्यकार गणेश्वर आजाद 'गंवइंहा' शिक्षक सुंद्रावन को अंबेडकर फेलोशिप रत्न अवार्ड

नवप्रदेश संवाददाता

खरोरा। भारतीय दलित साहित्य आकादमी नई दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एसपी सुमनाक्षर व प्रांतीय अध्यक्ष जीआर बंजार 'ज्वाला' ने साहित्यकार गणेश्वर आजाद 'गंवइंहा' शिक्षक सुंद्रावन को अंबेडकर फेलोशिप रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया है। गणेश्वरआजाद स्व. नारायण दास आजाद के पुत्र हैं।व क्षेत्र के प्रसिद्ध पेंटर कृष्णा आजाद के अनुज भ्राता हैं।उन्हें साहित्य, शिक्षा, समाज, नारी उत्थान, दलित, शोषित, पीड़ित आदि क्षेत्रों में बहुआयामी सृजनात्मक व रचनात्मक कृति के लिए भारत रत्न डॉ. बीआर अंम्बेडकर फेलोशिप रत्न अवार्ड 2019 से सम्मानित किया गया। उक्त कृति के लिए ,अजय ताम्रकार, डॉ विनोद साहू,प्रमोद साहू,शिव कनौजे, पूरन कनोजे, विनय मांडले, विक्रम राय,डॉ संतकुमार मजगहे,देवी चंद्राकर,लीलाधर साहू,हृदय आज़ाद,राजा पंसारी,जयप्रकाश देवांगन ,इतवारी मांडले ,अनिल सोनवानी, चूड़ामणि गायकवाड ,कल्याण गायकवाड चंन्द्रा मनहरे , ललित सतनामी ,संजू गिलहरे , मायाराम टंडन, डॉ त्रिलोचन चतुर्वेदी, गुलशन मनहरे, शिवचरण चतुर्वेदी, आदि ने शुभकामनाएं दी।

बाल अधिकार संरक्षण की दी गई जानकारी

कवर्धा। एकीकृत बाल संरक्षण योजना महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला पंचायत संसाधन प्रशिक्षण केन्द्र डगनिया मे आंगनबाडी कार्यकर्ता और मितानिनो का स्वच्छता प्रबंधन पर आयोजित प्रशिक्षण एवं वार्ड क्रमांक 20 के आगनबाडी केन्द्र क्रमांक 01 मे जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर एकीकृत बाल संरक्षण योजना किशोर न्याय (बालको की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 लैगिक अपराधो से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 बाल अधिकार संरक्षण गुड टच बैड टच विकासखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति एवं पचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति बाल भिक्षावृत्ति नशा उन्मूलन देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बालको के संबंध मे जानकारी दी गई।

नेटबॉल बालिका टीम ने जीता रजत

■ बालक टीम ने जीता कांस्य पदक

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। 65 वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2019-20 के अंतर्गत लुधियाना (पंजाब) में दिनांक 19 दिसम्बर 2019 से 24 दिसम्बर 2019 तक आयोजित नेटबॉल 19 वर्ष छत्तीसगढ़ की बालिका टीम ने रजत व बालक टीम ने कांस्यपदक जीता । प्रशिक्षक एवं राष्ट्रीय निर्णायक शरद पंसारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में 16 एवं बालक वर्ग में 17राज्य यूनिट की टीम ने भाग लिया था जिसमें छत्तीसगढ़ की बालिका टीम ने अपने पुल में मध्यप्रदेश को 24-04 से, तमिलनाडु को 22-00 से हराया और पंजाब से 18-12 से हार हुई इस तरह से छत्तीसगढ़ की बालिका टीम अपने पुल में रनर होकर कवर्टर फायनल में कर्नाटक को एक तरफा मुकाबले में 20-04 से जीता सेमीफाइनल में केरल को 13-24 से मात दी और फायनल में पंजाब से संघर्ष पूर्ण मुकाबला हुआ और 18-12 अंको से हार गई और रजत पदक से सन्तोष करना पड़ा।

सर्द हवाओ ने बढ़ा दी ठंड, वनांचल में ले रहे अलाव का सहारा

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा । मौसम में लगातार हो रहे उतार-चढाव के चलते जहां तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। वहीं सर्द हवाओं के चलने से ठंड भी बढने लगी है। ऐसे में गर्म कपडो का उपयोग अधिक करना पड रहा है। पहाडी क्षेत्रों में भी कडाके की ठंड पड रही है। दिसंबर महीनें के अंत में मौसम में अचानक हो रही तब्दीली का असर पडने लगा है। तापमान में भी गिरावट दर्ज हुई है। तीन दिन पहले आसमान में बादलों की उपस्थिति होनें से कुछ हद तक ठंड से राहत मिली थी। लेकिन बादलों के हटनें के साथ तथा ठंड हवाओं के चलने से तापमान में कमी आयी है। न्यूनतम तापमान भी 10 ये 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है, जबकि अधिकतम तापमान अभी भी 27 से 28 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। षुक्रवार को आसमान पूरी तरह से साफहोने तथा हवाओं के चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई तो वही ठंड भी बढी है। ठंड बढने के कारण षाम होते ही अधिक गर्म कपडों का उपयोग करना पड रहा है। ठंड से बचने लोग अधिकांष समय घरो में ही व्यतीत कर रहे है। पहाडी क्षेत्र में ठंड बढने से लोगों को गर्म कपडो का उपयोग अधिक करना पड रहा है।

सड़क हादसे में युवक घायल

बिलाईगढ़। समीपस्थ ग्राम परसा पाली में एक युवक आज शुक्रवार को दोपहर 3:00 बजे सड़क हादसे में घायल हो गया। प्राप्त समाचार के अनुसार थाना सलिहा के अंतर्गत ग्राम परसा पाली में आज शुक्रवार को दोपहर लगभग 3:00 बजे दशरथ तेली पिता सुदर्शन तेली उम्र 40 वर्ष ग्राम पोंटा पारा थाना सरायपाली जिला महासमुंद का ग्राम परसा पाली के पास दुपहिया से सड़क हादसे में घायल हो गया उसे 108 की मदद से बिलाईगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जहां घायल का इलाज किया जा रहा है थाना बिलाईगढ़ मिली जानकारी के अनुसार घायल युवक दशयात्रा कार्यक्रम में शामिल होने विजयनगर आया था और शराब सेवन किया था खुद गिरा है कि ठोकर खाया है यह पता नहीं चल पा रहा है तथा वह बात भी नहीं कर पा रहा है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवप्रदेश संवाददाता

बलौदाबाजार । यूनिट हेड अनंत कुमार महोबे तथा टेक्निकल हेड दिलीप कुमार शर्मा के सफल मार्गदर्शन में ईमामी सीमेंट संयंत्र, अपने सी.एस.आर. विभाग के माध्यम से सहयोगी ग्राम रिसदा, कुकुरदी और ढनढनी कें सर्वागीण विकास हेतु स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, आजीविका, अधोसंरचना, खेल एवं संस्कृति तथा पर्यावरण विकास के क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर रही है । इसी के तहत् ईमामी सीमेंट संयंत्र के माइंस तथा सी.एस.आर. विभाग द्वारा पर्यावरण एवं खान संरक्षण सप्ताह मनाया गया । इस अभियान का मूल उद्देश्य जनमानस में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता बढाकर विकास मे भागीदारी सुनिश्चित करना था । सप्ताह भर चले अभियान के समापन कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य रुप से इंडियन ब्यूरों ऑफ माइंस से आए धनंजय सिंह ए.जी.एम.माइंस भिलाई स्टील प्लांट, मो.अंसारी सिनियर मैनेजर एन.एम.डी.सी, एस.दास मैनेजर बाल्को के अलावा ईमामी प्रबंधन की ओर से युनिट हेड अनंत कुमार महोबे, कार्मसियल हेड विकास पहारिया, माइंस हेड दिनेश दीक्षित, लाईजन हेड धनंजय सिंह, पर्यावरण विभाग हेड सुदीप द्विवेदी, मेकेनिकल हेड ज्योति सिंह, पावर प्लाट हेड श्रवण कुमार वरिष्ठ प्रबंधक सी.एस.आर चन्द्रशेखर उपाध्याय, मैनेजर माइंस मनोज कुशवाहा, अजय खरे, सुजीत सिंह, जेपी द्विवेदी, मोराई के साथ ही माइंस विभाग की पूरी टीम, अधिकारी कर्मचारी गण बडी संख्या मे उपस्थित थे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम दिनेश दीक्षित ने ईमामी लाइम स्टोन माइंस द्वारा की जा रही गतिविधियों तथा पर्यावरणीय भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी ।

इन्दौरी आयुष स्वास्थ्य शिविर में 456 लोगों को मिला लाभ

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। समीपस्थ ग्राम पंचायत इन्दौरी में शुक्रवार को आयुष स्वास्थ्य मेला और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । बच्चे, युवा, किशोरी बालिका, महिलाओं सहित बुजुर्गों नें शिविर का लाभ उठाया । शिविर में आयुर्वेद के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ गिरीश साहू , डॉ कमलेश वर्मा, डॉ एस के स्वर्णकार के द्वारा नए पुराने जटिल रोगों की निःशुल्क जांच व उपचार किया गया। शिविर प्रभारी डॉ गिरीश कुमार साहू नें बताया कि आयुष शिविर ग्राम इन्दौरी के गांधी चौक में आयोजित किया गया । जिसमें चर्म, उदर , श्वास रोग, पुराना सर्दी खांसी, बुखार, वात रोग , स्त्री रोग , बालरोग, उच्चरक्तचाप, मधुमेह, पीलिया, खून की कमी , कमजोरियों से संबंधित 456 हितग्राहियों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवा दिया गया । डॉ साहू नें बताया कि जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ एच डी गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में ब्लड शुगर, सिकलिंग , रक्त संबंधित जांच कर दवा दी गई । उन्होंने बताया कि शिविर में आने वाले लोगों को शीत ऋतु में होने वाली रोगों के लक्षण और उनसे बचाव की जानकारी दी गई।

डीआरएम ने किया स्टेशन का निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। रायपुर रेल डिवीजन के मंडल रेल प्रबन्धक श्याम सुन्दर गुप्ता ने शुक्रवार को भाटापारा स्टेशन के निरीक्षण पश्चात पत्रकारो से चर्चा करते हुए कहा यहाँ के यात्रियो के लिए रेलवे कालोनी की और एक अतिरिक्त टिकट घर का निर्माण कराया जा रहा है वही एस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा भी दी जायेगी। मंडल रेल प्रबंधक श्याम सुन्दर गुप्ता लगभग साढे 3 घंटे तक अपने अन्य विभाग के अधिकारीयो के साथ स्टेशन परिसर,रेलवे कालोनी, अंडर ब्रिज,टिकट घर,,नव निर्मित क्वाटर्स,सर्कुलेटिंग एरिया सहित जगहों का घूम घूम कर निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस अवसर पर स्टेशन परिसर पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा की यहाँ के यात्रियो के लिये रेलवे कालोनी की और एक अतिरिक्त टिकट घर की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। वही यहाँ के यात्रियो के लिए पूर्व में स्वीकृत एस्केलेटर लगाने का कार्य भी लगभग 3 माह में पूरा करा लिया जायेगा और यात्रियो के लिए लिफ्ट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी। डी आर एम श्री गुप्ता को अंडर ब्रिज के निर्माण में हो रही देरी के सम्बन्ध में उनका ध्यान अक्रिस्ट कराया गया तो उन्होंने कहा की इस विषय पर उन्होंने सम्बंधित एजेंसी को आम लोगो को हो रही परेशानी को देखते हुए शीघ्र कार्य पूरा करने को कहा है वही उन्होंने यह भी बताया की कुछ तकनीकी प्राब्लम थी जिसे नए सिरे से दूर कर उसे अमल में लाते हुए अंडर ब्रिज को आम जनता के लिए खोले जाने निर्देशित किया है।

नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में निकाली रैली

डोंगरगढ़ । नागरिकता संशोधन कानून (CAA) कानून राष्ट्रीय पंजीयन कानून को वापसी की मांग को लेकर सयुक्त मोर्चा डोंगरगढ़ के तत्वाधान में शुक्रवार को रैली निकाल कर तहसील कार्यालय पहुचें और रास्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपे । ज्ञापन में बताया गया है कि भारत के लोग शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार श्रम कानून और मौलिक अधिकारों से वंचित है, दिन प्रतिदिन भारत की अर्थव्यवथा जीडीपी गिर रही है । युवा पीढ़ी बेरोजगार और बेटी सुरक्षित नही है, संविधान के लगातार अवहेलना के सरकार द्वारा चुराचुर किया जा रहा है । इन सभी मुद्दों से भटकाने के लिए वर्तमान सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून, राष्ट्रीय पंजीयन कानून जो की असवैधानिक है, जिससे भारत के लोग अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं धार्मिक अल्पसंख्यक के हितों के विरुद्ध कानून लाया जा रहा है ।

नौ वर्ष का डोनेश शाम से लापता

कवर्धा। सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम बिडौरा के नौ वर्ष के बाल डोनेश पिता कुशलराम राणा 26 दिसम्बर शाम 5 से लापता है। पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह ने गुमशुदा बच्चे की फोटो मीडिया को शेयर करते हुए कहा कि किसी को भी इस बाल के संबंध मं जानकारी हो अथवा मिले तो तत्काल पुलिस नियत्रंण कक्ष मोबाईल नम्बर 94799192499 दूरभाष नम्बर 07741-232844 सहसपुर लोहरा थाना के दूरभाष नम्बर 07741269552, मोबाईल नम्बर 9479192416 पर तत्काल सूचना दे सकते है।

छापामारी | अवैध भण्डारण पर बड़ी कार्रवाई 35 लाख की धान जब्त

तीन हजार कट्टा धान के अवैध भण्डारण पर बड़ी कार्रवाई

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। जिले के पडोसी राज्यों तथा सीमावर्ती जिलों से आने वाले धान के अवैध परिवहनों और धान के अवैध खरीदी तथा भण्डारण की निगरानी के लिए बनाई गई जिला स्तरीय टीम में पंडरिया के पंडरीखार कुकदूर, गांगपूर और कवर्धा विकासखण्ड के पिपरिया और बोडला के पचराही, घुटूरकुडी में बडी कार्यवाही की। इन स्थानों में अकास्मिक रूप से दबिश देते हुए 2 हजार 9 सौ 36 कट्टा धान जब्त किया है। जब्त धान की अनुमानित किमत लगभग 35 लाख रूपए बताई जा रही है।

अपर कलेक्टर जे के ध्रुव के नेतृत्व में खाद्य अधिकारी अरुण मेश्राम व खाद्य निरीक्षक आकाश भूतड़ा द्वारा गांगपुर पंडरिया तहसील स्थित किराना स्टोर्स और गल्ला व्यापारी करण सिंह चन्द्रवंशी के ऊपर मंडी अधिनियम के तहत अवैध धान भंडारण की कार्यवाही करते हुए 150 बोरी धान (60 क्विंटल) की जप्ती की गई।

ग्राम पंडरीखार में लगभग 32 लाख के धान जप्त : पंडरिया वनांचल क्षेत्र में अवैध धान परिहवन एवं भंडारण की संदेह के आधार पर षुक्रवार को नायब तहसीलदार पंडरिया विनोद बंजारे, राजस्व निरीक्षक पंचराम श्याम एवं हल्का हितेश शर्मा के द्वारा अज्ञात सूचना के आधार पर ग्राम पंडरीखार कुकदुर स्थित राम पिता धनीराम निवासी ग्राम पुटपुटा कुकदुर के गोदाम का अकास्मिक रूप से जांच किया गया। जांच में पाया गया कि उस व्यक्ति के गोदाम में 2551 बोरी धान लगभग 1275 क्विंटल मूल्य लगभग 31 लाख 88 हजार रुपऐ का धान का भंडारण अवैध रूप से पाया गया। संबंधित व्यक्ति के पास भंडारण सम्बन्धी किसी भी प्रकार का कोई मंडी अनुज्ञप्ति या दस्तावेज नही मिला। उक्त सभी 2551 बोरी धान को जब्त किया कर सम्बंधित व्यक्ति के सुपुर्द में दिया गया है और निर्देशित किया है कि सक्षम अधिकारी के अनुमति के बिना उक्त सभी धान का अन्यत्र स्थानांतरण या विक्रय नही किया जाएगा।

नगर पंचायत पिपरिया में भी हुई कार्यवाही : कवर्धा नायब तहसीलदार हेमन्त पैकरा खाद्य निरीक्षक जानकीशरण कुशवाहा व मंडी निरीक्षक मनोज वैष्णव के द्वारा पिपरिया में कोचिया भरत गुप्ता के दुकान यहां बिना वैध दस्तावेज के 108 बोरा लगभग 43 क्विंटल धान को मंडी अधिनियम के तहत जब्त कर कार्यवाही किया गया। पचराही बोड़ला के किराना व्यापारी रामप्रसाद के परिसर में बिना अनुज्ञप्ति के 55 बोरा धान का भण्डारण पाए जाने के कारण मंडी अधिनियम के तहत जप्ती की कार्यवाही की गई।

पुलिस ने विधायक को समझाया, टला धरना

भाटापारा। रामसागर पारा में भाजपा कार्यकर्ता ओ के साथ मारपीट करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग तथा शहर पुलिस द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बदले की कार्यवाही किए जाने के विरोध में शहर थाना के सामने धरना प्रदर्शन के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ रैली के रूप में भाजपा कार्यालय से विधायक शिवरतन शर्मा कुछ दूर निकले ही थे कि एसडीओपी कृष्ण कुमार द्विवेदी तथा नगर निरीक्षक महेश ध्रुव एवं तहसीलदार प्रवीण तिवारी अपने प्रशासनिक अमले के साथ बीच रास्ते में ही आकर विधायक शिवरतन शर्मा से धरना प्रदर्शन न करनेका अनुरोध करते हुए उन्हे बताया कि अपराधियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया जा चुका है तथा उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस रवाना भी हो गई है । विधायक शिवरतन शर्मा उनकी बात से सहमत न होते हुए कहा कि आज मारपीट की घटना हुए चौथा दिन हो रहा है परंतु अभी तक अपराधियों की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई अगर इस तरह पुलिस का बर्ताव रहा तो हम अनिश्चितकालीन थाने के सामने धरना देंगे।

नागरिकता संशोधन अधिनियम देशहित में है : विकास ठाकुर

खरोरा। सरकार व्दारा पारित नागरिकता संशोधन क़ानून पर देश मे बवाल मचा हुआ है। एक तरफ बिल के विरोध मे धरना प्रदर्शन बंद और आगज़नी जैसी घटनाएँ हो रही है। तो कई जगहो पर इसके समर्थकों व्दारा इस बिल के समर्थन मे रैली निकालकर लोगो को इसके फायदे भी बताये जा रहे है। वही भाजपा युवा नेता विकास ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस बिल का समर्थन करते हुवे कहॉ की नरेन्द्र मोदी की अगुवाई मे केन्द्र सरकार व्दारा पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम देशहित मे है। और देश की जनता को सरकार के इस फ़ैसले का स्वागत करना चाहिये। देश की जनता मे सरकार के प्रति अविश्वास फैलाने के उद्देश्य से विपक्षी दलो व्दारा देश मे ये भ्रम फैलाया जा रहा है की ये क़ानून ग़ैर संवैधानिक है। इस क़ानून के ज़रिए सरकार पर धर्म के अधार पर भेदभाव करने का आरोप लगा रहे है। अब इन विपक्षीयो की बातो से बाहर आकर देश की जनता को इस क़ानून को समझने की और समर्थन करने की आवश्यकता है। यह क़ानून पुरी तरह से संवैधानिक है।

खुशहाल भारत बनाने के लिए जरूरी है सशक्तिकरण: उपराष्ट्रपति

- ■ ऐसा आर्थिक विकास हो, जो समावेशी, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल हो: राज्यपाल सुश्री उइके
- ■ अर्थशास्त्री देश को आर्थिक मंदी से उबारने पर करें मंथन: मुख्यमंत्री श्री बघेल
- ■ तीन दिवसीय इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

रायपुर। उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने आज यहां पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के 102वें वार्षिक सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस सम्मेलन में राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके, मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर कौशिक बसु विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में लाईफटाइम एचिवमेंट अवार्ड से प्रोफेसर अनिल कुमार ठाकुर और कौटिल्य अवार्ड से प्रोफेसर बी. रामा स्वामी को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति श्री नायडू ने कहा कि आज समय की यह आवश्यकता है कि प्रगति की प्रक्रिया को तेज किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक नागरिक समावेशी, दूरदर्शी और समृद्ध भारत के विकास की कहानी का हिस्सा बने। उन्होंने कहा कि हमें समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए, उन तक विकास और सुशासन का परिणाम पहुंचाना चाहिए। जब लंबे समय से विकास से वंचित लोगों का सशक्तिकरण होगा, तभी हमारा भारत सही मायने में एक खुशहाल भारत बन पाएगा। श्री नायडू ने कहा कि समावेशी विकास की यह संकल्पना हमारे सभी कार्यक्रमों में दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को और अधिक लचीला बनाने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए सुधारों में विमुद्रीकरण, क्रांतिकारी जी.एस.टी. की शुरूआत, एक राष्ट्र, एक कर के साथ ही काले धन पर अंकुश लगाने के कदम भी शामिल हैं।

श्री नायडू ने कहा कि कर और कर्ज का अनुशासन अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत में बैंकिंग में डिजिटलीकरण और वित्तीय क्षेत्रों में सुधार के साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को पारदर्शी और समय पर भुगतान किया जा रहा है। यह कदम समावेशी विकास करने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है। कृषि में नई तकनीकों और नये अनुसंधानों का उपयोग कर कृषि उत्पादकता को बढ़ाया जाना चाहिए। इसके साथ ही कृषि उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने में बुनियादी सुविधाएं और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने की भी आवश्यकता है। श्री नायडू ने कहा कि युवा पीढ़ी को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें नौकरी तलाशने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति श्री नायडू ने कहा कि खूबसूरत छत्तीसगढ़ राज्य में औद्योगिक विकास के लिए प्रचूर मात्रा में खनिज संपदा है। एक बड़ी आबादी पारंपरिक रूप से वनों पर निर्भर है, हमें विकास के लिए ऐसा संतुलन बनाना होगा जिससे प्रकृति का संरक्षण हो और उपलब्ध संसाधनों का सदुपयोग हो। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के लिए चुना गया विषय बहुत महत्वपूर्ण है। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में 'आर्थिक विकास, राजकोषीय संघवाद, आजीविका और पर्यावरण' पर विचार विमर्श कर बहुमूल्य नीतिगत सुझाव आएंगे, जो देश के आर्थिक विकास के लिए बहुपयोगी साबित होगी।

राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने कहा कि हम राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में बात करें तो हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती ऐसा आर्थिक विकास करना हैं, जो समावेशी, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल हो। हमारे समक्ष ग्रामीण विकास महत्वपूर्ण मुद्दा है। ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका के नए अवसर पैदा किए जाएं, ताकि शहरों पर दबाव कम हो। इसके लिए कृषि और उससे जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देना होगा। खेती में नये तकनीक को अपनाने के साथ ही गौ पालन, मछलीपालन तथा मुर्गीपालन, बकरी पालन करें तो किसान अपने लाभांश बढ़ा पाएंगे। शहरी क्षेत्रों में भी सेवा क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं हैं। हमारे पास अंग्रेजी और आई.टी. का अच्छा ज्ञान रखने वाले युवाओं की फौज है। उन्हें साथ लेकर काम करें तो बहुत अनुकूल परिणाम मिलेंगे। सिंगापुर जैसे देश कुछ नहीं उपजाते फिर भी सेवा क्षेत्र के बूते विश्व में शीर्ष पर है। हमारे देश ने दुनिया को कौटिल्य दिया है। अपनी उर्वर-समझ को हम अपने उद्यम के लिए प्रयोग करें तो दुनिया भारत की ओर देखेगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ राज्य का बजट 6 हजार करोड़ रूपए था, अब यह बढ़कर करीब एक लाख करोड़ पहुंच गया है, लेकिन गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की संख्या 36 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है।

भ्रम फैलाना कांग्रेस की संस्कृति, बोले जैसा गुरू वैसे ही चेला

- ■ नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने किया राहुल गांधी पर किया पलटवार

रायपुर। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एनआरसी के नाम पर बंटवारे की बात को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि राहुल गांधी को विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादे पर कुछ बोलना था, उसके बजाय बंटवारे की बात कहकर चले गए। देश में आजादी पर बंटवारे को लेकर कौन जिम्मेदार है देश की जनता भलिभांति समझती है। नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने कहा जैसे गुरू है वैसे ही चेले भी है, भ्रम फैलाकर राजनीति करना कांग्रेस की संस्कृति रही है। नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने कहा राहुल गांधी को धान खरीदी और शराबबंदी के मुद्दे पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर सवाल-जवाब करना था, जबकि वह मौन थे।

नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने कहा कि पूरे प्रदेश में धान खरीदी को लेकर जो आंदोलन की स्थिति बनी है, जिससे किसान नाराज है उनके आंदोलन को सरकार द्वारा दबाया जा रहा है। साथ ही प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों पर कुठाराघात किया जा रहा है। इस पर भी प्रदेश की जनता जवाब चाहती है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी को लेकर जिस तरह से कांग्रेस ने गंगाजल लेकर सौगन्ध खाया था अब जब इस पर जवाब देने की बात आती है तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी मौन हो जाते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुबे की अलग पहचान..

अन्य राज्यों का हाल आपको पता है। लेकिन छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की बात सुनी जा रही है। छत्तीसगढ़ की सरकार मिलकर काम कर रही है। यहां हिंसा में इसलिए कमी आई है क्यों कि विधानसभा में किसी एक कि नही बल्कि पूरे राज्य की आवाज सुनाई देती है। उन्होंने कहा कि हर देश के हर धर्म को, हर जाति को, आदिवासी दलितों को लिए बिना देश नही चलाई जा सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि जब सब की बात सुनी जाएगी तब देश की अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी कम होगी। उन्होंने खुशी जाहिर की कि छत्तीसगढ़ में सभी वर्गों को एक साथ लेकर सरकार चल रही है। आज यहां सभी कलाकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता दिखाने का मौका इस मंच में मिलेगा। यहीं अनेकता में एकता की झलक दिखाई देगी। अलग अलग संस्कृति उनकी आवाज सुनकर ही एकता बनेगी।

छत्तीसगढ़ देश में उदाहरण...

किया जाना चाहिये, मुझे खुशी है कि आदिवासियों की बात छत्तीसगढ़ सरकार में सुनाई पड़ रही है, छत्तीसगढ़ सरकार तेंदुपत्ता के समर्थम मूल्य, केस वापसी, जमीन लौटाने की बात में आदिवासियों की बात सुनी, इस सरकार में सबकी आवाज सुनाई पड़ रही है।

दिखाएं कहां है एक्ट...

और दो संविधान नहीं चलेंगे। लेकिन वर्षों तक कुछ नहीं हुआ। लेकिन आज जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त हो गया है। आज तिरंगा कश्मीर में आसमान की बुलंदियों को छूता हुआ शान से लहरा रहा है।'

आज कांग्रेस का स्थापना दिवस, प्रदेश में कई कार्यक्रम

- ■ सभी मोर्चा संगठनों, प्रकोष्ठों विभागों के कार्यकर्ता होंगे शामिल- शैलेष

रायपुर। शनिवार 28 दिसंबर को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 135वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। देश की आजादी एवं विकास कार्य के कार्य में भाग लेने वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी 28 दिसंबर को अपना 135वां स्थापना दिवस मनाने जा रही है। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समस्त कांग्रेसजन 28 दिसंबर को कांग्रेस स्थापना दिवस के रूप में मनायेंगे। कांग्रेस स्थापना दिवस प्रदेश के समस्त जिला, शहर, नगर और ब्लाक मुख्यालयों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। सुबह 10 बजे प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय राजीव भवन में ध्वजारोहण करेंगे। कांग्रेस पार्टी के स्थापना दिवस के कार्यक्रम में सभी मोर्चा संगठनों, सेवादल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस एवं एनएसयुआई, प्रकोष्ठों विभागों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश सभी जिला नगर और ब्लाक कांग्रेस इकाईयों को दिये गये है। कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार के जन-विरोधी नीतियों के कारण बढ़ती बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, महंगाई तथा महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार को उजागर किया जायेगा।

न्यायालय नायब तहसीलदार
दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-06/वर्ष 2019 -20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिका विद्यावती देवी ध.प. संजय सिंह साकिन रुआबांधा द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 676/35 का टु. रकबा 0.010 हे. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से श्री मुकुल क्रांति सरकार आ. जतिन्द्र मोहन सरकार से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 10.01.2020 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार
दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-06/वर्ष 2019 -20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक रविशंकर आ. सुंदरराम साकिन रुआबांधा द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 651/4 रकबा 0.015 हे. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से विजय कुमार आ. स्व. लाल जी प्रसाद से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 09.01.2020 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार
भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./66/ब-121/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रेणुका पति गणेश राव निवासी ग्राम चरोदा तहसील पाटन जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम चरोदा प.ह.न 57 रा.नि. मं. भिलाई 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 394/17 रकबा 0.018 हे. भूमि जो कि आवेदिका के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक/आवेदिका के द्वारा मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने पर द्वितीय ऋण पुस्तिका प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र चालान की मूल प्रति, बैकों द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति प्रमाण पत्र, थाना की रिपोर्ट व राजस्व अभिलेख सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 06.01.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 13.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद्र मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार
भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./67/ब-121/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गणेश राव पिता एम. निल्लैया निवासी ग्राम भिलाई 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम भिलाई 03 प.ह.न 01 रा.नि. मं. भिलाई 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 369/703 रकबा 0.0110 हे. भूमि जो कि आवेदक के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक/आवेदिका के द्वारा मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने पर द्वितीय ऋण पुस्तिका प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र चालान की मूल प्रति, बैकों द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति प्रमाण पत्र, थाना की रिपोर्ट व राजस्व अभिलेख सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 06.01.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 13.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद्र मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार
भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र./62/ब-121/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रामबाई सिन्हा पति गजानंद सिन्हा निवासी झीठ तह. पाटन ने ग्राम उफरा प.ह.न. 07 रा.नि.मं. भिलाई 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 1152/2 रकबा 0.80 हे. को जोत कब्जा के आधार पर भूमि स्वामी दुकाला बाई पति जासल का नाम विलोपित कर अपना नाम एवं वारिसानों का नाम दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पेश किया है।

जिसकी सुनवाई न्यायालय में दिनांक 14.01.2020 नियत है। अतः जो कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था उपरोक्त वर्णित संपत्ति में हित रखते है नियत तिथि को 11.00 बजे या उसके पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से अपनी आपत्ति/ दावा पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत दावा/ आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10.12.2019 को जारी किया गया ।

मुहर — नायब तहसीलदार, भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार
भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र./64/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामचन्द्र शर्मा पिता फागूराम शर्मा निवासी पाहंदा ने ग्राम पाहंदा प.ह.न. 04 रा.नि.मं. भिलाई 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 2121/4 रकबा 0.01 हे. को विक्रय पत्र के आधार पर भूमि स्वामी भोलाराम देवांगन पिता मंगलूराम देवांगन का नाम विलोपित कर अपना नाम एवं वारिसानों का नाम दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पेश किया है।

जिसकी सुनवाई न्यायालय में दिनांक 09.01.2020 नियत है। अतः जो कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था उपरोक्त वर्णित संपत्ति में हित रखते है नियत तिथि को 11.00 बजे या उसके पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से अपनी आपत्ति/ दावा पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत दावा/ आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23.12.2019 को जारी किया गया ।

मुहर — नायब तहसीलदार, भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/2018-19

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुश्री मोहिनी सिन्हा आ. सुखीराम सिन्हा साकिन गंजपारा दुर्ग द्वारा ग्राम अंजोरा प.ह.न 28 रा.नि.मं. दुर्ग 01 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 673/2, 673/3 रकबा 0.014 हे. अर्थात 1500 वर्ग. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से सर्वोदय डेव्हलपर्स पार्टनर सुनील जैन आ. गुमानमल जैन से क्रय किया है कि नामांतरण किये जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को उजर दावा आपत्ति पेश करना हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 09.01.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/2018-19

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका कुसुम एल सोनबोइर ध.प. जी.पी. साहू साकिन रायपुर द्वारा ग्राम अंजोरा प.ह.न 28 रा.नि.मं. दुर्ग 01 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 673/2, 673/3 का टु. रकबा 0.017 हे. अर्थात 1802 वर्ग. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से सर्वोदय डेव्हलपर्स पार्टनर सुनील जैन आ. गुमानमल जैन से क्रय किया है कि नामांतरण किये जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को उजर दावा आपत्ति पेश करना हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 09.01.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/2018-19

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अर्चना सिन्हा ध.प. ललेश कुमार साकिन धमतरी द्वारा ग्राम अंजोरा प.ह.न 28 रा.नि.मं. दुर्ग 01 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 673/2, 673/3 का टु. रकबा 0.014 हे. अर्थात 1500 वर्ग. को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से सर्वोदय डेव्हलपर्स पार्टनर सुनील जैन आ. गुमानमल जैन से क्रय किया है कि नामांतरण किये जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को उजर दावा आपत्ति पेश करना हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 09.01.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार
भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./3/अ-21/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक तिहारु राम आ. रुपा सिंह जाति गोंड निवासी ग्राम माहुद ने ग्राम महुदा प.ह.नं. 07 तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) की भूमि स्वामी की भूमि/ शासकीय पट्टे से मिली भूमि खसरा नंबर 151/1 रकबा 0.18 हे. को गैर आदिवासी क्रेता गोविन्द साहू आ. पतिराम साहू निवासी अमलेश्वर के पास विक्रय किए जाने की अनुमति पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है उपरोक्त आवेदन पर किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो व आपत्ति दावा स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 14.01.2020 तक न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में आपत्ति दावा आने पर कोई सुनवाई नही किया जावेगा।

आज दिनांक 09.12.2019 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — नायब तहसीलदार, भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

आम-सूचना

मैं SANJAY KUMAR PANJWANI S/0 JASHAN MAL PANJWANI, निवासी 499, WARD No. 26 Santra Badi Durg DIST. Durg (C.G.) का निवासी हूं। मेरा नाम SANJAY KUMAR S/0 JASHAN MAL माता का नाम AORAN BAI है जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। यह कि SANJAY KUMAR S/0 JASHAN MAL माता का नाम AORAN BAI है कि मैं अपने पासपोर्ट में अपना नाम SANJAY PANJWANI S/0 JASHAN MAL PANJWANI तथा माता का नाम AORAN PANJWANI दर्ज करवाना चाहता हूं जिस बाबत् यह शपथ पत्र दी गई जानकारी सही व सत्य होने के प्रमाण में श्रीमान सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना हैं।

अतः यह शपथ पत्र पेश है।

शपथकर्ता
SANJAY PANJWANI

न्यायालय नायब तहसीलदार
भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-27/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलीप निषाद पिता स्व. रामजी निषाद निवासी ग्राम मगरघटा तहसील पाटन जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम मगरघटा प.ह.न 58 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 383, 411, 412/2, 413, 415, 576, 579/2, 410/12 रकबा 0.29, 0.14, 0.21, 0.15, 0.10, 0.25, 0.13, 0.12 हे. भूमि जो कि आवेदक/आवेदिका एवं अन्य सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि आवेदक द्वारा आपसी सहमति पूर्वक खाता विभाजन किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 06.01.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 26.12.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद्र मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद नारायणपुर
जिला-नारायणपुर (छ.ग.)

क्रमांक/2350/न.पा./2019 — नारायणपुर, दिनांक 26/12/2019

शुद्धि पत्र

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/1841/ दिनांक 13.11.2019 को आमंत्रित निविदा जो कि नगरीय क्षेत्र में दिनांक 25.11.2019 को आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण स्थगित था उक्त निविदा के लिए निम्नानुसार तिथि निर्धारित की जाती है :-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 31.12.2019 समय 5.00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - 02.01.2020 समय 5.00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 09.01.2020 समय 3.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 09.01.2020 समय 4.00 बजे

टीप :- निविदा की शर्तें नगर पालिका में अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद नारायणपुर

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं NARENDRA GOLCHHA S/O BHIKHAM CHAND GOLCHHA निवासी 05, DEVSHRI TAKIJ KE SAMANE BANIYA PARA DHAMTARI, WARD 14, DHAMTARI (C.G.) 493773 यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम NARENDRA KUMAR GOLCHHA S/O BHIKHAM CHAND GOLCHHA रख लिया है। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम NARENDRA KUMAR GOLCHHA S/O BHIKHAM CHAND GOLCHHA से ही जाना पहचाना जावे।

NARENDRA KUMAR GOLCHHA
05, DEVSHRI TAKIJ KE SAMANE BANIYA PARA DHAMTARI, WARD 14, DHAMTARI (C.G.) 493773

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, सड्डू, रायपुर (छ.ग.)
कामर्शियल काम्पलेक्स, सेक्टर 08 द्वितीय तल, सड्डू, रायपुर
Phon No. 0771-6988869 Email ID emzoneii@yahoo.com
GST No.22AAECA9783D22ZP

//आम सूचना//

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत सड्डू रायपुर में स्थित एलआईजी भवन क्रमांक-132, श्री सतीश मिश्रा पिता बबन प्रसाद मिश्रा को आफर/स्ववित्तीय/भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित/नामांतरित किया गया था। आबंटी द्वारा दिनांक 09.11.2006 को अपने नाम पर सेलडीड/लीजडीड पंजीकृत कराने के उपरांत उक्त भवन/दुकान को वर्तमान में श्री गणेश प्रसाद गौतम पिता श्री बद्रीप्रसाद गौतम पता-दूरदर्शन केन्द्र शंकर नगर, तहसील व जिला रायपुर के नाम पर पंजीयन कार्यालय में दिनांक 09.02.2009 को विक्रय विलेख निष्पादित करने के पश्चात उक्त भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन/ दुकान के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, सड्डू, रायपुर

आम-सूचना

मैं JYOTI BAI W/o SARWANAND PANJWANI निवासी 499, WARD No. 26 Santra Badi Durg DIST. Durg (C.G.) का निवासी हूं। मेरा नाम JYOTI BAI D/o JAGDISH CHANDRA TEJWANI माता का नाम MANTRA TEJWANI है जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। यह कि JYOTI BAI W/o SARWANAND PANJWANI माता का नाम MANTRA TEJWANI है कि मैं अपने पासपोर्ट में अपना नाम JYOTI PANJWANI W/o SARWANAND PANJWANI तथा पिता का नाम JAGDISH CHANDRA TEJWANI माता का नाम MANTRA TEJWANI दर्ज करवाना चाहती हूं जिस बाबत् यह शपथ पत्र दी गई जानकारी सही व सत्य होने के प्रमाण में श्रीमान सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना हैं।

अतः यह शपथ पत्र पेश है।

शपथकर्ता
JYOTI PANJWANI

आम-सूचना

मैं JASHAN MAL PANJWANI S/o WANSO MAL PANJWANI निवासी 499, WARD No. 26 Santra Badi Durg DIST. Durg (C.G.) का निवासी हूं। मेरा नाम JASHAN MAL S/o WANSO MAL PANJWANI माता का नाम SUNDARI DEVI पत्नि का नाम AORAN BAI है जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। यह कि JASHAN MAL S/o WANSO MAL तथा माता का नाम SUNDARI DEVI पत्नि का नाम AORAN BAI है कि मैं अपने पासपोर्ट में अपना नाम JASHAN MAL PANJWANI S/o WANSO MAL PANJWANI तथा माता का नाम SUNDARI DEVI पत्नि का नाम AORAN PANJWANI दर्ज करवाना चाहता हूं जिस बाबत् यह शपथ पत्र दी गई जानकारी सही व सत्य होने के प्रमाण में श्रीमान सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना हैं।

अतः यह शपथ पत्र पेश है।

शपथकर्ता
JASHAN MAL PANJWANI

आम-सूचना

मैं AORAN PANJWANI W/o JASHAN MAL PANJWANI निवासी 499, WARD No. 26 Santra Badi Durg DIST. Durg (C.G.) का निवासी हूं। मेरा नाम AORAN BAI D/o NANDU MAL BATRA माता का नाम BHAMBURI DEVI पत्नि का नाम AORAN BAI BATRA है जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। यह कि AORAN BAI D/o NANDU MAL BATRA माता का नाम BHAMBURI DEVI MANTRA है कि मैं अपने पासपोर्ट में अपना नाम AORAN PANJWANI W/o JASHAN MAL PANJWANI तथा पिता का नाम NANDU MAL BATRA पत्नि का नाम माता का नाम BHAMBURI DEVI MANTRA दर्ज करवाना चाहती हूं जिस बाबत् यह शपथ पत्र दी गई जानकारी सही व सत्य होने के प्रमाण में श्रीमान सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना हैं।

अतः यह शपथ पत्र पेश है।

शपथकर्ता
AORAN PANJWANI

यूको बैंक UCO BANK Honours Your Trust
शाखा: मरोदा, भिलाई (छ.ग.) मो.- 7241129729
ई-मेल-zo.raipur@ucobank.co.in

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के [नियम 8 (1)] के तहत

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने यूको बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) और प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की थी तथा ऋणी को मांग सूचना में उल्लिखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर करने को कहा गया था। ऋणी के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बंधककर्ता और सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8,9 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का आधिपत्य (कब्जा) नीचे वर्णित दिनांक को ग्रहण कर लिया है तथा जिसका विवरण अधोवर्णित है।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है।

ऋणी/बंधककर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से एतद्द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय यूको बैंक के मूल ब्याज व अन्य व्यय के भार के अधीन होगा जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

क्र. सं.	ऋणी का नाम	संपत्ति का विवरण बंधक दस्तावेज/डिड्स	मांग सूचना की तिथि / कब्जा सूचना की तिथि	मांग सूचना तिथि को बकाया राशि
1.	श्रीमती अंजु रंगलानी	आवासीय मकान, मकान नं.-777, खसरा नं. 4818/2, पटवारी हल्का नं.-14/19, सड़क नं.-4, साहिल नगर, कुरुद रोड, कोहका, भिलाई। रजि. बिक्रीनामा नं.-98, खंड नं. 6, किताब नं.ए-1, पृष्ठ संख्या-169 से 192 दिनांक-05.10.2017।	22.10.2019 / 21.12.2019	₹ 25,25,137/- + ब्याज देय + अन्य खर्च।

दिनांक: 27.12.2019 स्थान- भिलाई (छ.ग.) — मुख्य प्रबंधक, प्राधिकृत अधिकारी / यूको बैंक

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

कंगना ने मां को समर्पित की 'पंगा'

बॉलिवुड ऐक्टर कंगना रनौत की फिल्म 'पंगा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म में कंगना रनौत एक रिटायर्ड कबड्डी खिलाड़ी और एक मां की भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म में परफॉर्मेंस को मां आशा रनौत को समर्पित कर रही हैं।

बॉलिवुड ऐक्टर कंगना रनौत की फिल्म 'पंगा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म में कंगना रनौत एक रिटायर्ड कबड्डी खिलाड़ी और एक मां की भूमिका में दिखाई देंगी। कंगना का कहना है कि मां की भावनाओं को समझने के लिए एक बच्चा होना काफी है और इसीलिए वह अपनी इस फिल्म में परफॉर्मेंस को मां आशा रनौत को समर्पित कर रही हैं।

कंगना की बहन रंगोली ने इस बारे में ट्वीट करते हुए लिखा, 'मैंने कंगना से पूछा कि वह एक मां की भावनाओं और उनके मन में चलते विरोधाभासों को इतनी अच्छी तरह से कैसे समझीं, उन्होंने कहा कि मां को जानती हैं और इसके लिए आपको मां होना नहीं बल्कि एक बच्चा होना काफी है। पंगा में अपनी परफॉर्मेंस को उन्होंने हमारी मां आशा रनौत को समर्पित किया है।'

फिल्म में कंगना रनौत के पति के किरदार में जस्सी गिल दिखाई देंगे। इसके अलावा फिल्म में नीना गुप्ता और रिचा चड्ढा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगी। अश्विनी अय्यर तिवारी के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म आने वाली 24 जनवरी को रिलीज होगी।

बॉलीवुड इंडस्ट्री में चमके नये सितारे

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में वर्ष 2019 में कई नवोदित कलाकारों ने जोरदार दस्तक दी और अपनी जबरदस्त प्रतिभा से लोगों का दिल जीत लिया।

वर्ष 2019 में कई स्टार पुत्र-पुत्रियों ने बॉलीवुड में कदम रखा। इनमें चंकी पांडे की पुत्री अनन्या पांडे, सनी देओल के पुत्र करण देओल, मोहनीश बहल की पुत्री प्रनूतन बहल, जावेद जाफरी के पुत्र मिजान जाफरी समेत कई अन्य शामिल है। हालांकि इन स्टार किड्स में कोई सफल रहा तो कोई असफल। सलमान खान के प्रोडक्शन तले बनी फिल्म 'नोटबुक' 29 से मोहनीश बहल की बेटी प्रनूतन बहल ने डेब्यू किया। इसी फिल्म से सलमान ने जहीर इकबाल को भी लांच किया। नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी यह फिल्म कश्मीर की पृष्ठभूमि पर आधारित एक लव स्टोरी है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। चंकी पांडे की पुत्री अनन्या पांडे ने करण जौहर निर्मित 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में टाइगर श्रॉफ, अनन्या पांडे और तारा सुतारिया की मुख्य भूमिका है। यह फिल्म वर्ष 2012 में प्रदर्शित स्टूडेंट ऑफ द इयर की सीक्वल है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित नहीं हुयी। फिल्म ने मात्र 70 करोड़ की कमाई की है। सनी देओल के पुत्र करण देओल ने फिल्म 'पल पल दिल के पास' से डेब्यू किया। फिल्म का शीर्षक धर्मेन्द्र की हिट फिल्म 'ब्लैकमेल' के सुपरहिट गाने 'पल पल दिल के पास' से लिया गया है।

QUIZ TIME

1) हाथ से क्रिकेट के बल्ले बनाने की कला को क्या कहा जाता है?
2) इनमें से कौन-सा महारत्न कम्पनी नहीं है?
(क) कोल इंडिया लिमिटेड (ख) नेशनल थर्मल पॉवर कॉर्पोरेशन (ग) भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (घ) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड
3) वर्ष 1982 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले गेब्रिएल गार्सिया मार्केज किस भाषा के प्रसिद्ध रचनाकार थे?
4) .... न हो तो कम्प्यूटर 'बूट' नहीं कर सकता है। (लोडर / ऑपरेटिंग सिस्टम)
5) म्यांमार में 2014 को तीस वर्षों के अंतराल के बाद पहली जनगणना शुरू की गई थी। इस जनगणना में एक संस्था ने 63 मिलियन का सहयोग देने की व्यक्त की थी। म्यांमार में अंतिम जनगणना वर्ष 1983 में की गई थी। इस संस्था ने जनगणना सर्वेक्षण के तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखकर इस सहयोग राशि की पेशकश की थी। इस संस्था का नाम बताइए।

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) पोडशेविंग (2) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (3) स्पेनिश (4) ऑपरेटिंग सिस्टम (5) संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि (यूएनएफपीए)

2020 में शादी करेंगे प्रभास

प्रभास की शादी की खबरें पिछले कई महीनों से चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे पहले यह खबर सुर्खियों में छाई रही कि प्रभास अपनी फिल्म 'साहो' के रिलीज होने के बाद शादी कर लेंगे। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि प्रभास शादी करने जा रहे हैं। प्रभास की शादी की खबरें पिछले कई महीनों से चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे पहले यह खबर सुर्खियों में छाई रही कि प्रभास अपनी फिल्म 'साहो' के रिलीज होने के बाद शादी कर लेंगे लेकिन इस तरह के कयासों पर कोई मुहर नहीं लग पाई। अब एक बार फिर ऐसी खबरें आ रही हैं कि प्रभास अपनी अगली फिल्म 'जान' के रिलीज होने के बाद शादी करने जा रहे हैं।

बर्थडे वाले दिन फिर मामा बने सलमान खान

बहन अर्पिता ने दिया दूसरे बच्चे को जन्म

सलमान खान की बहन अर्पिता खान शुक्रवार दोपहर को दूसरी बार मां बनी हैं। उन्होंने मुंबई के सिटी हॉस्पिटल में बेटी को जन्म दिया है। बता दें कि सलमान खान का भी बर्थडे है।

सलमान खान की फैमिली के लिए आज डबल खुशी का दिन है। उनकी बहन अर्पिता खान ने अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया है। बता दें कि (27 दिसंबर) सलमान का जन्मदिन भी है। अर्पिता और आयुष शर्मा पहले से ही बेटे आहिल के पैरेंट्स हैं। अब उनके घर बेटी ने जन्म लिया है। बच्ची का जन्म सी-सेक्शन डिलिवरी से शुक्रवार दोपहर को मुंबई के सिटी हॉस्पिटल में हुआ। अर्पिता भाई के बर्थडे पर बच्चे को जन्म देना चाहती थीं इसलिए ऐसा प्लान के तहत किया गया। खान और शर्मा फैमिली ने ऑफिशल स्टेटमेंट जारी किया, बड़ी खुशी और हर्ष के साथ हम यह सूचना दे रहे हैं कि हमारे घर बेटी ने जन्म लिया है। इस खुशी के मौके पर हम अपने परिवार, दोस्तों और शुभचिंतकों का उनके अनकंडिशनल सपोर्ट के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। उन्होंने मीडिया का भी शुक्रिया अदा किया। बता दें कि हॉस्पिटल के बाहर अर्पिता के पति आयुष को देखा गया वहीं हेलेन भी नजर आई।बता दें कि हॉस्पिटल के बाहर अर्पिता के पति आयुष को देखा गया वहीं हेलेन भी नजर आई।

बाजार में बहार, सेंसेक्स 411 अंक उछला

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच चौतरफा लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में तीन दिन की गिरावट पर आज ब्रेक लग गया और बीएसई का सेंसेक्स 411.38 अंक यानी एक प्रतिशत चढ़कर 41,575.14 अंक पर बंद हुआ।

मुंबई (वार्ता)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 119.25 अंक यानी 0.98 फीसदी की बढ़त के साथ 12,245.80 अंक पर पहुँच गया। मझौली और छोटी कंपनियों में भी निवेशकों ने विश्वास दिखाया। बीएसई का मिडकैप 0.87 प्रतिशत चढ़कर 14,929.22 अंक पर और स्मॉलकैप 0.84 फीसदी की मजबूती के साथ 13,547.81 अंक पर बंद हुआ।

ऊर्जा, तेल एवं गैस, बैंकिंग तथा वित्त क्षेत्र की कंपनियों में लिवाली से शेयर बाजार में निवेश धारणा मजबूत हुई। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक के शेयर सवा तीन प्रतिशत चढ़े। पावर ग्रिड तथा भारतीय स्टेट बैंक में करीब सवा दो फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक तथा भारती एयरटेल में लगभग दो प्रतिशत की तेजी रही। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर करीब आधा फीसदी लुढ़क गये। सेंसेक्स 133.32 अंक चढ़कर 41,297.08 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में ही इसका दिवस का निचला स्तर 41,264.92 अंक रहा। चौतरफा लिवाली के दम पर इसका ग्राफ लगातार ऊपर की ओर बढ़ता गया। कारोबार की समाप्ति से पहले 41,611.27 अंक के दिवस के उच्चतम स्तर को छूने के बाद यह गत दिवस के मुकाबले 411.38 अंक की बढ़त में 41,575.14 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 में से 26 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे जबकि शेष चार के लाल निशान में बंद हुये।

बीएसई में कुल 2,711 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 1,518 के शेयर बढ़त में और 1,026 के गिरावट में रहे जबकि 167 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे।

निफ्टी 46.35 अंक की मजबूती में 12,172.90 अंक पर खुला। इसका ग्राफ भी कमोबेश सेंसेक्स जैसा ही रहा। कारोबार के दौरान 12,157.90 अंक के दिवस के निचले और 12,258.45 अंक के उच्चतम स्तर से होता हुआ यह गत दिवस की तुलना में 119.25 अंक चढ़कर 12,245.80 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 में से 42 कंपनियों के शेयरों में लिवाली और शेष आठ में बिकवाली का जोर रहा। अधिकतर विदेशी बाजार हरे निशान में रहे। एशिया में दक्षिण कोरिया को कोस्पी 0.29 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 1.30 प्रतिशत की बढ़त में रहा। हालाँकि दक्षिण कोरिया का शंघाई कंपोजिट में 0.08 प्रतिशत और जापान के निक्की में 0.36 प्रतिशत की गिरावट रही। यूरोप में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.22 प्रतिशत और जर्मनी का एफ्टीएसई 0.24 प्रतिशत मजबूत रहा।

सोना 50 रुपये चमका, चांदी 380 रुपये टूटी

नई दिल्ली (वार्ता)। विदेशों में सोने-चाँदी में रही गिरावट के बीच स्थानीय जेवराती माँग आने से दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 50 रुपये चमककर आठ सप्ताह के उच्चतम स्तर 40,120 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुँच गया जबकि चाँदी में सात दिन की तेजी के बाद 380 रुपये टूटकर 47,550 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गयी।

लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, नव वर्ष से पहले सुस्त कारोबार के बीच सोना हाजिर 1.60 डॉलर टूटकर 1,508.90 डॉलर प्रति औंस रह गया। फरवरी का अमेरिकी सोना वायदा भी 0.90 डॉलर की गिरावट के साथ 1,513.50 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि नये साल से पहले कारोबार सुस्त रहने से सोने में मामूली गिरावट देखी गयी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चाँदी हाजिर 0.06 डॉलर चमककर 17.80 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गयी। स्थानीय बाजार में सोने में लगातार तीसरे दिन तेजी रही। सोना स्टैंडर्ड 50 रुपये चमककर 01 नवंबर के बाद के उच्चतम स्तर 40,120 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुँच गया। सोना बिटुर भी इतनी ही तेजी के साथ 39,950 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव बिका। आठ ग्राम वाली गिन्नी 30,400 रुपये पर स्थिर रही।

सोने के विपरीत चाँदी में गिरावट रही। लगातार सात दिन चढ़ने के बाद इसके दाम घटे हैं। चाँदी हाजिर 380 रुपये लुढ़ककर 47,550 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गयी। चाँदी वायदा 349 रुपये की गिरावट में 46,640 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी। सिक्का लिवाली और बिकवाली गत दिवस के क्रमशः 920 रुपये और 930 रुपये प्रति इकाई पर टिके रहे।

डीजल 15 पैसे, पेट्रोल छह पैसे हुआ मंहगा

नई दिल्ली (वार्ता)। विदेशों में कच्चे तेल में रही तेजी के बीच देश में पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार दूसरे दिन बढ़े। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में आज डीजल 15 पैसे महँगा होकर 67.24 रुपये प्रति लीटर हो गया जो 12 सप्ताह का उच्चतम स्तर है। पेट्रोल की कीमत भी छह पैसे बढ़कर 14 दिसंबर के बाद के उच्चतम स्तर 74.74 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गयी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लंदन क्रूड का वायदा आज 68 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुँच गया। तीन महीने बाद कच्चा तेल 68 डॉलर के पार निकला है। इसके दाम में पिछले कुछ समय से धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है।

विमान ईंधन पर कर तत्काल घटाएं-पुरी

नई दिल्ली (वार्ता)। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे विमान ईंधन पर लगने वाले मूल्य वर्द्धित कर (वैट) को घटाकर चार प्रतिशत या इससे कम करने के लिए तत्काल अधिसूचना जारी करें। उन्होंने कहा कि कई राज्यों ने क्षेत्रीय संपर्क योजना 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) के तहत शुरू की गयी उड़ानों के लिए विमान ईंधन पर वैट घटाकर एक प्रतिशत कर दी है, लेकिन राज्यों की राजधानी तथा अन्य बड़े शहरों से जाने वाली अन्य वाणिज्यिक उड़ानों के लिए राज्य 18 से 30 प्रतिशत के बीच कर लगा रहे हैं।

एक जनवरी से दिल्ली में क्राफ्ट बाजार

दूरदराज के क्षेत्रों के दस्तकारों को बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम करने वाली दस्तकारी हाट समिति का 15 दिवसीय वार्षिक क्राफ्ट बाजार एक जनवरी से दिल्ली हाट में शुरू होगा।

नई दिल्ली (वार्ता)। समिति की प्रमुख जया जेटली ने शुक्रवार को यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि समिति द्वारा आयोजित किए जाने वाले वार्षिक क्राफ्ट बाजार का यह 34वां संस्करण है, जहां देशभर के 200 से ज्यादा कलाकार एवं हस्तशिल्पी शिरकत करेंगे और अपनी कला का नमूना पेश करेंगे। दिल्ली हाट, आईएनए में सांस्कृतिक प्रदर्शनों एवं भारतीय कला, क्राफ्ट एवं टेक्सटाइल पर केंद्रित एक पखवाड़े तक चलने वाला क्राफ्ट बाजार साल में एक ही बार आयोजित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि यह समिति मुख्य रूप से इस क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं के लिए काम करती है और महिला कलाकारों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए मंच मुहैया कराती है। इसकी मदद से महिला कलाकारों को आजीविका के अवसर मिले हैं।

श्रीमती जेटली ने कहा कि टेक्सटाइल मंत्रालय के हस्तशिल्प विकास आयुक्त के सहयोग से बंगलादेश के साथ क्राफ्ट एवं स्किल एक्सचेंज प्रोग्राम भी आयोजित किया जाएगा। बंगलादेश के कलाकारों के साथ कार्यशाला का आयोजन दो जनवरी से होगा। यहां भारत एवं बंगलादेश के कलाकार मिलकर काम करेंगे। आयोजन के आखिरी दो दिनों में इनकी बनाई वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

उन्होंने कहा ÷सच्चे हस्तशिल्प कलाकारों और उनकी कला को लोगों के सामने लाना हमारे लिए गर्व और खुशी का विषय है। अगर हमारे बाजार से कलाकारों और यहां आने वालों को खुशी मिलती है तो हमारा लक्ष्य पूरा हो जाता है। हर साल हम और बेहतर करने का प्रयास करते हैं।÷

उन्होंने कहा कि राजधानी के हस्तशिल्प के शौकीन लोगों को यहां उनकी पसंद की वस्तुएं मिलेंगी। उन्हें 200 नए कलाकारों की कला देखने का मौका मिलेगा। इनमें रिसाइकिल किए हुए कपड़ों से लेकर बांस एवं रिसाइकिल की हुई वस्तुओं से तैयार टोकरियां और ऐसी ही अनेक हस्तकलाओं को देखने तथा खरीदने का अवसर होगा। यहां हमेशा से सम्मानित रहीं कई कलाएं जैसे ओडिशा की पट्टचित्र पेंटिंग, मिथिला की मधुबनी पेंटिंग, मूलरूप से दक्कन की पिचवई पेंटिंग समेत देश के अलग-अलग हिस्सों की ऐसी ही कई अन्य कलाकृतियां देखने को मिलेंगी।

टाटा मोटर्स की प्रकृति ई मोबिलिटी से करार

प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) टैक्सी सेवा प्रदाता प्रकृति ई-मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक करार किया है जिसके तहत राजधानी दिल्ली में कंपनी की 500 टिगोर ईवी कारें चलेंगी।

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रकृति ई-मोबिलिटी अपने ऐप आधारित प्लेटफॉर्म ईवेरा के जरिये टिगोर ईवी की दिल्ली एनसीआर में टैक्सी सेवा प्रदान करेगी। 160 से अधिक टिगोर ईवी जनवरी 2020 में सड़क पर आ सकती है। टाटा मोटर्स के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी बिजनेस एवं कॉर्पोरेट स्ट्रैटेजी के प्रमुख शैलेष चंद्रा ने शुक्रवार को यह घोषणा करते हुये कहा कि प्रकृति ई-मोबिलिटी सॉल्यूशंस सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण के स्थायित्व को बढ़ावा दे रही है। टिगोर ईवी उनकी कंपनी की पेशकशों में विस्तार होंगे, क्योंकि वे लंबी सीमा की जरूरतों को पूरा करने के लिये उपयुक्त हैं और कंपनी के वाणिज्यिक ग्राहकों को उच्च राजस्व की क्षमता भी प्रदान करते हैं। टिगोर ईवी के आने से उनकी कंपनी के व्यावसायिक लक्ष्य तो पूरे होंगे ही, पर्यावरण-हितैषी परिवहन समाधान प्रदान करने का उनका उद्देश्य भी पूरा होगा। प्रकृति ई मोबिलिटी के सह संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी निमिष त्रिवेदी ने कहा कि दिल्ली के लोगों के लिये टिगोर ईवी पेश कर उनकी कंपनी उत्साहित है। शून्य उत्सर्जन के निहित लाभों में विश्वास करते हुये टिगोर ईवी के परिचालन की कम लागत शहर में परिवहन को बदल देगी। उनकी योजना दिल्ली में 500 टिगोर ईवी चलाने और ग्राहकों को ईवी समाधानों के करीब लाने की है। टिगोर ईवी का नया संस्करण 213किलोमीटर का माइलेज देता है।

स्कूल के किचन गार्डन से बच्चों को मिल रही हरी सब्जियां

ग्राम हीरापुर के शासकीय माध्यमिक स्कूल में सब्जी का रख रखाव करते समूह की महिला, बच्चों को भी किया जा रहा है प्रेरित

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। जिला मुख्यालय समीपस्थ ग्राम हीरापुर के शासकीय माध्यमिक स्कूल में किचन गार्डन बनाकर सब्जी की खेती कर रहे है, जिसमें खासतौर पर स्कूल के शिक्षक व स्कूली बच्चे एवं रसोइया द्वारा हरी भरी सब्जी उगा रहे है7 मध्याह्न भोजन में बच्चों को खाने में हरी पौष्टिक सब्जियां मिल रही है। ये सब्जियां स्कूल के किचन गार्डन में तैयारी हो रही है। शिक्षा विभाग ने प्रायमरी व मीडिल स्कूलों में किचन गार्डन का निर्माण कराया है, जहां हरी पौष्टिक सब्जियां उगाई जा रही है। गार्डन में उगाई गई सब्जियों का उपयोग मिड-डे मील में किया जा रहा है। किचन गार्डन में सब्जियां उगाने केवल जैविक खाद का ही उपयोग किया जा रहा है।

जैविक खाद का ही उपयोग

किचन गार्डन में सब्जियां उगाने के लिए केवल जैविक खाद का उपयोग किया जा रहा है। सब्जियां भी मौसम के अनुसार उगाई जाएंगी, ताकि स्कूली बच्चों को मौसम के अनुरूप हरी सब्जियां मिल सके। सब्जियों को कीट प्रकोप से बचाने कीटनाशक का उपयोग नहीं करने की सलाह दी गई है। जिले के लगभग 50 प्रतिशत स्कूलों में किचन गार्डन बनकर तैयार हो गया है, जहां से बच्चों को मध्याह्न भोजन में हरी सब्जियां पकाकर परोसी जा रही है। किचन गार्डन के माध्यम से बच्चों को खुद की उगाई सब्जियां खाने मिल रही है। यहीं नहीं बच्चों को किचन गार्डन में सब्जियां उगाने के साथ साथ पौधा रोपण के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। शहर के अधिकतर स्कूलों में किचन गार्डन हीं नहीं है, इसकी मुख्य वजह जगह नहीं होना है। स्कूल परिसर में जगह नहीं होने के कारण शहर के स्कूलों में किचन गार्डन तैयार नहीं किया जा सका है। जिन स्कूलों में जगह है वहां आहाता का निर्माण किया गया है। गांव के स्कूलों में सब्जियां फल फूल रही है। इसका सीधा उलटा शहर के स्कूलों में है। शहर के प्रायमरी व मिडिल स्कूलों में जगह के अभाव में किचन गार्डन नहीं बन पाया है। लेकिन विभाग के अधिकारी जगह देखकर किचन गार्डन बनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं।

शिक्षक के साथ बच्चे व रसोइया करते हैं देखभाल

किचन गार्डन में विभिन्न प्रकार की सब्जियां उगाई गई है, जिसका उपयोग मध्याह्न भोजन में किया जाता है। स्कूलों में बने किचन गार्डन की देखरेख स्कूली बच्चों के साथ स्कूल में पदस्थ शिक्षक करते हैं। स्कूली बच्चें बकायदा किचन गार्डन में जाकर पानी देते हैं। किचन गार्डन में धनिया, मिर्ची, लाल भाजी, पालक भाजी, फुलगोभी, करेला सहित अन्य हरी सब्जियां उगाई जा रही है।

मौसम ने ली करवट, फसलों को लेकर किसानों की बढ़ी चिंता

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। जिले में गुरुवार को सुबह हल्की बूंदाबांदी बारिश होने से किसानो को चिंता सताने लगी है। मौसम के इस बदलते हुए तेवर से एक ओर जहां ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर किसान और सरकारी मंडियों के प्रबंधकों के माथे पर चिंता की लकीरें दिखाई देने लगी है। जिले में अब तक धान की कटाई और मिजाई का काम पूरा नहीं हो सका है। बड़ी मात्रा में अब भी कटाई के बाद धान खेतों में ही रखे हुए हैं। वहीं खलिहानों में भी मिंजाई के लिए लाए गए धान भरे हुए हैं। ऐसे में बारिश होने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर जाएगा। सरकार ने धान में नमी की अधिकतम मात्रा 17 प्रतिशत तय करके रखी हुई है। ऐसे में अगर बारिश होती है तो धान को सुखाने की किसानों की कोशिश को तो झटका लगेगा साथ ही धान के भीगने पर उनकी मुश्किलें बढ़ना भी तय है।

12 रूपए में धान को सुरक्षित रखने की चुनौती

सोसाइटियों में धान को बारिश से धान को बचाने के लिए प्रति क्विंटल 12 रूपए की राशि समितियों को दिया जाता है। इस राशि में समितियों को धान की सुरक्षा के लिए तिरपाल और पन्नी की व्यवस्था करने के साथ चौकीदार, सफाई और बिजली का जुगाड़ भी करना होता है। बारिश के मंडराते हुए खतरे को देखते हुए समिति प्रबंधकों ने इसके ढंकने की व्यवस्था तो कर लिया है। लेकिन कुछ मंडी में टूटे हुए शेड प्रबंधकों की चिंता बढ़ा रहे हैं।

किसानों में बढ़ गई चिंता

लगातार हो रही बारिश से खासकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। क्योंकि खेतों में धान भीगने से उन्हें बहुत नुकसान हो रहा है।10 फीसदी किसान अभी भी धान कटाई नहीं करवा पाए। कई किसान जो पहले धान कटाई करवा चुके हैं, वे रबी फसल लगाने की तैयारी कर रहे थे। दलहन तिलहन के तहत खेतों की मेड़ पर अरहर व तिवरा की फसल लहलहा रही है, जिससे अब बारिश और बदली से किट प्रकोप का खतरा बढ़ चुका है।

बूंदाबांदी बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त

2 दिनों से मौसम ने करवट बदल दी है। अचानक ठंड के दिनों में हल्की बूंदाबांदी होने लगी है, जिससे तापमान लगातार नीचे गिर रहा है। दिन में भी 20 डिग्री से कम तापमान होने से ठिठुरन बढ़ने लगी है। वही गुरुवार की सुबह से हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त होने लगा है। लोग इस असमंजस में है कि हम स्वेटर पहने या रेनकोट, क्योंकि ठंड इतनी बढ़ चुकी है कि सिर्फ रेनकोट से गुजारा नहीं हो सकता और खुले में निकलना चाहे, तो बिना रेनकोट के जा नहीं सकते। मौसम के बीच लोगों को अपने स्वास्थ्य की चिंता सताने लगी है। मौसम विभाग का मानना है कि 2 दिन तक ऐसी स्थिति और बनी रहेगी। इधर लोगों के बीच चर्चा है कि बरसात के दिनों में भी इतनी ठंड नहीं लगी थी। जितनी अब लग रही है चारों ओर कोहरा बूंदाबांदी और बारिश का सिलसिला दिख रहा है। आसमान काली घटाओं से छाया हुआ है। सुबह से सूर्य के दर्शन ही नहीं हुए। ऐसा लग रहा है मानो सावन की झड़ी लगी है। इस मौसम में हर किसी को सावधान रहने की जरूरत है। सेहत के साथ ही सड़क पर भी सावधानी बरतनी पड़ेगी, क्योंकि कोहरे और बूंदाबांदी बारिश के कारण सड़क भी साफ नजर नहीं आ रहा है। बादल छटने से पहले बारिश थमते तक सुबह कोहरा बना रहता है। अब मौसम फिर बदला है। वही डॉक्टरों ने भी कहा है कि अपनी सेहत का ख्याल रखें बाहर निकलते वक्त गर्म कपड़े पहने खानपान में भी सावधानी बरतें थोड़ी सी लापरवाही आपकी सेहत बिगाड़ सकती है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म, आरोपी युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- 30 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार दल्लीराजहरा पुलिस ने आरोपी राजू उर्फआशीष को गिरफ्तार कर लिया है

बालोद। नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद के जीत की आभार रैली में गई नाबालिक के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना दल्लीराजहरा थाने क्षेत्र की बताई जा रही है। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने नाबालिक को 3 किलोमीटर दूर छोड़ दिया। जिसके बाद स्थानीय लोगो ने मामले की सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने दल्लीराजहरा थाने में की 30 वर्षीय आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। दल्लीराजहरा पुलिस ने आरोपी राजू उर्फ आशीष को गिरफ्तार कर लिया है।

तीन दिवसीय भव्य संगीतमय 5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन

बालोद। अखिल भारतीय विश्व गायत्री शांतिकुंज के निर्देशन वेदमाता गायत्री के सूक्ष्म संरक्षण में समस्त ग्रामवासी के सहयोग से गायत्री परिवार उसरवारा (पुरूर)में 3, 4 एवं 5 जनवरी को शांतिकुंज प्रतिनिधि डीआर पुरोहित टोली भव्य तीन दिवसीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन किया गया गांव के सुख शांति, समृद्धि, ग्राम विकास, समाज कल्याण,आत्म कल्याण,परिवार निर्माण,पर्यावरण संरक्षण,चेतना विकास,स्वस्थ जीवन शैली के साथ साथ धरती में स्वर्ग का अवतरण एवं मनुष्य में देवत्व का उदय के उद्देश्य के लिए यह आयोजन किया जा रहा है।

धान खरीदी में लापरवाही व अनियमितता बरतने पर 4 समिति प्रबंधक को किया गया निलंबित

- वही धान खरीदी केंद्रों में कसावट लाने 110 कंप्यूटर ऑपरेटर को किया गया इधर से उधर

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। धान की खरीदी में तौल एवं बारदाने के रखरखाव और स्टेकिंग में लापरवाही व अनियमितता बरतने पर ग्राम कुसुमकसा, डौंडी, कोचेरा के सहकारी समिति प्रबंधक को निलंबित कर दिया गया हैं। वही ग्राम मनकी के उपार्जन केंद्र प्रभारी को भी निलंबित किया गया हैं। कलेक्टर के निर्देश पर उप पंजीयक के द्वारा उक्त कार्रवाई की गई हैं। कुल 4 अधिकारियों पर निलंबन की गाज गिरी हैं। साथ ही धान खरीदी केंद्रों में कसावट लाने के लिए जिले के पूरे 110 कम्प्यूटर ऑपरेटरों का स्थानान्तरण अन्य उपार्जन केंद्रों में किया गया हैं। याने की समिति में कार्यरत्त 110 ऑपरेटरों को इधर से उधर किया गया हैं। उक्त कार्रवाई से अन्य समितियों के प्रबंधकों में हड़कम्प की स्तिथि बनी हुई हैं।

हल्बा आदिवासी समाज ने मनाया शक्ति दिवस

बालोद। नगर के जयस्तंभ चौक समीपस्थ हल्बा आदिवासी भवन में अखिल भारतीय हल्बा आदिवासी समाज द्वारा समाज का प्रमुख पर्व शक्ति दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अमर शहीद शहीद गैंदसिंह के छायाचित्र पर माल्यार्पण व पूजा अर्चना कर कलशयात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। शहर भ्रमण के बाद कलशयात्रा सामाजिक भवन पहुंची, जहां अतिथियों ने समाज के लोगों को एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम में समाज के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लूटी। शक्ति दिवस पर अखिल भारतीय हल्बा आदिवासी समाज द्वारा गुरुवार को दोपहर शहर में कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा मुख्य मार्ग से पुराना बस स्टैंड होते हुए मधु चौक पहुंची। यहां से सामाजिक भवन पहुंची। महिलाएं, बुजुर्ग व बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। दोपहर दो बजे समाजजनों ने माता दंतेश्वरी की पूजा अर्चना कर आरती की। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके बाद बालिकाओं ने तांडवी नृत्य प्रस्तुत किया। बालिकाओं की प्रस्तुति पर खूब तालियां बजी। इसके बाद कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीआर बेलसर ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल को बधाई देते हुए कहा कि एक संगठित व शिक्षित समाज ही आगे बढ़ सकता है। उन्होंने शहीद गैंदसिंह के शहादत व उनके योगदान को भी याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जीआर कोमिया ने कहा कि 26 दिसंबर को हल्बा समाज द्वारा सभी जगहों पर शक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य हल्बा समाज को संगठन प्रदान करना है। विशिष्ट आतिथि चिदाकांश आर्य ने कहा समाज में लोग पढ़े-लिखे व विकसित होने के बाद भी संगठित नहीं हैं। इसलिए हमारा पहला कार्य समाज को संगठित करना है। समाज के लोग जो अलग-अलग दिशा में हैं।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में धारा-144 प्रभावशील

बालोद। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रानू साहू ने आदेश जारी कर जिले में त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2019-20 के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों यथा-विकासखण्ड बालोद, गुरूर, गुण्डरदेही, डौण्डीलोहारा और डौण्डी में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 लागू किया है। जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि बालोद राजस्व जिला के ग्रामीण क्षेत्रों यथा-

विकासखण्ड बालोद, गुरूर, गुण्डरदेही, डौण्डीलोहारा, डौण्डी सीमा क्षेत्र के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का घातक शस्त्र तथा बंदूक, पिस्टल, रिवाल्वर, भाला बल्लम, बरछा, लाठी एवं अन्य प्रकार के घातक हथियार तथा विस्फोटक सामग्री किसी भी सार्वजनिक स्थान आम सड़क, रास्ता, सार्वजनिक सभाए एवं अन्य स्थानों पर लेकर नहीं चलेगा। कोई भी अभ्यर्थी सशस्त्र जुलूस नहीं निकालेगा और न ही आपत्तिजनक नारे लगाएगा और न ही आपत्तिजनक पोस्टर वितरित करेगा। यह आदेश उन शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जिन्हें अपने कार्य के सम्पादन के लिए लाठी या शस्त्र रखना आवश्यक है।

गायत्री परिवार ने मंत्री अनीला भेंड़िया को सौंपा ज्ञापन

बालोद। अखिल विश्व गायत्री परिवार के अगवानी में अन्य धार्मिक संस्थाओं व सर्वसमाज के समर्थन में सरकार द्वारा आँगनबाड़ी व विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अण्डा परोसा जा रहा है जो कि माँसाहार की श्रेणी में आता है। जिला समन्वयक राजेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि यह वैज्ञानिक शोधों से भी स्पष्ट हो चुका है। मुर्गियाँ अधिकांश भोजन ताजा कीड़ों, केंचुओं तथा ग्रामबोन से प्राप्त करती हैं। निषेचित और अनिषेचित दोनों प्रकार के अण्डे जीवन युक्त ही होते हैं। जबकि मनुष्य का भोजन वनस्पति, फल फूल तथा दूध ही है।

यही दीर्घजीवी होने का राजमार्ग है। अण्डा माँसाहार से बौद्धिक, आध्यात्मिक और भावनात्मक हानि तो इतनी अधिक है कि उसकी तुलना में यदि शरीर को कुछ लाभ होता भी है तो त्यागने ही योग्य है। प्रशासन को अण्डा की जगह उससे कई गुना प्रोटीन पौष्टिकता के रूप में चना, सोयाबीन, मूँगफली व ताजा मौसमी फल में है जिसे बच्चों को दे सकते हैं पिछले महिनों से हमारे जिलास्तरीय और ब्लाकस्तरीय धरना प्रदर्शन के माध्यम से सरकार को समझाया जा रहा है कि इस अनैतिक योजना को तत्काल बंद कर दिया जाए।

निपानी में आयोजित धार्मिक पर्व में विधिक साक्षरता योजनाओं की जानकारी दी गई

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालोद शीतल निकुंज के द्वारा 26 दिसम्बर को सतनाम समाज के द्वारा गुरू घासीदास जयंती के अवसर पर ग्राम निपानी, जिला बालोद में आयोजित धार्मिक पर्व में सम्मिलित होकर विधिक साक्षरता एवं सालसा व नालसा द्वारा आयोजित योजना के क्रियान्वयन एवं प्रचार प्रसार और आवश्यक मूलभूत विधिक सहायता निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध करवाये जाने संबंधी जानकारी दी गई। उक्त विधिक जागरूकता शिविर में विशेषकर मौलिक अधिकारों के क्रियान्वयन और बालकों की मौलिक शिक्षा व उनके अधिकार के प्रति उनके माता पिता को सचेत किया गया। उक्त तारतम्य में बाल श्रम, जैसे कुरितियों के प्रति उन्हें जागरूक करते हुए ''हमने अब है ठाना बाल व्यापार को है जड़ से मिटाना'' के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित समस्त ग्रामवासियों को कानूनी जानकारी दी गई। इस अवसर पर ग्रामीण पदाधिकारी केदार, बी.एल. जांगड़े, जनपद अध्यक्ष सुकन्या बाई एवं पैनल अधिवक्ता देवानंद साहू, पैरालिगल वालिंटियर्स खुर्शीद सिद्धकी, अजय बंजारे, कमलेश्वर साहू, बृजेश साहू, रंजीत बंजारे, दीपक साहू आदि उपस्थित रहे।

सूर्य ग्रहण में खगोलीय घटनाओं को देखने के लिए स्कूलों में लगा दूरबीन

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। शा कन्या उच्च माध्य विद्या बलोद में सूर्य ग्रहण को सूर्योत्सव के रूप में मनाने के लिए न केवल शहर के छात्र छात्राएं बल्कि आसपास के भी छात्र एवं शिक्षक उपस्थित होकर अद्भुत खगोलीय घटनाएं के साक्षी बने साथ ही मिर्ची भजिया, समोसा बड़ा और चाय पीते हुए इस अंधविश्वास का खण्डन किया कि ग्रहण के दौरान कुछ खाना पीना नहीं चाहिए।

साथ ही सोलर फिल्टर युक्त टेलिस्कोप द्वारा सुरक्षित सूर्य ग्रहण का अवलोकन किया। रोलप्ले मेथड से ग्रहण कैसे होता है उसका प्रदर्शन किया गया और पौराणिक प्रचलित मान्यताओं को बताते हुए उनसे जुड़े अंधविश्वासों का खंडन किया गया। इस कड़ी में महाभारत काल में अर्जुन द्वारा जयद्रथ वध का वर्णन बीएन योगी द्वारा किया गया। अंजलि, मौसमी, शालू, सृष्टि, सुमन, यशवंत, अनुराग, रमन एवं अन्य छात्राओं द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब बीएन योगी ने विस्तार पूर्वक देकर उनके शकाओ का निवारण किया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए बीएन योगी अखिलेश कुमार वर्मा, छत्रपाल बघेल, देव नारायण तिवारी के प्रयासों द्वारा सूर्य ग्रहण का विशाल आयोजन किया गया, साथ ही अंजलि ने पूछा कि ग्रहण के दौरान खाने पीने से मना क्यों करते है? मीनाक्षी ने पूछा कि ग्रहण के दौरान गर्भवती महिलाओं को बाहर निकलने से मना क्यों किया जाता है? क्या बाहर निकलने से विकलांग बच्चे पैदा होते है?

इसके जवाब में बी एन योगी ने खगोलशास्त्री एवं पंडित रवि शंकर विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके प्रोफेसर आर के ठाकुर का संस्मण सुनाया। महाविद्यालयीन छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहीं, पाइपर्छेड़ी के वरिष्ठ व्याख्याता उमेश देशमुख, सुरेश बंजारे, झलमला स्कूल के बीआर साहू सहित अन्य पालकगण उपस्थित रहे।

नव प्रदेश

खेल

रायपुर, शनिवार, 28 दिसंबर 2019

■ न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय चयनकर्ता गांधी के ड्रेसिंग रूम में घुसने पर उठा विवाद

कोलकाता (वार्ता)। पूर्वी क्षेत्र से राष्ट्रीय चयनकर्ता देवांग गांधी के ईडन गार्डन में बंगाल रणजी ट्रॉफी टीम के ड्रेसिंग रूम में घुसने को लेकर विवाद उठ खड़ा हुआ है जिसके बाद बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने इस मामले पर गुरुवार को अपनी सफाई दी। रिपोर्टों के अनुसार पूर्वी क्षेत्र से बीसीसीआई के राष्ट्रीय चयनकर्ता गांधी को भ्रष्टाचार रोधी इकाई के अधिकारी ने खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र के प्रोटोकॉल तहत बंगाल टीम के ड्रेसिंग रूम से बाहर जाने के लिए कह दिया। कैब के सचिव अविषेक डालमिया ने इस विवाद के बाद एक बयान जारी कर कहा, ÷गांधी ड्रेसिंग रूम क्षेत्र में उस समय घुसना चाह रहे थे जब खेल नहीं चल रहा था। उन्हें खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र में मैच रेफरी से आवश्यक अनुमति मिल जाने के बाद ही भ्रष्टाचार रोधी इकाई के अधिकारी ने अस्थायी आगंतुक के तौर पर घुसने की अनुमति दी।

दिव्यांश और तिलक से जीता भारत अंडर 19

ईस्ट लंदन (वार्ता)। ऑफ स्पिनर रवि बिश्नोई (36 रन पर 3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद ओपनरों दिव्यांश सक्सेना (नाबाद 86) और तिलक वर्मा (59) के बेहतरीन अर्धशतकों से भारत अंडर 19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका अंडर 19 टीम को पहले युवा वनडे में गुरुवार को नौ विकेट से हरा दिया। भारत अंडर 19 ने मेहमान टीम को 48.3 ओवर में 187 रन पर ढेर करने के बाद 42.3 ओवर में एक विकेट पर 190 रन बना कर मैच जीत लिया और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दिव्यांश ने 116 गेंदों पर नाबाद 86 रनों की पारी में 11 चौके लगाए। उन्होंने तिलक वर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 30.5 ओवर में 127 रन जोड़े। तिलक ने 95 गेंदों पर 59 रन में 9 चौके लगाए। दिव्यांश ने फिर कुमार कुशाग्र के साथ दूसरे विकेट के लिए 63 रन की अविजित साझेदारी की। कुशाग्र ने 44 गेंदों पर नाबाद 43 में 6 चौके लगाए।

दिल्ली को पराजित कर रेलवे फाइनल में

नई दिल्ली (वार्ता)। खिताब की प्रबल दावेदार रेलवे ने यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रही 48वीं राष्ट्रीय महिला हैंडबाल प्रतियोगिता के पांचवें दिन गुरूवार को पहले सेमीफाइनल में दिल्ली को 32-14 से पराजित कर खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से सजी हुई दोनों टीमों के बीच हुए मुकाबले में रेलवे की टीम हावी रही। रेलवे की तरफ से सबसे अधिक गोल अनुमित ने किए। अनुमित ने 9 गोल किए जबकि सुषमा और पवित्रा ने 6-6 गोल किए। सन्थिया ने 4, मोनिका ने 5 और सृष्टि ने एक गोल किया।

मेजबान चेन्नइयन को 4-3 से हराकर टॉप पर पहुंचा गोवा

एफसी गोवा ने गुरुवार रात को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में मेजबान तथा दो बार के चैम्पियन चेन्नइयन एफसी को 4-3 से हराकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के छठे सीजन की अंक तालिका में एक बार फिर टॉप पोजीशन को हासिल कर लिया।

चेन्नई (वार्ता)। मेजबान चेन्नइयन एफसी का सीजन में यह नौवां मैच था और टीम दो जीत, तीन हार और तीन ड्रॉ से नौ अंक लेकर 10 टीमों की तालिका में आठवें स्थान पर है। गोवा का यह 10वां मैच था और टीम अब छह जीत, तीन ड्रॉ और एक हार के साथ 21 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर काबिज हो गई है। गोवा की यह लगातार चौथी जीत है। इस सीजन में गोवा सबसे अधिक 6 जीत हासिल करने वाली पहली टीम बन गई है।

गोवा के लिए अहमद जाहो ने 26वें, ब्रेंडन फर्नांडिस ने 41वें, हूगो बोउमोस ने 45वें और फेरान कोरोमिनास ने 63वें मिनट में गोल किए जबकि मेजबान टीम के लिए आंद्रे शेम्बरी ने 57वें, रफाएल क्रिवेलारो ने 59वें तथा 91वें मिनट में गोल किए। इस सीजन में पहली बार किसी मैच में इतने गोल हुए हैं।

आधा दर्जन गोल वाले मैच का पहला हाफ पूरी तरह गोवा के नाम रहा। उसने 3-0 की बढ़त के साथ एक लिहाज से यह मैच अपने नाम कर लिया। इस हाफ की शुरुआत में चेन्नइयन एफसी ने अच्छी इच्छाशक्ति दिखाई और गोवा को कई मौकों पर चुनौती दी लेकिन पहले हाफ के मध्यांतर के बाद मानो उसने घुटने टेक दिए। इसी का फायदा उठाकर गोवा ने एक के बाद एक तीन गोल करते हुए अपने लिए तीन अंक सुरक्षित कर लिए।

मैच का पहला गोल जाहो ने 26वें मिनट में किया। जाहो ने यह गोल बोउमोस की मदद से किया। इस गोल में कोरोमिनास का भी हाथ रहा। कोरो ने ही राइट फ्लैंक से बोउमोस को पास दिया था। बोउमोस ने बॉक्स में पहुंचे जाहो को पास दिया और इस डिफेंसिव मिडफील्डर ने बिना किसी दिक्कत के विशाक कैथ को छका दिया।

गोवा ने अपना लय बनाए रखा और इसका फायदा उसे 41वें मिनट मिला, जब ब्रेंडन फर्नांडिस ने गोल करते हुए गोवा को 2-0 से आगे कर दिया। इस गोल में चेन्नइयन एफसी के डिफेंस की हालांकि लापरवाही भी रही। जर्मनप्रीत सिंह ने लूसियान गोइयान को एक बैक पास दिया, जिसे वह ठीक से नियंत्रित नहीं कर सके। ब्रेंडन ने चपलता दिखाते हुए गेंद अपने कब्जे में ली और पोस्ट में डाल दिया। मेहमान टीम ने अपने लय को आगे भी जारी रखा और हार के डर से हकलान हो चुके चेन्नइयन एफसी पर लगातार हमले किए।

दानिश कनेरिया के साथ भेदभाव: कासिम और मोहसिन का समर्थन मिला

पीसीबी ने झाड़ा अपना पल्ला कहा- शोएब के साथी जवाब दें

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शोएब अख्तर के बयान से किनारा करते हुए कहा कि वह वह इस आरोप के लिए जवाबदेह नहीं है। अख्तर ने कहा था कि उनके पूर्व साथी दानिश कानेरिया को हिन्दू होने के कारण अन्य खिलाड़ियों से भेदभाव झेलना पड़ता था।

- ■ कनेरिया एक हिंदू खिलाड़ी थे इसलिए उनके साथ खाना भी नहीं खाते थे साथी क्रिकेटर
- ■ महान खिलाड़ी हैं शोएब अख्तर, बोलिंग की तरह बातें भी खरी-खरी करते हैं: दानिश कनेरिया
- ■ इस पर बोर्ड ने कहा- इस आरोप पर तो कनेरिया और अख्तर के साथियों को जवाब देना चाहिए

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शोएब अख्तर के बयान से किनारा करते हुए कहा कि वह वह इस आरोप के लिए जवाबदेह नहीं है। अख्तर ने कहा था कि उनके पूर्व साथी दानिश कानेरिया को हिन्दू होने के कारण अन्य खिलाड़ियों से भेदभाव झेलना पड़ता था। अख्तर ने यह कहकर बवाल पैदा कर दिया कि कनेरिया का कुछ खिलाड़ियों ने अपमान किया क्योंकि वह हिन्दू था। इस वजह से उन्हें जरूरी श्रेय नहीं मिला और कुछ खिलाड़ी तो उसके धर्म के कारण उसके साथ खाना नहीं खाते थे।

शोएब अख्तर ने किया था खुलासा

कनेरिया ने भी अख्तर के बयान पर सहमति जताई और कहा कि वह जल्द ही उन खिलाड़ियों के नामों का खुलासा करेंगे जिन्होंने उनके धर्म के कारण उनके साथ गलत व्यवहार किया। यह पूर्व स्पिनर 2012 से स्पॉट फिक्सिंग के कारण आजीवन प्रतिबंध झेल रहा है।

बोर्ड की यह दलील

पीसीबी के प्रवक्ता ने कहा, 'अख्तर और कनेरिया दोनों संन्यास ले चुके हैं और हमसे अनुबंधित नहीं हैं इसलिए वह जो चाहे कर सकते हैं और कह सकते हैं। यह उनके विचार हैं। और उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट की पूरी व्यवस्था के खिलाफ नहीं बल्कि कुछ खिलाड़ियों के व्यवहार को लेकर आरोप लगाए हैं।' उन्होंने कहा, 'जब कनेरिया खेल रहा था तब इंजमाम उल हक, राशिद लतीफ, यूनिस खान और मोहम्मद यूसुफ पाकिस्तान के कप्तान रहे। अख्तर और कनेरिया ने जो कुछ कहा, इस पर उन्हें जवाब देना चाहिए। इसमें बोर्ड को क्यों शामिल होना चाहिए।' अख्तर और कनेरिया को पूर्व टेस्ट खिलाड़ी इकबाल कासिम और मोहसिन खान का समर्थन मिला है। पूर्व टेस्ट सलामी बल्लेबाज ने मोहसिन खान ने कहा, 'एक खिलाड़ी का आकलन उसके धर्म, रंग या जाति से नहीं बल्कि उसके क्रिकेट कौशल और टीम के प्रति प्रतिबद्धता से किया जाना चाहिए।

हेड (114) और कप्तान पेन (79) की जबरदस्त पारी

ट्रेविस हेड के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया हुआ मजबूत

ट्रेविस हेड (114) के शानदार शतक और कप्तान एवं विकेटकीपर टीम पेन (79) की जबरदस्त पारी तथा उनके साथ छठे विकेट के लिए 150 रनों की साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए 467 का बड़ा स्कोर बना लिया और स्टंप्स तक मात्र 44 रन के स्कोर पर न्यूज़ीलैंड के 2 विकेट भी गिरा दिए।

मेलबोर्न (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह चार विकेट पर 257 रन से आगे खेलना शुरू किया था और अपनी पहली पारी में 155.1 ओवरों में विशाल 467 रन बनाए। ट्रेविस हेड ने अपनी 25 रनों की पारी को आगे बढ़ाते हुए शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 234 गेंदों की पारी में 12 चौके की मदद से 114 रन बनाये और वह नील वेगनर की गेंद का शिकार हुए। टेस्ट करियर में यह उनका दूसरा शतक था।

कप्तान पेन ने भी 138 गेंदों पर 79 रन की पारी से टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में महतवपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में नौ चौके लगाए। पेन और ट्रेविस ने मिल कर छठे विकेट के लिए जबरदस्त 150 रनों की साझेदारी की। पूर्व कप्तान स्टीवन स्मिथ 77 रन से आगे खेलते हुए 85 रन पर आउट हुए। उन्होंने 242 गेंदों की पारी में 8 चौके और एक छक्का लगाए। बल्लेबाजी करने आयी न्यूज़ीलैंड टीम की शुरुआत बेहद साधारण रही और टीम के 23 रन के स्कोर पर टॉम ब्लंडेल मात्र 15 रन पर अपना विकेट गवां बैठे। पहले नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान केन विलियम्सन भी कुछ ख़ास नहीं कर सकें और 16 रन बाद केवल 9 रन के निजी स्कोर पर पैटिनसन की गेंद पर कीपर पेन को कैच थमा बैठे।

डोप टेस्ट में फेल सांगवान पर लगा एक वर्ष का प्रतिबंध

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने पूर्व एशियाई रजत पदक विजेता मुक्केबाज सुमित सांगवान पर डोप परीक्षण में विफल होने के कारण एक वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया है।

नई दिल्ली (वार्ता)। नाडा के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने गुरुवार रात को ट्वीट कर कहा, ÷सुमित सांगवान द्वारा प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण उन पर तत्काल प्रभाव से एक वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया गया है। सांगवान के नमूने को 10 अक्टूबर को प्रतियोगिता से बाहर (ओओसी) एकत्र किया गया था और उन्हें प्रतिबंधित पदार्थ एसेटेज़ोलैमाइड के लिए पॉजीटिव पाया गया था जो वाडा की 2019 की प्रतिबंधित सूची में शामिल है। नाडा इंडिया ने ट्वीट कर कहा, ÷भारतीय मुक्केबाज सुमित सांगवान के डोप टेस्ट में एसेटेज़ोलैमाइड पदार्थ पाया गया जो प्रतिबंधित पदार्थ की श्रेणी में आता है। उनका नमूना 10 अक्टूबर 2019 को एकत्र किया गया था जब वह एलीट पुरूष बॉक्सिंग चैम्पियनशिप, 2019 में भाग ले रहे थे। उन्होंने कहा, एंटी-डोपिंग अनुशासन समिति ने सुमित को अनुच्छेद 10.5.1 के तहत एक वर्ष की अवधि के लिए अयोग्य करार दिया है। उन पर प्रतिबंध तत्काल प्रभाव 26 दिसंबर से लागू होगा। सुमित ने अपने बचाव में हालांकि किसी प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन से इंकार करते हुए याचिका में कहा था कि उन्होंने आंख में संक्रमण होने के कारण डॉक्टर को दिखाया था और डॉक्टर द्वारा दी गयी दवाई में प्रतिबंधित पदार्थ था।

पारस डोगरा ने बनाया नौवां दोहरा शतक

कोलकाता (वार्ता)। पुडुचेरी की तरफ से खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज पारस डोगरा (200) ने मिजोरम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप मैच में शानदार दोहरा शतक बनाया जिसकी बदौलत पुडुचेरी ने अपनी पहली पारी 5 विकेट पर 458 रन बना कर घोषित कर दी। 35 वर्षीय डोगरा का प्रथम श्रेणी में यह नौवां दोहरा शतक है। ओवरआल प्रथम श्रेणी में यह उनका 26वां शतक है और इसी के साथ उन्होंने 8000 रन भी पूरे कर लिए। उन्होंने इस सत्र में लगातार दूसरा शतक बनाया है। उन्होंने पिछले मुकाबले में सिक्किम के खिलाफ 117 रन बनाये थे। डोगरा ने 220 गेंदों पर 200 रन में 20 चौके और 2 छक्के लगाए।

मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र के बीच होगा हॉकी प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला

मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी और हॉकी महाराष्ट्र के बीच अखिल भारतीय प्राइजमनी महिला हॉकी प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

झांसी (वार्ता)। यहां ध्यानचंद स्टेडियम में खेले गये पहले सेमीफाइनल में महाराष्ट्र ने खेल छात्रावास लखनऊ की टीम को 4-1 से हराकर जीत हासिल की। महाराष्ट्र की भावना खरे ने 15वें मिनट में ही पहला गोल कर अपनी टीम को बढत दिलायी और इसके बाद राखी प्रजापति ने दो गोल दागकर मैच में अपनी टीम का दबदबा बना दिया। वैष्णवी फालके ने एक और गोल कर जीत का अंतर बढ़ा दिया। लखनऊ की तरफ से अंशिका सिंह ने एकमात्र गोल कर पायी। महाराष्ट्र की टीम ने 4-1 से मैच अपने नाम किया। दूसरे सेमीफाइनल में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने उत्तर रेलवे को 2-0 से मात दी। मध्य प्रदेश की उपासना सिंह ने मैच के 12वें मिनट में और कंचननिधि ने 14वें मिनट में गोल दागकर विपक्षी टीम पर बढ़त बनायी। इसके बाद पूरे समय रेलवे की टीम इस अंतर को कम या बराबर करने का प्रयास करती रही लेकिन उसे अंत तक कामयाबी नहीं मिली। मध्यप्रदेश ने यह मैच 2-0 के अंतर से जीत लिया। शुक्रवार को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा जबकि तीसरे स्थान के लिए उत्तर रेलवे और खेल छात्रावास लखनऊ की टीमें जोर आजमायेंगी।

जीत का विकल्प लक्ष्य सेन के रूप में भारत को मिला भारतीय बैडमिंटन का नया स्टार

विश्व चैंपियन सिंधू के खेल में रहा उतार-चढ़ाव

रियो ओलम्पिक की रजत पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व चैंपियनशिप की पहली भारतीय विजेता होने का इतिहास रचा लेकिन इसे छोड़कर उनके प्रदर्शन में पूरे साल गिरावट देखने को मिली जबकि युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन भारतीय बैडमिंटन के नए स्टार बनकर उभरे।

भारत की दूसरी शीर्ष खिलाड़ी सायना नेहवाल पूरे साल अपनी फॉर्म और फिटनेस से संघर्ष करती रही और वह उस खिलाड़ी की छाया मात्र दिखाई दीं जिसने 2012ओलम्पिक में कांस्य और 2018 में राष्ट्रमंडल खेलों में सिंधू को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। पुरुष एकल में किदाम्बी श्रीकांत ने ख़ासा निराश किया जबकि सौरभ वर्मा घरेलू टूर्नामेंट सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंच कर उपविजेता बने। चिराग शेट्टी और सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी ने अगस्त में थाईलैंड ओपन में पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह पहली भारतीय जोड़ी बने। सात्विक और चिराग फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचकर उपविजेता बने और उन्होंने युगल मुकाबलों में सबसे ज्यादा उम्मीद बंधाई है।

नई दिल्ली (वार्ता)। चिराग शेट्टी और सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी की जोड़ी ने साल 2019 में पुरुष युगल मुकाबलों में कुछ शानदार प्रदर्शन किया और अगले साल के टोक्यो ओलम्पिक के लिए उम्मीद बंधा दी। सिंधू के विश्व खिताब, लक्ष्य के साल के पांच खिताब और अपनी सर्वश्रेष्ठ 32वीं रैंकिंग तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी का पुरुष युगल में शानदार प्रदर्शन इस साल भारतीय बैडमिंटन की कुछ चमकदार उपलब्धियां रहीं। सिंधू ने अगस्त में जापान की नोजोमी ओकुहारा को लगातार गेमों में पराजित कर विश्व चैंपियनशिप जीतने के साथ नया इतिहास रच दिया। सिंधू इस खिताब से पहले तक और इस खिताब को जीतने के बाद साल के अंत तक संघर्ष करती रहीं। विश्व चैंपियनशिप के बाद सात टूर्नामेंटों में वह मात्र एक टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंची और अन्य टूर्नामेंटों में उनका बोरिया बिस्तर पहले या दूसरे दौर में बंधता रहा। साल के आखिरी वर्ल्ड टूर फाइनल्स में सिंधू अपने ग्रुप के पहले दो मैच हारकर सेमीफाइनल की होड़ से बाहर हो गयीं। उन्होंने अपना आखिरी मैच जीता लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। सिंधू ने पिछले साल यह खिताब जीता था और उसके बाद के 12 महीनों में उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के रूप में मात्र एक खिताब जीता। अपने प्रदर्शन में उतार चढ़ाव के बावजूद सिंधू टोक्यो ओलम्पिक में भारत के लिए बैडमिंटन में सबसे बड़ी पदक उम्मीद मानी जा रही हैं लेकिन 2020 में उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। सिंधू की विदेशी कोच किम जी ह्यून को उनकी विश्व चैंपियनशिप की कामयाबी का श्रेय गया लेकिन ह्यून ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफ़ा दे दिया जिसके बाद सिंधू के प्रदर्शन में भारी गिरावट देखने को मिली। भारत के उभरते स्टार लक्ष्य सेन ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया और साल के आखिरी महीने दिसम्बर में ढाका में बंगलादेश इंटरनेशनल चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट का ख़िताब जीता।

दिल्ली सत्र की पहली जीत की दहलीज पर

नई दिल्ली (वार्ता)। इशांत शर्मा और सिमरजीत सिंह के एक और शानदार प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए और बी मुकाबले में हैदराबाद के खिलाफ जीत की दहलीज पर पहुंच गयी है। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में दिल्ली को जीत के लिए 84 रन का मामूली लक्ष्य मिला है और उसने शुक्रवार को तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक बिना कोई विकेट खोये 24 रन बना लिए हैं। कप्तान शिखर धवन 15 रन बना कर और कुणाल चंदेला छह रन बना कर क्रीज पर हैं। दिल्ली को मात्र 60 रन की जरुरत है और उसके सभी 10 विकेट बाकी है। दिल्ली ने पहली पारी में 284 रन बनाये थे जबकि हैदराबाद की टीम पहली पारी में मात्र 69 रन पर सिमट गयी थी और उसे फॉलोऑन करना पड़ा था। हैदराबाद ने सुबह दो विकेट पर 20 रन से आगे खेलना शुरू किया और ओपनर तथा कप्तान तन्मय अग्रवाल की 103 रन की शानदार पारी से पारी की हार को टाल दिया। हैदराबाद की टीम ने दूसरी पारी में 298 रन बनाये। तन्मय ने 154 गेंदों पर 13 चौको और एक छक्के की मदद से 103 की शानदार पारी खेली। हैदराबाद ने अपनी छह विकेट 97 रन पर गवां दिए थे लेकिन तन्मय ने तनय त्यागराजन (34) के साथ सातवें विकेट के लिए 93 रन और मेहदी हसन (नाबाद 71) के साथ आठवें विकेट के लिए 60 रन जोड़ कर टीम को पारी की हार से बचा लिया।

महोत्सव में लोक कलाकारों ने बिखेरी आदिवासी संस्कृति की छटा

पहले दिन लद्दाख, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, बेलारूस और छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने दी प्रस्तुति

लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने साइंस कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का शुभारंभ किया..

रायपुर। लोकसभा सांसद श्री राहुल गांधी ने आज यहां साइंस कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों से आए लोक कलाकारों के साथ कदम से कदम मिलाकर और मांदर पर सधे हुए कलाकार की तरह थाप देकर लयबद्ध नृत्य किया और उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने भी नृत्य में उनका साथ दिया।

आदिवासी नृत्य की झलकियां

राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के पहले दिन लद्दाख, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, बेलारूस और छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने महोत्सव में संस्कृति की छटा बिखेरी। तीन दिनों तक चलने वाले इस नृत्य महोत्सव में 23 राज्यों, 03 केन्द्र शासित प्रदेशों और 06 बांग्लादेश, श्रीलंका, थाईलैण्ड, युगांड़ा, मालदीप और बेलारूस के लगभग 1800 कलाकार प्रस्तुति देंगे।

मुख्य अतिथि का गौर सींग मुकुट और जड़ी-बूटी की माला से हुआ स्वागत

रायपुर । राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद श्री राहुल गांधी का मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गौर सींग मुकुट और जड़ी-बूटी की माला से स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में उपस्थिति विशिष्ट अतिथियों का जड़ी-बूटी की माला और पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। गौर सींग और चेहरे पर कौड़ियों की कतार वाला मुकुट आदिवासियों की पहचान है। गौर सींग नृत्य आदिवासियों के गौरव का प्रतीक है। यह बस्तर की आदिम संस्कृति की सबसे पुरानी विरासत है। आज भी बस्तर के आदिवासी परिवारों में यह मुकुट पीढ़ी दर पीढ़ी धरोहर के रूप में विद्यमान है।

रायपुर एयरपोर्ट में मुख्यमंत्री ने की अगुवाई

रायपुर । राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने लोकसभा सांसद श्री राहुल गांधी आज सुबह रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुँचे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्रिमंडल के सभी सदस्य गण और विशिष्ठ जन उपस्थित थे। इसके उपरांत श्री राहुल गांधी, मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और मंत्री मंडल के सदस्यों तथा जनप्रतिनिधि गण, साइंस कॉलेज रायपुर में होने वाले महोत्सव मैदान के लिए बस से रवाना हुए।

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से आए डांस ग्रुप की छात्राओं से नवप्रदेश से खास बातचीत

स्वागत से अभिभूत हुआ आंध्रप्रदेश का नृत्यक दल

अश्विन अगाड़े

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में देश-विदेश से आए आदिवासी कलाकार नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दे रहे हैं। प्रस्तुति के बाद ये कलाकार महोत्सव स्थल पर लगे स्टालों का निरीक्षण भी कर रहे हैं। इस दौरान उनसे कार्यक्रम में पहुंचने वाले स्थानीय लोग भी अनायास ही रू-ब-रू हो जाते हैं। इस मेल मिलाप के लिए भाषा संबंधी बाधा भी बौनी साबित हो रही है। कुछ कलाकार जो थोड़ी बहुत भी हिंदी जानते हैं वे लोगों से बात कर अपने अनुभव साझा करने लालायित नजर आते हैं। प्रस्तुति के बाद महोत्सव स्थल पर लगे विभिन्न स्टाल का लुत्फ ले रहे आंध्र प्रदश के विजयनगरम से आए एक ऐसे ही ग्रुप

से नवप्रदेश ने बात की। इस ग्रुप ने बताया कि वे रायपुर पहुंचने पर अपने स्वागत से अभिभूत है। यह भी बताया कि उनका नृत्य आंध्रवासियों से भी ज्यादा तल्लीनता से छत्तीसगढ़ के लोगों ने देखा और पसंद किया।

पेश है खास बातचीत...

बेहद खास हुआ स्वागत

ग्रुप की एक छात्रा के. कीर्ति ने बताया कि इस कार्यक्रम को लेकर उनके ग्रुप का अनुभव बेहद अच्छा रहा। यहां की हर चीज उन्हें अच्छी लगी। खाना, लोगों का व्यवहार, स्वागत आदि सभी चीजें बेहद पसंद आई। के कीर्ति ने बताया कि उनके ग्रुप के रायपुर पहुंचने पर उनका जो स्वागत हुआ, उससे वे अभिभूत है और इसे कभी नहीं भूला सकते।

नृत्य का नाम बताया ढिमसा, विवाह व उत्सवों में दी जाती है प्रस्तुति

उनके ग्रुप के डांस की विशेषता के बारे में पूछे जाने पर कीर्ति ने अपनी शिक्षिका प्रमिला देवी से गुफ्तगू कर बताया कि उनके डांस का नाम ढिमसा है, जो आंध्र प्रदेश में खासकर विवाह या अन्य सार्वजनिक उत्सवों के दौरान प्रस्तुत किया जाता है।

आंध्र सरकार बुलाती है अपने आयोजनों में

के. कीर्ति ने बताया कि आंध्र प्रदेश सरकार के विभिन्न आयोजनों में उनके ग्रुप को बुलाया जाता है। ग्रुप की सभी छात्राएं 10वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहे हैं। के. कीर्ति के अलावा इसमें अमिषा, पोलम्मा, दिव्या, सुप्रिया, ज्योति शामिल हैं। ग्रुप का नेतृत्व उनके साथ आई शिक्षिका प्रमिला देवी कर रही हैं।